



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28]
No. 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 13, 1991/आषाढ़ 22, 1913
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 13, 1991/ASADHA 22, 1913

इस भाग में भिन्न छूट संख्या की जाती है जिससे कि यह भाग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 24 जून, 1991

का. आ 1917—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, आंध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से (गृह एच. सी. ए. विभाग जी. ओ. आर. डी. सं 2736 तारीख 11-10-90 द्वारा) दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के मदियों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार अन्ध-धारा नियंत्रण अधिनियम, 1947 और अन्ध-धारा नियंत्रण अधिनियम, 1938 की सुपान धाराओं और भारतीय दण्ड संहिता की विभिन्न धाराओं के प्रवीन दंडनीय ऐसे अपराधों के अन्वेषण के लिए जिनके बारे में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नदगवाद द्वारा यह प्रतिकथन है कि वे

चिन्तित मामले में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों द्वारा किए गए हैं, आन्ध्र प्रदेश के संघर्ष राज्य पर करती है —

निम्न की एस आई आर	प्रभियुक्त का नाम
सं. द्वारा	
1	2
भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 471 के साथ पठित धारा 120-ब, अन्ध-धारा नियंत्रण अधिनियम, 1947 के साथ पठित 5(1) (घ) के साथ पठित 5(2), अन्ध-धारा नियंत्रण अधिनियम, 1988 की धारा 13 (1)	1 श्री के. राजशेखर राय, पूर्व प्रादेशिक प्रबन्धक, यूनाइटेड इंडिया इन्सुरेंस कंपनी लि. हेदराबाद (केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी) 2 श्री ए. हरिनाथ, प्रबन्धक, एस आई बी, आई. सी. के. लि. हेदराबाद प्रादेशिक कार्यालय

1	2
(व) के साथ पठित 13 (2) के अधीन एस. आई. आर. सं. 20/90, हैदरा- बाद तारीख 24-7-90	(केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी) 3. श्री वी. सत्यनारायण, प्रभागीय प्रबंधक, डी. ओ. (1) यू. आई. आई. कं लिमिटेड, हैदराबाद (केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी) 4. मैसर्स सी. डी. आर. हेल्थ केयर, हैदराबाद (प्राइ- वेट फर्म) 5. मैसर्स मेडिकार्ड हेल्थ एसोशिएशन, हैदराबाद (प्राइवेट फर्म) 6. मैसर्स कोस्टल हेल्थ केयर प्राइवेट लि. हैदराबाद (प्राइवेट फर्म)

[सं. 228/30/91-ए वी डी -II]

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
& PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 24th June, 1991

ORDER

S.O. 1917 —In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Andhra Pradesh Vide Home (SC-A) Deptt. G.O. Rt. No. 2736 dated 11-10-1990, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences punishable under relevant sections of Prevention of Corruption Act, 1947 and Prevention of Corruption Act, 1988 and various sections of Indian Penal Code alleged to have been committed by the employees of Central Government and Private Persons in the following case by the CBI Hyderabad:

SIR No. Sec. of Law	Name of the accused
1	2
SIR No. 20/90-Hyd. dt. 24-7-90 under Section 120-B read with 420, 467. 471 Indian Penal Code 5(2) read with 5(1)(d) of Preven- tion of Corruption Act, 1947 of 13(2) read with 13(1)(d) of Prevention of Corruption Act, 1988.	1. Sri K. Rajasekhar Rao. formerly Regl. Manager, United India Insurance Co. Ltd., Hyderabad (Central Govt. employee). 2. Shri N. Harinath. Manager, RIB. U.I.L. Co. Ltd., Hyderabad Regional Office (C.G. Employee).

1	2
	3. Sri Y. Satyanarayana. Divl. Manager. D.O. III. U.I.L. Co. Ltd., Hyderabad (C.G. Employee). 4. M/s. CDR Health Care. Hyderabad (Pvt. firm) 5. M/s. Medicard Health Association. Hyderabad (Pvt. firm). 6. M/s. Coastal Health Care Pvt. Ltd. Hyderabad (Pvt. firm).

[Fo. 228/30/91-A.V.D.-II]

नई दिल्ली, 26 जून, 1991

का. आ. 1918 —केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री प्रभात कुमार चौबे, अधिवक्ता की मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के न्यायालय, दिल्ली, सेशन न्यायालय, दिल्ली और अपील न्यायालय, दिल्ली में सरकार बनाम ले. क. एस. जे. चौधरी के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन नियमित मामला सं. 3/83-सी. आई. यू. (पी.) में जो कृष्ण सिकन्द पुत्र श्री एच. डी. सिकन्द की नई दिल्ली में 2 अक्टूबर, 1982 को हुई हत्या के सम्बन्ध में है, अभियोजन के संचालन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/39/90-ए. वी. डी. II]

New Delhi, the 26th June, 1991

S.O. 1918.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri Prabhat Kumar Chaube, Advocate, as Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 3/83-CIU(P) State versus Lt. Col. S. J. Choudhary relating to the murder of Krishan Sikand son of Shri H. D. Sikand at New Delhi on the 2nd day of October, 1982 in the Court of Chief Metropolitan Magistrate, Delhi, Court of Sessions, Delhi and the appellate/revisorial Courts, Delhi.

[No. 225/39/90-AVD.III]

आदेश

नई दिल्ली, 16 जून, 1991

का. आ. 1919:—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधि-नियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से (देखिए गृह) (एस सी ए) विभाग जी ओ आरटी सं. 628 तारीख 12-3-1991 (दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, नीचे वर्णित

अपराधों और मामलों का अन्वेषण के लिए, सम्पूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है) :—

आर सी सं. और कानून की अभियुक्त का नाम
धारा

- आरसी 3 (एस) 89 वीएसपी 1. श्री जे. उपेन्द्र शर्मा,
तारीख 2-2-89 भारतीय रोकड़-सह-लेखा निपिक,
दण्ड संहिता की धारा 477- बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा
क और 409 के अधीन विशाखापट्टनम।
2. श्रीमती अंजनी देशी,
श्री जे. उपेन्द्र शर्मा की
बहन, भकान सं. 6-14-12
अचंतीवारी स्ट्रीट राजमुन्दरी

[संख्या 228/30/91-ए. बी. डी. II]

ORDERS

New Delhi, the 26th June, 1991

S.O. 1919—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh (vide. Home SC-A) Department G.O. Rt. No. 628 dated 12-3-1991 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences and cases as mentioned below:—

RC No. and Sections of Law	Name of the accused.
RC.3(S)/89-VSP dated 2-2-89 under section 477-A and 409 Indian Penal Code.	1. Shri J. Upendra Sarma Cash-cum-Accounts Clerk Bank of India, Main branch, Visakhapatnam.
	2. Smt. Anjani Devi, Sister of Sri J. Upendra Sarma. House No. 6-14-12, Achantiwari Street, Rajahmundry.

[No. 228/30/91-AVD.II]

का. धा. 1920:—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से (देखिए गृह) (एस सी ए) विभाग जी प्री आर टी सं. 629 ता. 12-3-1991 (दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, नीचे वर्णित

अपराधों और मामलों का अन्वेषण के लिए, सम्पूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है) :—

आर सी सं. और कानून अभियुक्त का नाम
की धारा

- आर सी 27 (एस)/ 88 वी- 1. देवपल्ली मुतायलु पुत्र
एस पी तारीख 26-12- गंगय्या, काशीपुरम, देवरा-
88, भारतीय दण्ड पल्ली विशाखापट्टनम जिला
संहिता की धारा 420 और (प्राइवेट व्यक्ति)
477-क के अधीन।
2. देवपल्ली वीरसु पुत्र
गंगय्या क्लर्क, डी सी टीओ
आफिस गजुवका, विशाखा-
पट्टनम् (राज्य सरकार कर्म-
चारी)

[संख्या 228/30/91- ए. बी. डी. II]

S.O. 1920—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh (vide Home SC-A) Department G.O. Rt. No. 629 dated 12-3-1991 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences and cases as mentioned below :—

RC. No. and Sections of Law	Name of the accused
RC.27(S)/88-VSP dated 26-12-88 under Section 420 & 477-A Indian Penal Code.	1. Devupalli Mutyalu, S/o Gangayya, Kasipuram, Devarapalli, Visakhapatnam Distt. (Private person).
	2. Devupalli Veeresu S/o Gangayya, Clerk, DCTO Office Gajuwaka, Visakhapatnam (State Govt. employee).

[No. 228/30/91-AVD.II]

का. धा. 1921:—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से (देखिए गृह) (एस सी ए) विभाग जी प्री आर टी सं. 611 तारीख 8-3-1991 (दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, नीचे वर्णित अपराधों

और मामलों का अन्वेषण के लिए, सम्पूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती हैं:—

ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:

आर सी सं. और कानून अभियुक्त का नाम की धारा

आरसी 25 (ए) / 87-बी 1. श्री जी. वी. रघुराम, एमपी तारीख 3-8-87, शाखा प्रबन्धक, कार्पोरेशन ऑफ़ाचार निवारण अधिनियम, 1947 की धारा 5 (1) (घ) के साथ पठित धारा 5 (2) और भारतीय दण्डसंहिता की धारा 420, 467 और 477-क के अधीन। 2. श्री एम. के. एम. स्वामी, मोल्लु, मल्लारम, ईस्ट गोदावरी जिला (प्राइवेट व्यक्ति)

[संख्या 228/30/91-ए. वी. डी. II]

ए. सी. शर्मा, प्रवर सचिव

ORDER

S.O. 1921.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh (vide Home SCA) Department G.O. Rt. No. 611 dated 8-3-1991 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences and cases as mentioned below :—

RC No. and Sections of Law	Name of the Accused
RC.25(A)/87-VSP dated 3-8-87 under sections 420, 467, 477-A, Indian Penal Code and Sec. 5(2) read with 5(1)(d) of Prevention of Corruption Act, 1947	1. Sri G.V. Raghuram Branch—Manager Corporation Bank Mallavaram Branch, Est. Godavari Distt. (Central Govt. under-taking). 2. Sri M.K.M. Swamy, Mollelu, Mallavaram East Godavari Dist. (private person).

[No. 228/30/91-AVD.II
A.C. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 जून, 1991

का. आ. 1922 :—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी दून

भारतीय जीवन बीमा निगम .

1. सूरत शहर शाखा कार्यालय, क्र. 1, मुगलीसरा।
2. सूरत शहर शाखा, क्र. 2, मुगलीसरा।
3. सूरत शहर शाखा क्र. 3, मुगलीसरा।
4. सूरत शहर शाखा, क्र. 4, मुगलीसरा।
5. सूरत शहर शाखा, क्र. 5, उधना।
6. सूरत शहर शाखा, क्र. 6, सूरत।
7. सूरत शहर शाखा, क्र. 7, नानपुरा।
8. सूरत शहर शाखा, क्र. 8, अडाजण पाटिया।
9. सूरत शहर शाखा, क्र. 9, कतारगाम।
10. सूरत शहर शाखा, क्र. 10, मुगलीसरा।
11. पाडेसरा शाखा, कार्यालय, उधना।
12. बारडोली शाखा, कार्यालय, बारडोली।
13. ब्यारा शाखा, कार्यालय, ब्यारा।
14. नवसारी शाखा कार्यालय, नवसारी।
15. नवसारी शाखा कार्यालय—2, नवसारी।
16. बिल्लीमोरा शाखा कार्यालय, बिल्लीमोरा।
17. बिखला शाखा कार्यालय, बिखली।
18. बलसाड शाखा कार्यालय, बलसाड।
19. बलसाड शाखा कार्यालय, क्र. 2, बलसाड।
20. वापी शाखा कार्यालय, वापी।
21. भरुच शाखा कार्यालय, भरुच।
22. अकलेश्वर शाखा कार्यालय, अकलेश्वर।
23. अकलेश्वर जी. आई. डी. सी. शाखा कार्यालय, अकलेश्वर।
24. राजपीलता शाखा कार्यालय, भरुच।
25. बडोदरा मंडल कार्यालय, बडोदरा।
26. बडोदरा शाखा कार्यालय, बडोदरा।
27. बडोदरा शाखा कार्यालय - बडोदरा।
28. बडोदरा शाखा कार्यालय-3, बडोदरा।
29. बडोदरा शाखा कार्यालय-4, बडोदरा।
30. बडोदरा प्रतापनगर शाखा कार्यालय, बडोदरा।
31. बडोदरा अलकापुरी शाखा कार्यालय, बडोदरा।
32. बडोदरा फतेहगंज शाखा कार्यालय, बडोदरा।
33. बडोदरा मंजलपुर शाखा कार्यालय, बडोदरा।
34. डभोई शाखा कार्यालय, डभोई।
35. बोडेली शाखा कार्यालय, बोडेली।
36. नडियाद शाखा कार्यालय-I, नडियाद।
37. नडियाद शाखा कार्यालय-II, नडियाद।
38. आणंद शाखा कार्यालय-I, आणंद।
39. आणंद शाखा कार्यालय, -II आणंद।
40. ठासरा शाखा कार्यालय, ठासरा।
41. लुणावाडा शाखा कार्यालय, लुणावाडा।
42. दाहोद शाखा कार्यालय, दाहोद।
43. गोधरा शाखा कार्यालय, गोधरा।

44. हलोल शाखा कार्यालय, हलोल।
45. पेटलाद शाखा कार्यालय, पेटलाद।
46. कपडवंज शाखा कार्यालय, कपडवंज।
47. खंभान शाखा कार्यालय, खंभान।
48. बोरसद शाखा कार्यालय, बोरसद।
49. उमरेठ शाखा कार्यालय, उमरेठ।

[स. एफ 13011/7/88—हि. का. क.]

प्रदीप पुरी, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 28th June, 1991

S.O. 1922.—In pursuance of Sub-Rules (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Life Insurance Corporation of India (Under the Administrative control of Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) where of more than 80 per cent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Life Insurance Corporation of India :

1. Surat City Branch Office No. 1, Muglisra
2. Surat City Branch Office No. 2, Muglisra
3. Surat City Branch Office No. 3, Muglisra
4. Surat City Branch Office No. 4, Muglisra
5. Surat City Branch, No. 5, Ughn
6. Surat City Branch No. 6, Surat
7. Surat City Branch No. 7, Nanpur
8. Surat City Branch No. 8, Adajan Patia.
9. Surat City Branch No. 9, Katragam.
10. Surat City Branch No. 10, Maglisra
11. Padesra Branch Office, Ugha
12. Bardauli Branch Office, Bardauli
13. Byara Branch Office, Byara.
14. Navsari Branch Office, Navsari
15. Navsari Branch Office-2, Navsari
16. Ballimaran Branch Office, Ballimaran.
17. Chikhli Branch Office, Chikhli
18. Balsad Branch Office, Balsad.
19. Balsad Branch Office No. 2, Balsad.
20. Vapi Branch Office, Vapi.
21. Bharuch Branch Office, Bharuch.
22. Akleshwar Branch Office, Akleshwar.
23. Akleshwar G.I.D.C. Branch Office, Akleshwar
24. Rajpepla Branch Office, Bharuch.
25. Baroda Divisional Office, Baroda.
26. Baroda Branch Office, Baroda.
27. Baroda Branch Office-2, Baroda
28. Baroda Branch Office-3, Baroda.
29. Baroda Branch Office-4, Baroda.
30. Baroda Pratapnagar Branch Office, Baroda.
31. Baroda Alkapuri Branch Office, Baroda.

32. Baroda Fatehganj Branch Office, Baroda.
33. Baroda Mangalpur Branch Office, Baroda.
34. Dhaboi Branch Office, Dhaboi
35. Bodeli Branch Office Bodeli.
36. Nadiyad Branch Office-2, Nadiyad.
37. Nadiyad Branch Office-II, Nadiyad.
38. Anand Branch Office-1, Anand.
39. Anand Branch Office-II, Anand.
40. Thasra Branch Office, Thasra.
41. Lunavada Branch Office, Lunavada.
42. Dahod Branch Office, Dahod.
43. Godhra Branch Office, Godhra.
44. Halol Branch Office, Halol
45. Petlad Branch Office, Petlad.
46. Kapadvanj Branch Office, Kapadvanj.
47. Khambhat Branch Office, Khambhat.
48. Borsad Branch Office, Borsad.
49. Umreth Branch Office, Umreth.

[No. F. 13011/7/88-HIC].

PRADEEP PURI, Deputy Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली 25 जून, 1991

का. आ. 1923 :—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री युवराज करण को 23 मई, 1991 से आरम्भ होकर 22 अगस्त, 1991 को समाप्त होने वाली अवधि के लिये, एतद्वारा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[संख्या एफ-9/50/91-बी. प्रो. -I]

अनिता कपूर, उप सचिव

(Banking Division)

New Delhi, the 25th June, 1991

S.O. 1923.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby reappoints Shri Yuvraj Karan as whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Union Bank of India for the period commencing on 23rd May, 1991 and ending with 22nd August, 1991.

[No. F. 9/50/91-BO.I]

ANITA KAPUR, Dy. Secy.

कार्यालय मुख्य आयकर आयुक्त - III

कलकत्ता, 4 मार्च, 1991

का. प्रा. 1924:—इस कार्यालय, के अधिसूचना सं. 9187/89-90 दिनांक 11-9-89 के प्राप्ति, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 की उप-धारा (1) और (2) एवं केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना सं. 7818 दिनांक 30-3-1988 और इसके बाद जारी की गई अधिसूचना सं. 8694 का. सं. 187/8/89-प्राई. टी. ए. 1/एस. ओ. सं. 548 (ई) दिनांक 9-7-90 एवं उक्त अधिनियम की धारा 120 की उपधारा (2) और (5) के अधीन और इसकी ओर से मुझे प्रदान करने वाले सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करने हुए, 5 मुख्य आयकर आयुक्त-III, कलकत्ता एलद्वारा निदेश देता हूँ कि आयकर नियम 32 (2) और 36ए के अनुसार मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशा.) और (तक.) पश्चिम बंगाल, कलकत्ता द्वारा पदनामित जारी अधिसूचना सं. 9187/89-90 दिनांक 11-9-1989) के अनुसार निम्न स्तंभ 3 में वर्णित आयकर अधिकारी/सहायक आयकर आयुक्त (स्वो. क. क.) निम्न पैरा 2 में वर्णित ऐसे क्षेत्रों वा ऐसे मामलों या व्यक्ति के समूह के संबंध में उक्त अधिनियम के अध्याय 17 की उपधारा 195 का प्रावधान और अध्याय 17 की एवं अध्याय 16 के अधीन निर्धारण अधिकारी के रूप में अपने शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

2. निम्न स्तंभ 3 में वर्णित, निर्धारण अधिकारियों को, अपने उपाधियों के प्रतिरक्षित, कोई या सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्गों जो अध्याय 17 की के सभी धाराओं, धारा 195 को छोड़कर, में वर्णित रकम के स्वरूप या कोई आयवनी की प्रदायक के लिए उत्तरदायी और ऐसे निर्धारित के संबंध में जिनका कार्यालय (शाखा कार्यालय समित) या व्यापार के स्वाम, निम्न स्तंभ 4 में वर्णित आयकर अधिकारी के क्षेत्राधिकार के अधीन हों, आयकर अधिनियम 1961 के अध्याय 21 एवं 17 की व्यवस्था से संबंधित मामलों में भी अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने का अधिकार दिया जाता है।

3. यह अधिसूचना दिनांक 1-10-89 से लागू होगा।

आयकर आयुक्त के प्रकार	रैंज, उ. प्रा.,	निर्धारण अधिकारी (स. प्रा./प्रा. अ.)	क्षेत्राधिकार
1	2	3	4
प्रा. प्रा., प. अ. - 11, कलकत्ता	उ. प्रा., रैंज - 19, कलकत्ता	प्रा. अ. वार्ड - 1, दुर्गली	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो प्रा. अ., दुर्गली के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-बही-	-बही-	प्रा. अ., वार्ड - 1, मिर्जापुर	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो प्रा. अ., मिर्जापुर के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-बही-	-बही-	प्रा. अ., हुलिया	इस अधिसूचना का पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो प्रा. अ., हुलिया के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-बही-	प्रा. प्रा., आसनसोल रैंज- आसनसोल	प्रा. अ., वार्ड - 1, आसनसोल	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो प्रा. अ., आसनसोल के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-बही-	-बही-	प्रा. अ., - 1, दुर्गापुर	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो प्रा. प्रा., दुर्गापुर के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
आयकर आयुक्त, प. अ. - 11 उ. प्रा., आसनसोल कलकत्ता	रैंज - आसनसोल	प्रा. अ., सूरी	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो प्रा. अ., पुर्लिया के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-बही-	-बही-	प्रा. अ., बांजुरा	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आयकर अधिकारी बांजुरा के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-बही-	-बही-	प्रा. अ., पुर्लिया	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आयकर अधिकारी, पुर्लिया के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।

[सं. 18/90 - 91 (सीओ स ए सी./एस एम/प्रा. प्रा./89-90/343/4109 - 11708)]

बी. के. सिंह, मुख्य आयकर आयुक्त - III

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX-III

Calcutta, the 4th March, 1991

S.O. 1924.—In continuation of this office Notification No.9187/89-90 dated 11-9-1989 and in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 vide Notification No. 7818 dated 30-3-1988 and subsequent Notification No. 8694 in F.No.187/6/89-ITA.I/S.O.No. 548 (E) dated 9-7-1990 issued by the Central Board of Direct Taxes New Delhi, and under sub-sections (2) and (5) of Section 120 of the said Act, and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta, hereby direct that the Income Tax Officer/Assistant Commissioner of Income Tax (TDS) as mentioned in column 3 below, designated as such by the then Chief Commissioner of Income Tax (Admn) & (Tech), West Bengal, Calcutta (vide Notification No.9187/89-90 dated 11-9-1989) under Rule 32(2) and Rule 36A of the Income Tax Rules, shall exercise powers and functions as an Assessing Officer under Chapter-XVIII excepting Section 195, Chapter-XVIII and Chapter-XXI of the said Act in respect of such areas or such persons or class of persons as mentioned in para 2 below.

2. The Assessing Officers, as mentioned in column 3 below, in addition to their own duties, are empowered to act and exercise jurisdiction over any or all persons or class of persons who are responsible or paying any income or sum of the nature mentioned in all Sections of Chapter-XVII excepting Section 195, and also relating to provisions of Chapter XVIII and Chapter-XXI of the Income Tax Act, 1961 in respect of assessee's whole office (including branch office) or place of business is situated within the area of jurisdiction of Income-tax Office as mentioned in column 4 below.

3. This Notification takes effect retrospectively from 1-10-89.

Charge of the Commissioner of Income Tax.	Range D.C.	Assessing Officer (AC/ITO)	Jurisdiction
1	2	3	4
CIT, WB-XI, Calcutta.	D.C. Range-19, Calcutta.	ITO, Ward-1, Hooghly.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the I.T. Office at Hooghly.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Midnapur.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Midnapur.
-do-	-do-	I.T.O., Haldia.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Haldia.
-do-	D.C. Asansol Range, Asansol.	I.T.O., Ward-1, Asansol.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Asansol.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Durgapur.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Durgapur.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Burdwan.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Burdwan.
-do-	-do-	I.T.O., Suri.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Suri.
-do-	-do-	I.T.O., Bankura.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Bankura.

1	2	3	4
-do-	-do-	I.T.O., Purulia.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Purulia.

[No. 18/90-91 (Memo No. AC/HQ/Planning/89-90/345/11109-11708)]

V.K. SINHA, Chief Commissioner of Income Tax-II

कलकत्ता, 4 मार्च, 1991

का आ 1925—इस कार्यालय के आदेश सं. 9187/89-90 दिनांक 11-9-1989 के प्राप्ति, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) एवं केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना सं. 7818 दिनांक 30-3-1988 और इसके बाद जारी की गई अधिसूचना सं. 8694 का सं. 187/6/89 आई.टी.ओ. ए. 1/एस.ओ. सं. 548 (ई) दिनांक 9-7-90 एवं उक्त अधिनियम की धारा 120 की उपधारा (2) एवं (5) के अधीन और इसकी ओर से मुझे प्रदान करने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता एतद्वारा निर्देश देता हूँ कि आयकर नियम 32 (2) एवं 36ए के अधीन मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशा.) और (तक.) पश्चिम बंगाल, कलकत्ता द्वारा पदनामित (जारी अधिसूचना सं. 9187/89-90 दिनांक 11-9-89 के अनुसार निम्न स्तंभ 3 में वर्णित आयकर अधिकारी/सहायक आयकर आयुक्त (9 क.क.) निम्न पैरा 2 में वर्णित ऐसे श्रेणी या ऐसे मामले या व्यक्ति के समूह के संबंध में उक्त अधिनियम के अध्याय 17वीं, उपधारा 195 की छोटकर, अध्याय 17डी और अध्याय 21 के अधीन निर्धारण अधिकारी के रूप में अपने शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

2. निम्न स्तंभ 3 में वर्णित, निर्धारण अधिकारियों को अपने दायित्वों के अतिरिक्त कोई या सभी वर्ग या व्यक्तियों के वर्गों जो अध्याय 17डी के सभी धाराओं, धारा 195 की छोटकर, वर्णित रकम के स्वरूप या कोई धारकता के लिए उत्तरदायी हों और ऐसे निर्धारण के संबंध में जिनका कार्यालय (शाखा कार्यालय समेत) या व्यापार के स्थान निम्न स्तंभ 4 में वर्णित आयकर अधिकारी के क्षेत्राधिकार के अधीन हो, आयकर अधिनियम, 1961 के अध्याय 21 एवं 17डी की व्यवस्था से संबंधित मामलों में भी अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने का अधिकार दिया जाता है।

यह अधिसूचना दिनांक 1-10-89 से लागू होगी।

आयकर आयुक्त का प्रभाग	रैंज - उ आ	निर्धारण अधिकारी	क्षेत्राधिकार
1	2	3	4
आ आ, पं ब - 1, कलकत्ता	उ आ. जलपाईगुड़ी, रैंज - जलपाईगुड़ी	आ अ आई 1 जलपाईगुड़ी	अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आयकर अधिकारी, जलपाईगुड़ी के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-वही-	-वही-	आ अ, आई - 1 सदा कोच बिहार	इस अधिसूचना के पैरा 2 में निर्दिष्टित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आ आ, सदा के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-वही-	-वही-	आ अ, आई - 1 कोच बिहार	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आ अ कोच बिहार के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-वही-	-वही-	आ. अ., आई - 1, दाजिलिंग	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग, जो आ राजलिंग के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-वही-	-वही-	आ. अ. आई - 1, कालिपोंग	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आ अ कालिपोंग के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
-वही-	-वही-	म आ., सकेल - 1, नैगटोक	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आ अ, नैगटोक के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।
आ. आ, पं ब - 2, कलकत्ता	उ आ., रैंज - 10, कलकत्ता	म आ. सकेल 10 (2) अडमान और निकोबार आइलैंड	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आ अ, अडमान और निकोबार आइलैंड के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेंगे।

[सं. 18/90-91 (मार्च में म. ए. ए. 1/एस.ओ. सं. 548/89-90/345/11109-12308)]

हा एन आर शिवशामी, मुख्य आयकर आयुक्त

CALCUTTA, THE 4th MARCH, 1991

S.O. 1925. —In continuation of this office Notification No.9187/89-90 dated 11-9-1989 and in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 vide Notification No.7818 dated 30-3-1988 and subsequent Notification No.8694 in F.No.187/6/89-ITA.1/S.O.No.548(E) dated 9-7-1990 issued by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, and under sub-sections (2) and (5) of Section 120 of the said Act, and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta, hereby direct that the Income Tax Officer/Assistant Commissioner of Income Tax (TDS) as mentioned in column 3 below, designated as such by the then Chief Commissioner of Income Tax (Admn) & (Tech), West Bengal, Calcutta (vide Notification No.9187/89-90 dated 11-9-1989) under Rule 32 and 36A of the Income Tax Rules, shall exercise powers and function as an Assessing Officer under Chapter-XVIII, excepting Section 195, Chapter-XVIII and Chapter-XXI of the said Act in respect of such areas and such persons or class of persons as mentioned in para 2 below.

2. The Assessing Officers, as mentioned in column 3 below, in addition to their own duties, are empowered to act and exercise jurisdiction over any or all persons or class of persons who are responsible for paying any income or sum of the nature mentioned in all Sections of Chapter-XVIII, excepting Section 195, and also relating to provisions of Chapter XVIII and Chapter-XXI of the Income Tax Act, 1961 in respect of the assessee whose office (including branch office) or place of business is situated within the area of jurisdiction of Income Tax Office as mentioned in column 4 below.

3. This Notification takes effect retrospectively from 1-10-89.

Charge of the Commissioner of Income Tax	Range D.C.	Assessing Officer & A.C./I.T.O.	Jurisdiction
1	2	3	4
C.I.T., WB-1, Calcutta.	D.C. Jalpaiguri Range, Jalpaiguri.	ITO, Ward-1, Jalpaiguri.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office of Jalpaiguri.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Siliguri.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Siliguri.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Malda.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Malda.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Cooch-Bihar.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Cooch-Bihar.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Darjeeling.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Darjeeling.
-do-	-do-	ITO, Ward-1, Kalimpong.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Kalimpong.
-do-	-do-	AC, Circle-1, Gangtok.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Gangtok.
C.I.T., WB-VIII Calcutta.	DC, Range-10 Calcutta.	AC Circle-10(-), Andaman Nicobar Islands.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Andaman & Nicobar Islands.

[No. 19/90-91 (Memo No. AC/HQ/Planning/89-90/345/11709-12308)]
Dr. N.R. SIVASWAMY, Chief Commissioner of Income Tax,

कलकत्ता, 4 मार्च, 1991

का. भा. 1926—इस कार्यालय के आदेश सं. 9187/89-90 दिनांक 11-9-1989 के आगे आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) एवं केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना सं. 7818 दिनांक 30-3-1988 और इसके बाद जारी की गई अधिसूचना सं. 8694 का सं. 187/6/89 आई. टी. ए. - 1/एच. ओ. सं. 540 (ई) दिनांक 9-7-90 एवं उक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) एवं (5) के अधीन और इसको ओर से शुद्ध प्रदान करने वाले सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करने हुए मैं मुख्य आयकर आयुक्त - II, कलकत्ता एन/आदेश निदेश देता हूँ कि अधिनियम 32 (2) एवं 36 ए के अधीन मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशा.) और (तक.) पश्चिम बंगाल, कलकत्ता द्वारा पश्चातित (अर्थ) अधिसूचना सं. 9187/89-90 दिनांक 11-9-89 के अनुसार निम्न स्तम्भ 3 के वर्णित आयकर अधिकारी/सहायक आयुक्त (स्वो. क. क.) निम्न पैरा 2 में वर्णित ऐसे क्षेत्रों या ऐसे मामलों या व्यक्तियों के समूह के संबंध में उक्त अधिनियम के अध्याय XVII B पदार्थ 195 को छोड़कर अध्याय XVII D और अध्याय XXI के अधीन निर्धारण अधिकारी के रूप में अपनी शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

2. निम्न स्तम्भ 3 में वर्णित निर्धारण अधिकारियों को अपने उद्योगों के अतिरिक्त कोई या सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्गों का अध्याय XVII, B के अर्थ धाराओं, धारा 195 को छोड़कर वर्णित स्तम्भ के स्वरूप या कोई धारमनी की आवश्यकता के लिए उत्तरदायी हों और ऐसे निर्धारण के संबंध में जिनका कार्यालय (शाखा कार्यालय समेत) या व्यापार के स्थान निम्न स्तम्भ 4 में वर्णित आयकर अधिकारी के क्षेत्राधिकार के अधीन हों, आयकर अधिनियम 1961 के अधिनियम XXI एवं XVII D की व्यवस्था से संबंधित मामलों में आ अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने का अधिकार दिया जाता है।

3. यह अधिसूचना दिनांक 1-10-89 से लागू होगी।

का. भा. का प्रकार	रेंज - उ. भा.	निर्धारण अधिकारी	क्षेत्राधिकार
1	2	3	4
का. भा., प. बं. - 10, कल. उ. भा., रेंज - 17, कल.		का. अ. बार्ड - 1, मुर्शिदाबाद	इस अधिसूचना के पैरा - 2 में उल्लिखित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आयकर अधिकारी मुर्शिदाबाद के क्षेत्राधिकारी के अधीन हैं या आयेगे।
का. भा., प. बं. - 10, कलकत्ता	उ। भा. रेंज - 17, कलकत्ता	का. अ. बार्ड - 7, नदिया	इस अधिसूचना के पैरा 2 में वर्णित ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग जो आयकर अधिकारी, नदिया के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या आयेगे।

(सं. 20/90-91 (सीमो सं. ए. सी /एच. स्व./प्लानिंग/89-90/340/12309-129087)
के.के. वीर मुख्य आयकर आयुक्त-II

S.O. 1926 :- In continuation of this office Notification No. 9187/89-90 dated 11-9-1989 and in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 120 of the Income Tax Act, 1961 vide Notification No. 7818 dated 30-3-1988 and subsequent Notification No. 8694 in F. No. 187/6/89-ITA. I/S.O. No. 540(E) dated 9-7-1990 issued by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi and under sub-sections (2) and (5) of section 120 of the said Act, and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta, hereby direct that the Income Tax Officer /Assistant Commissioner of Income Tax (TDS) as mentioned in column 3 below, designated as such by the then Chief Commissioner of Income Tax (Admn.) & (Tech.), West Bengal, Calcutta (vide Notification No. 9187/89-90 dated 11-9-1989) under Rules 32(2) and 36A of the Income Tax Rules, shall exercise powers and functions as an Assessing Officer under Chapter XVI B, excepting section 195, Chapter XVI D and Chapter XXI of the said Act in respect of such areas and such persons or class of persons as mentioned in para 2 below.

2. The Assessing Officers, as mentioned in column 3 below, in addition to their own duties, are empowered to act and exercise jurisdiction over any or all persons or class of persons who are responsible for paying any income or sum of the nature mentioned in all sections of Chapter XVI B, excepting section 195, and also relating to provisions of Chapter XVI D and Chapter XXI of the Income Tax Act, 1961 in respect of the assessee's whose office (including branch office) or place of business is situated within the area of jurisdiction of Income-tax Office as mentioned in column 4 below.

3. This Notification takes effect retrospectively from 1-10-1989.

Charge of the Commissioner of Income Tax	Range D.C.	Assessing Officer (A.C./ITO)	Jurisdiction
1	2	3	4
CIT, WB-X, Coal.	D.C. Range-17, Calcutta.	I.T.O. Ward-I, Murshidabad.	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income-tax Office at Murshidabad.
C.I.T., WB-X, Calcutta.	DC, Range-17, Calcutta.	I.T.O., Ward-1 Nadia	All persons or class of persons as mentioned in para 2 of this Notification who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax Office at Nadia

[No. 20/90-91(Memo No. AC/HQ/Planning/89-90/345/12309-129087)]

K.K. VEER, Chief Commissioner of Income-Tax-II Calcutta.

(राजस्व विभाग)

प्रधान समाहर्ता, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का
कार्यालय

अधिसूचना सं. 04/91-सीमाशुल्क (एन.टी.)

हैदराबाद, 17 जून, 1991

का.भा. 1927.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 6-4-90 तथा 18-6-90 की अधिसूचना सं. 16/90 सीमा शुल्क (एन.टी.) तथा 34/90 सीमा शुल्क (एन.टी.) अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्नाटक राज्य के कोन्नार तालुक/जिले, कसबा होब्लि के "तामाका औद्योगिक स्थल" को औद्योगिक विकास विभाग, औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय, उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित समिति प्रयोजनार्थ

शत प्रतिशत निर्यातोनियुक्त उपक्रम स्थापित करने के लिए भण्डागार स्टेशन घोषित किया जाता है।

[फा.सं. मा.-8/40/16/91-प्रजाप सहाहर्ता(है.)]

मा. भजंगशर्मा, प्रधान समाहर्ता

(Department of Revenue)

Office of the Principal Collector of Customs & Central Excise

NOTIFICATION NO. 04/91- CUSTOMS (N.T.)

Hyderabad, the 17th June, 1991

S.O. 1927.—In exercise of the powers conferred by Notifications No. 16/90-Customs (N.T.) dated 6-4-90 and No. 34/90-Customs (N.T.) dated 18-6-90, of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, "TAMAKA INDUSTRIAL AREA" Kasaba Hobli Kolar Taluk/District in the State of Karnataka is hereby declared a warehousing station under Section 9, of Customs Act, 1962 (52 of 1962) as amended, for the limited purposes of setting up 100 per cent Export Oriented Undertakings, approved by the Government of India, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, Secretariat for Industrial Approvals, New Delhi.

[File No. VIII/40/16/91 P.C. (H.Z.)]

C. BHUJANGASWAMY, Principal Collector

नागरिक एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 19 जून, 1991

का.भा. 1928.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1935 के विनियम 4 के उपविनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एवम् द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, वे स्वीकृत कर दिये गये हैं:

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	वैधता की अवधि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	सी.एम./एल-1846566	1988-07-16	पेन्टेक्स इजी प्रा लि., होनाड ग्रा, ताको एक्सोशी रोड श्रीपेयी पान ग्रा के सामने खेलापुर तालुक, जि-रायगढ़—कार्या: भारत बाल्बेट कपाउड, शेडपूल, सर एम बासन जी रोड, बम्बई-400072	गोबर बूल्हा, बने डी.वा. रोगन किया, बी. बर्नर बाला, डी.बर्नर बाला रेटिंग 450 लि/घं प्रत्येक आई एस : 8749-1978
2.	सी.एम./एल-1846667	1988-07-16	मै हिन्दुस्तान बोबिंग इंडस्ट्री, 2 पालडग्गा रोड, कलकत्ता-700013 (पंजाब)	पटसन के लिये चौड़े करघे के शटल आई एस : 2910-1971
3.	सी.एम./एल-1846768	1988-07-16	—वही—	पटसन के लिये स्वतः परिवर्तित होने वाले करघे के शटल आई एस : 2784-1981
4.	सी.एम./एल-1846869	1988-07-16	—वही—	हैसियान और सेकिंग करघों के लिये शटल आई एस : 1186-1971
5.	सी.एम./एल-1846970	1988-07-16	मंजोल इंडस्ट्रीज, 573/1 मेन रोड, मंडली (नंद नगरी के पास) शाहपुरा, दिल्ली-110093	पालियामेंट कब्जे, टाइप-2, साइज 65, 75 और 100 मिमी आई एस : 362-1982
6.	सी.एम./एल-1847063	1988-07-61	तोषीबा एप्लाइड साइंस प्रा. लि., ए-24-ए, गली नं. 4, प्रानंद पर्वत, नई दिल्ली-110005	पामी गर्म कर के निमज्य हीटर 10 किवा रेटिंग आई एस : 368-1982

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
7. सी एम/एल-1847164	1988-07-01	बस्टन होम एक्वाइसेज, ए-37, जी टी रोड, करनाल रोड, नई दिल्ली-110033	एल्युमिनियम तल ब्लैट सहित बिजली की इस्तरा मापस्यारी 750 वा रेटिंग आई एस : 366-1985	
8. सी एम/एल-1847265	1988-07-01	काजल इलेक्ट्रिकल्स, सी-108 नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-I, नई दिल्ली-28	एल्युमिनियम तल ब्लैट सहित, 600 वा रेटिंग आई एस : 366-1985	
9. सी एम/एल-1847366	1988-07-01	जैन एस्टेट्स प्राइवेट लि, बी-1443-44, शास्त्रीनगर दिल्ली	पानी गर्म करने के लिये निमज्ज्य हीटर 10किवा से 2.0 किवा रेटिंग आई एस : 368-1983	
10. सी एम/एल-1847467	1988-07-16	हिन्दुस्तान पुलवरा इजिंग मिल्स, जी टी करनाल रोड, दिल्ली-110036 कार्या 209, 210 अनुपम भवन, आजादपुर कमभियल काम्प्लेक्स, दिल्ली-110037	मैलाधिया 5% भुक्तन चूण आई एस : 2568-1978	
11. सी एम/एल-1847568	1988-07-16	इंडियन प्रायल ब्लैडिंग लि, माहून ट्राम्बे रोड, बीपीओएल रिफाइनरी के पास, बम्बई-400074 (महा) कार्या: पीबीसी पाव, बम्बई-400074 (महा)	स्वचालन के लिये द्रव चालित द्रव, हेवी ड्यूटी टाइप आई एस : 8654-1986	
12. सी एम/एल-1847669	1988-07-16	बबल एंड इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, ई-81, इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर-144004	घातवर्धक डलवा पाइप फिटिंग, समान, पवनाम 2 तक, एल्यो भाग 2, टी भाग 3 साकेट भाग 6 यूनिफा भाग 10 आई एस : 1879 (भाग 1 से 10 तक) --1975	
13. सी एम/एल-1847770	1988-07-16	विश्वकर्मा कारपो, (वायर डिबीज) 22-23 इंडस्ट्रियल एस्टेट, कालपी रोड, कानपुर (उ.प्र.)	कंक्रीट प्रबलन के लिये कठोर कठित इस्पात तार आई एस : 432 (भाग 2) --1982	
14. सी एम/एल-1847871	1988-07-16	रासी सिरेमिक इंडस्ट्रीज लि, हसनापुर, मेडक जिन-502329 (कार्या: 3-2-248/1/7/1 और 2 पहला तल रोड सं. 1, बंजरा हिस्सा, पंजाब टुटा, हैदराबाद-500482)	कमोड (वाटर क्लोसेट) और मूत्रालयों हेतु फ्लश टंकियां-विट्रियस धारिता 10 लिटर आई एस : 774-1984	
15. सी एम/एल-1847972	1988-07-01	तोसाबी एक्वाइसेज कं-24 ए, गली नं. 6, आनंद पर्वत, नई दिल्ली	बिजली की इस्तरा, मापस्यारी 750 वा रेटिंग आई एस : 366-1985	
16. सी एम/एल-1848065	1988-07-01	पूनीवसेल इलेक्ट्रिकल्स इंडस्ट्रीज, सी-214, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-I, नई दिल्ली-110028	बिजली के विभिरक, 10 किवा रेटिंग आई एस : 369-1983	
17. सी एम/एल-1848166	1988-07-16	अमित इलेक्ट्रिकल्स, 31-एफ, मदन पार्क, रामपुरा नई दिल्ली-110028	घरेलू और ऐसी ही कार्यों के लिये स्विच 5 ए और 15 ए, 250 वा, एसी फ्लश टाइप आई एस : 3854-1975	
18. सी एम/एल-1848267	1988-07-16	पंजाब इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 150, सेंक्टर-24 फरीदाबाद-121005 (हरियाणा)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) गोल सैक्शन आई एस : 1977-1975	
19. सी एम/एल-1848368	1988-07-01	मोरवी बेजिटेशन प्राइवेट लि, बेजीटेशन रोड, मोरबी-363641 (गुजरात)	खाद्य तेलों और वनस्पति के लिये नम्य बैलियां 0.5 कि वा और 1 कि वा धारिता आई एस : 11352-1985	
20. सी एम/एल-1848469	1988-07-01	मधुसूदन बेजीटेशन प्राइवेट लि, रबील स्टेशन, तालुक वेगघाम, जि-अहमदाबाद-382315	खाद्य तेलों और वनस्पति के लिये नम्य बैलियां 1 किवा धारिता आई एस : 11352-1985	
21. सी एम/एल-1848570	1988-07-01	राजाधिराज इंडस्ट्रीज लि, इंडस्ट्रियल एस्टेट, सिमोनी-480881 (म.प्र.)	खाद्य तेलों और वनस्पति के लिये नम्य बैलियां 0.5 किवा और 1 कि वा धारिता आई एस : 11352-1985	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
22. सी एम/एल-1848671	1988-07-16	रहीमनिया मेटल 15 इंडस्ट्रियल एस्टेट, पशुबोटार्ई-622084	छाया बनो और बनाने के लिये 15 किघा के शॉकोर कनसुनर आई एम 10325—1982	
23. सी एम/एल-1843772	1988-07-16	ग्रेड होजमरीज, सेनियल बिनिङ्गम (भू तल) 20, मधुसूदरामो स्ट्रीट ओकाट्ट मिन्गुर-638602(तमि)	प्लेन थनी सुभी बनियान साइज-75 से 110 सेमी तक, टाइप-ग्रार और आर एन एम गेज . 24 आई एस 4964—1980	
24. सी एम/एल-1848873	1988-07-16	मोतिया आयल इंडस्ट्रीज प्रा लि, जालवर, पठानकोट रोड, ग्राम-ओकर डा-पैथुर होगियारपुर	पम्, ओ के लिये मिश्रित पशुघाह्य आई एम 2052—1979	
25. सी एम/एल-1848974	1988-07-16	लक्ष्मी इंडस्ट्रीज, डी-26, एम आई डी सी, शिराडी (पलाची) कोल्हापुर-416122	कृषि प्रयोजना के लिये अपरिवर्तित संपीड़न प्रज्वलन (डीजल) इंजन की कार्यकारिता अपेक्षाएं आई एस : 11170—1985	
26. सी एम/एल-1849067	1988-07-16	इंडिया कास्टिंग, बालकेश्वर रोड, आगरा	प्रान्तरिक बहुत डीजन इंजन आई एम : 11170—1985	
27. सी एम/एल-1849168	1988-07-16	फाइन शार्ट इंडस्ट्रीज (रजि) गुरु तेगबहादुर नगर(निम्बी) कगबाड़ा	वायोनैट नैम होल्डर, रोहित ब्रेकिट पम्पडेस्ट और कसे टाइप, ट हप-बी-22 पदनाम आई एस : 1258—1979	
28. सी एम/एल-1849269	1988-07-16	नर्वेया कारेस्ट इंडस्ट्रीज प्रा लि, मम्बारी, दीवान गंज जि-रावसेन (म. प्र.) कार्या. ए-109, 112 शास्त्री नगट, भोपाल-462017	इमारती लकड़ी के पैकल लगे दरवाजों के शटर आई एस 1003(भाग 1)—1989	
29. सी एम/एल-1849270	1988-07-16	गीयनका इंडस्ट्रीज, एक-37 रोड नं 9 एफ, वीकेआई एरिया, जयपुर	एलिङ्गन मुख्य बूर्ण आई एम : 1308—1984	
30. सी एम/एल-1849471	1988-07-16	भ बवाल इंडस्ट्रीज, प्रीतम भवन निर्मल मीरा स्कूल के सामने, मालीपुरा (पीयरगेट, भोपाल-462001		
31. सी एम/एल-1849572	1988-07-16	मिर्साजन एकमङ्गलन , 8-बी विस्वेय्यरलाहे इंडस्ट्रियल एरिया, महादेवपुरा, बंगलौर-560084 कार्या : रेतकोर्स रोड इंडस्ट्रीज हाउस, बंगलौर-560001	पेय जल हेतु प्रप्लास्टीकृत पीपीसी पाइप श्रेणी 2 साइज : 110 मिमी तक श्रेणी 3 साइज 110 मिमी तक आई एम : 4985—1985	
32. सी एम/एल-1849673	1988-07-16	मिनोटो इंजी वक्स, 32 बमारोह रोड, हाबड़ा-711306	रिफ्लक्स वाष्प साइज 15 मिमी से 300 मिमी तक 1.0 म पावबन आई एस : 5312(भाग 1)—1984	
33. सी एम/एल-1849774	1988-07-16	मैग्नेम ऑपस इंजीनियर्स, 13 एन बी एन लेग्नाउट, कोयम्बर-44	एक फजी छोटी यूनिवर्सल बिजली की मोटर 0 37 किवा, 240 को, श्रेणी बी रोधन सहित आई एस : 996—1979	
34. सी एम/एल-1849875	1988-07-16	श्रुपम उद्योग, 3410 मोहित्वर पार्क, रानीबाग, नई दिल्ली-110034	बिजली की इस्तेरी, गर तापस्थापी टाइप, 60097 रेडिंग आई एस . 366—1985	
35. सी एम/एल-1849976	1988-07-16	अम्मा इंडस्ट्रीज, बी-136-बी फेज-2 नौएडा (उ. प्र.) कार्या : 23 मंडाकिनी एम्बलेव, अलकनन्दा, नई दिल्ली-110019	पैराफिन मोम आई एम : 4654—1974	
36. सी एम/एल-1850052	1988-07-01	हिमाचल एल्युमिनियम क प्रा लि, 6 इंडस्ट्रियल एरिया, ग्रेस्टर 2, परबान-173220	शिरोपरि प्रेषण हेतु जस्तीकृत एस्पात प्रबलित लकड़ाले एल्युमिनियम आलक आई एस : 398(भाग 2)—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
37. सी एम/एल-1850153	1988-08-01	रघुवीर (इडिया) लि, स्टेशन रोड दुर्गापुर, जयपुर-302015	खाद्य तेलों और वनस्पति पैकिंग के लिये नम्य थैलियाँ, 1 किग्रा धारिता आई एस : 11352-1985	
38. सी एम/एल-1850254	1988-08-01	गीता इंजीनियर्स, 155 फोरमोर रोड, रामकृष्णपुर, हावड़ा-711101	डोर क्लोजर (ब्रव चालक द्वारा नियंत्रित) साइज : 2 आई एस : 3564-1975	
39. सी एम/एल-1850355	1988-08-01	मणिपुर कंक्टर्स, केवल्स प्रा. लि., मुन्नाहिरिक पार्क, येनमिबेड, इम्फाल-795001	शिरोपरि प्रेषण हेतु तम्बू में एल्युमिनियम चालक आई एस : 398 (भाग 1)-1976	
40. सी एम/एल-1850456	1988-08-01	मणिपुर कंक्टर्स, केवल्स प्रा. लि., मुन्नाहिरिक पार्क, येनमिबेड, इम्फाल-795001	शिरोपरि प्रेषण हेतु तम्बू में इस्तेमाल प्रचलित नक़्क़ावे एल्युमिनियम चालक आई एस : 398 (भाग 2)--(ख) '	
41. सी एम/एल-1850557	1988-08-01	प्रपोलो एन्टरप्राइजेज, 27 बी/ एच/13/1 चाहुल पेटी रोड, कलकत्ता-700010	सामान्य प्रकार की सेवा हेतु टंगस्टन तंतु वाले बाल्ब, 15वा से 100 वा तक, 230 वोल्ट, बी-22 डी-येपी सहित आईएस : 418-1974	
42. सी एम/एल-1850658	1988-08-01	यूनिवर्सल वायर्स, बुधेश्वरी के पास, डाकखाना स्टेशन रोड, भवनेश्वर-6	शिरोपरि प्रेषण हेतु अस्तोक्षित इस्तेमाल हेतु एल्युमिनियम चालक आईएस : 398 (भाग 2)--1976	
43. सी एम/एल-1850739	1988-08-01	रोयल इंजीनियर्स, ई-5 भक्तिनगर, ईड एस्टेट, राजकोट-2	कृषि प्रयोजनों हेतु डीजल इंजन आईएस : 11170-1985	
44. सी एम/एल-1850860	1988-08-01	विप्रो लि., मिर्जालनगर, भावनगर-364001	खाद्य तेलों और वनस्पति पैकिंग हेतु नम्य थैलियाँ, 0.5 किग्रा से 1 किग्रा तक आई एस : 11352-1985	
45. सी एम/एल-1850961	1988-08-01	सोराब इंडस्ट्रीज, बी-7 और 8 एन जी इक इंडस्ट्रियल एस्टेट, माधवपुरा, बंगलूर-560048	साऊ, डडे ताक तंतु के लिए ऑक्सीजन मर- केन्द्री तम्बू, आईएस : 6595-1980	
46. सी एम/एल-1851054	1988-08-01	प्रमोद इंजीनियर्स फाउन्ड्री वर्क्स, प्रमोद वाटिका, टेम्बरवाई रोड, दक्षिण राजकोट (कार्या : 15 एबीसी, उद्योगनगर, राजकोट-360002)	कृषि प्रयोजनों हेतु डीजल इंजन, आईएस : 11170-1985	
47. सी एम/एल-1851155	1988-08-01	श्री राम रेजिस्ट्रेशन इंडस्ट्रीज लि., बालानगर, हैदराबाद-500037	कृषि प्रयोजनों हेतु अंतरिक्षीय तन्नि संपीडक प्रणवलीन डोजर इंजन (20 किग्रा तक) आईएस : 11170-1985	
48. सी एम/एल-1851256	1988-08-01	श्रीराम मेटल इंडस्ट्रीज, 46-बी ओल्ड ईस्ट मद्रुरी स्टेशन रोड, मद्रुरी-625009	वनस्पति और खाद्य तेलों के लिए 15 किग्रा के बीकोर कनस्तर आईएस : 10325-1982	
49. सी एम/एल-1851357	1988-08-01	जैन संस मैकेनिकल वर्क्स, 821-822 इंडस्ट्रियल एरिया बी सुधियाना	खराब 160 मिमी और 300 मिमी टाइप "ए" आईएस : 2876-1978	
50. सी एम/एल-1851458	1988-08-01	प्रकाश एंथ्रोक्लबर इंडस्ट्रीज, फाउन्ड्रीनगर, हाथरस, रोड, आगरा (उ.प्र.)	कृषि प्रयोजनों हेतु डीजल आईएस : 11170-1985	
51. सी एम/एल-1851559	1988-08-01	ग्रामिण इलेक्ट्रिकल्स, 31-एफ, मदनपार्क, रामपुरा, नई दिल्ली	तीन पिन साफेट फाउंटैट प्लग टाइप तीन पिन, 15 ए स्टेम आईएस : 1293-1967	
52. सी एम/एल-1851660	1988-08-01	यूनिवर्सल वायर्स, बुधेश्वरी डाकखाना, स्टेशन रोड, भवनेश्वर-6	शिरोपरि प्रेषण हेतु एल्युमिनियम चालक आईएस : 398 (भाग 1)-1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
53. सीएस/एस--1851761	1988-08-01	शेगका सोमेट प्रा. लि., ए-16, इंडस्ट्रियल एरिया, मेहरार, जिला अजमेर	सागर रोड वैज मोमेंट आईएस: 269--1978	
54. सीएस/एस--1851862	1988-08-01	विहार कंडक्टर, डीना इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-13	शिरोपरि प्रेषण हेतु जस्मोक्रल इस्पात प्रबलित लड बाले एल्युमिनियम चाबक आईएस: 398 (भाग 2)--1978	
55. सीएस/एस--1851963	1988-08-01	बड़ी	शिरोपरि प्रेषण हेतु जस्मोक्रल इस्पात प्रबलित लड बाले एल्युमिनियम चाबक आईएस: 398 (भाग 2) 1976	
56. सीएस/एस--1852056	1988-08-01	हीमा पेट्रोमेट्रिज, बिजनेस रोड, (रेलवे स्टेशन के पास) जि. मेरठ (उ.प्र.)	एल्विन पायसर्नाय मांस आईएस: 1307--1988	
57. सीएस/एस--1852157	1988-08-01	सनराज इंडस्ट्रीज, मायापुरी, नई दिल्ली	गर्वन विधि द्वारा बसा निर्धारण के लिए उत्तरण आईएस: 1223 (खंड 6)--1982	
58. सीएस/एस--1852258	1988-08-01	रेमसन इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, बी-10/10, ग्रुप इंड एरिया, बनीरपुर, दिल्ली-110052 (कार्या: 110072, येली प्रोडक्शन्स, नया बंगला पुणेवर्ग, दिल्ली-110006)	पातो गर्म करने के मिश्रण हीटर 2 किग्रा रेटिंग, आईएस: 361--1983	
59. सीएस/एस--1852359	1988-08-01	श्रीमती एम्प्रेस, 111 कामगोत्र रोड, निकरु--638684 (तमिल नाडु)	सादी बीनुसुती बनिशान माइज: 75-110 सेमी टाइप: आर एन और आर एन एन गेज: 25 आईएस:	
60. सीएस/एस--1852460	1988-08-01	ए.पी. एन. होमगेज, मेथियन आईएस: 20 मुम्बई सी स्ट्रीट, निकरु-638602 (तमिल नाडु)	सादी बीनुसुती बनिशान माइज: 75-110 सेमी टाइप: आर एन और आर एन एन गेज: 21	
61. सीएस/एस--1852561	1988-08-01	दि प्लांट प्रोटेक्शन प्राइवेट लि., 4/90 ए, नया बंगला, गेन्वोर-524002	डीडीटी जल परिक्षेपणीय वर्ण सांघ आईएस: 565--1984	
62. सीएस/एस--1852662	1988-08-01	बाटुबला प्लास्टिक्स (प्रा) लि., 41/20-ए1 साइट-4, इंडस्ट्रियल एरिया मात्रिदाशव, जि. मात्रिदाशव (उ.प्र.) कार्या: 8 बीरतगर, दिल्ली-110000	पॉलि प्रायमीन रस्मी उजड़ होमर लेड (व्यास 4 से 24 मिमी तक) (घेद: माधारण और विशेष आईएस: 5175--1982	
63. सीएस/एस--1852763	1988-08-01	अम्बाम्पत पाठक कं. प्रा-सोकरी, बल्लभगढ़, जि. फरीदाबाद (हरियाणा) कार्यालय: नेहरूमार्केट, बहरपुर, नई दिल्ली	प्रबलित सीमेंट कंक्रीट पाठक श्रेणी 2 माइज: 450 मिमी तक आईएस: 458--1971	
64. सीएस/एस--1852864	1988-08-01	मार्डन पोर्टलैण्ड सीमेंट, प्रा-निम्बोदाताल, गोधरा-389001, जि-पञ्चमहाल (गुजरात)	माधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट, आईएस: 269--1976	
65. सीएस/एस--1852963	1988-08-01	मार्डन कॉन्क्रेट पैकिंग प्रा. कणाड, शिकोहाबाद जि-मैनपुरी उ.प्र. कार्या: 785/15 मोहम्मद माल, शिकोहाबाद (उ.प्र.)	वाणिज्य प्रयोग हेतु उच्च कालेमिंग हेतु पैकेज--इन्फेनि 5 प्लाई आईएस: 10212 (भाग)--1988	
66. सीएस/एस--1853058	1988-08-01	माया टोपी सीमेंट वर्क अजमेरी आक्रेट पाइपवेस, पटना टोपी गोडिया-111601 जि-मंडला (प. बं.)	प्रबलित सीमेंट कंक्रीट पाठक श्रेणी 2 एनटी 2 माइज 120 मिमी तक	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
67	सीएम/एन—1853159	1988-08-01	पावलीर मलायम 2 गुरुदास दत्त गार्डन रोड कलकत्ता-700067	पाय की पट्टियों के लिए एप्लाइड के बने आईएम 10 (भाग 2)—1976
68	सीएम/एन—1853260	1988-08-01	जेपी रोड सीमेंट (अप प्रकाश हट लि का उच्च सामर्थ्य साधारण पोर्टलैंड सीमेंट एक डिब्रीज नवप्रकाश नगर, पो बान 60 रोड-486001-(उ प्र)	आईएम 8112--1976
69	सीएम/एन—1853361	1988-08-01	पाय वनस्पति प्राईडरूम जीएम राउ नगरबाद अमीन (उ प्र)	आय तथा और वनस्पति के लिए पैकिंग की की नमूने पैक 500 किग्रा और 1 किग्रा द्वारिता आईएम 11352--1985
70	सीएम/एन—1853462	1988-08-01	माद्री गटोल रूपम प्रा लि अग्रामा प्रा मेनन व्हाल्वे न 8 मे इडकर, अमला 396001 वायानय यक्षमाल 13 पल्लवा नल टियल रोड, वनमाड-396001 मजगन	इ पै गै मिलिण्डर की मरफात और रिटोमिंग आईएम 3195--1982
71	सीएम/एन—1853563	1988-08-01	रटीरका इडमिज 54-ग 54-ग इडमिज एस्टेट नरमडी आगरा-282006	कृषि प्रयोजनों के लिए आरिखित बने सपीन प्रयोजन डीजन इजन आईएम 11170--1985
72	सीएम/एन—1853664	1988-08-01	मावामी इडमिज 769 गुलोकुलम राउ कोयम्बतूर 611037 कार्या 707 अविनामी राउ वायम्बतूर 611018	निमग्न साइर रेडिंग 3 7 किग्रा 5 5 किग्रा 5 5 किग्रा और 7 5 किग्रा बेट टाएप आईएम 9283--1989
73	सीएम/एन—1857865	1988-08-01	पवन पावर प्राईडरूम प्रा लि प्लाट नं 141/1 एम बी सी इडमिजल एस्टेट ग्राम बेनाग्राम नरमापुर नरमापुर तालुक मेडक ज (आ प्र)	1100 ओ तक कार्यकारी बोटन के लिए एयु- मोनियम बालको महिनी बी सी रोधन (श्री श्री इप्टी) केबल आईएम 1554 (भाग 1)--1976
74	सीएम/एन—1853866	1988-08-01	वाईमाली इडमिज गेट न 152 (ए) इडमिज एस्टेट पोतला 2 बगली-560058	वायानय प्रमाण सेब क विग टगगा रिवामेस्ट लेख 25 बा मे 100 बा रा रडिंग 250 बा एम कुडनी बी-22 ओटोपी आईएम 418--1978
75	सीएम/एन—1853967	1988-08-01	सेटेराइट वनस्प (श्री) लि एफ-626 इड एगिया मिजाली-301019 जि--अलार (ग प्र) कार्या जी-2 कोनि नगर एक्मडेशन नई दिना 110013	1190 बा तक कार्यकारी बोटन के लिए एयु- मोनियम बालको महिनी बी सी (श्री श्री इप्टी) केबल आईएम 1554 (भाग 1)--1976
76	सीएम/एन—1854060	1988-08-01	एम निगडे 5 अलियस सी-13 इडमिज एस्टेट, बगल-573103	नार्बन पेपर, हाथ से लिखने के लिए ग्रेड ए आईएम 3456--1976
77	सीएम/एन—1854161	1988-08-01	वीगानि इडमिजकल, 61 ग मजकूर राउ नई दिल्ली	डिजली की इन्जन और वायुस्थान 600 रटि आईएम 366--1985
78	सीएम/एन—1854262	1988-08-01	मनन इड मेनन प्रा लि विश्व नगर, कोटगाँव	कृषि प्रयोजनों के लिए आरिखित गति प्रयोजन (डीजन) इजन (4 8 और 3 7 किग्रा), बी 1, बी 1 यजनिय श्रेण आईएम 11170--1985
79	सीएम/एन—1854363	1988-08-01	जे एण्ड जे इलेक्ट्रिकल, डी-81, सैक्टर-10 नगर 201001 जि मजियाबाद (उ प्र)	डिजली का इन्जन और वायुस्थान, 750 बा रटि आईएम 366--1985
80	सीएम/एन—1854464	1988-08-01	एके एस्टेट प्राईडरूम-20 काजगाँव जि आगरा-282006 (उ प्र)	कृषि प्रयोजनों के लिए अपस्थित गति नरमन प्रयोजन (डीजन) इजन, 5 9 बा आईएम 11170--1985

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
81.	सीएम/एल- 1854565	1988-08-01	एनडी सजिकल्स (प्रा) लि, सोना रोड, पो बा नं. 34, मोबांगर-201204	श्रेण पट्टी IS : 4605--1981
82.	सीएम/एल- 1854666	1988-08-01	इंडियन वायर्स, आरपाडा, भुवनेश्वर-731006	शिरोपरि प्रेषण हेतु एल्युमिनियम के लड़वार खालक, 7 लाइ IS : 398 (भाग 1)--1976
83.	सीएम/एल- 1854767	1988-08-01	श्री हरिहर इंस्ट्रूज (प्रा) लि, एस 102 और 102, मनचेश्वर इंडस्ट्रियल स्टेट, भुवनेश्वर-731010	शिरोपरि प्रेषण हेतु एल्युमिनियम के लड़वार खालक, 7 लाइ IS : 398 (भाग 1)--1976
84.	सीएम/एल- 1854868	1988-08-01	युनाइटेड इंस्ट्रूज, 4865/1 नुम्ब्राई, आगरा-282008 (उ.प्र.)	कृषि प्रयोजनों के लिए अंतरिक्षित गति संपीडन प्रक्षवदन (होजल) इंजन, 3.7, 4.8, 5.5 और 5.4 किवा बो, बो 1 IS : 11170--1985
85.	सीएम/एल- 1854969	1988-08-01	महालक्ष्मी इंस्ट्रूज, 21/48 दोगंग, आगरा-282004 (उ.प्र.)	कृषि प्रयोजनों के लिए अंतरिक्षित गति संपीडन प्रक्षवदन (होजल) इंजन 3.7, 5.9 और 4.8 रेटिंग बी बी। जलशीतित IS : 11170--1985
86.	सीएम/एल- 1855062	1988-07-16	बालाजी बेजोटेबल प्रॉडक्ट्स (प्रा) लि, पो बा नं. 43, शाहजहापुर रोड, सीतापुर-261001 (उ.प्र.)	खाद्य तेलों और वनस्पति के लिए नम्यपीक IS : 11352--1985
87.	सीएम/एल- 1855163	1988-08-01	बजरंगबली सैंटल इंस्ट्रूज, जल फाटक डा- धनबाद, जि-- धनबाद	1100 बो तक कार्यकारी बोल्डता के लिए तांबा बाणको के लिए खोलवार और खोल रहित पीबीसी रोहित केवल IS : 694--1977
88.	सीएम/एल- 1855264	1988-08-01	लैम्पस, बब्ल्यू-10 इंडस्ट्रियल एस्टेट, यादवगिरि मैसूर-570020	सामान्य प्रकाशसेवा के लिए टंगस्टनहेतु बल्ब, 25 वा से 100 वा तक रेटिंग 250 वा, एक कुंडली/कुंडलित कुंडली, बी-22डी टोपी सहित IS : 410--1978
89.	सीएम/एल- 18553645	1988-08-01	नेशनल प्लाईवुड इंस्ट्रूज लि, मकुम रोड तिनसुकिया, असम-786125 कार्यालय : 5 फेंसी रोड, कलकत्ता-700001	भवनों के बाहर प्रयोग के लिए ब्लाक बोर्ड, व्यापारिक टाइप (काम) और भवनों के अन्तर प्रयोग हेतु व्यापारिक टाइप (मार्शकोएम) IS : 1659--1979
90.	सीएम/एल- 1855466	1988-08-01	प्रभु इंडस्ट्रियल उद्योग प्रा. लि. 1 तपेण बाट रोड, कलकत्ता-700053	विद्युत् उपकरणों हेतु ज्वालासह खोल टाइप एफएम-3 IS : 4985--1981
91.	सीएम/एल- 1855567	1988-08-01	प्लान्टेन, 28 पुराना नामिका रोड, बेलघाटिया, कलकत्ता-700056 कार्यालय--प्लॉट नं. एन, जोधपुर पार्क, कलकत्ता-700068	पेयजल आपूर्ति हेतु अप्लास्टीक पीबीसी पाइप साइज 110 मिमी तक IS : 4985--1981
92.	सीएम/एल- 1855668	1988-08-01	इंडियन वायर्स, आरपाडा, भुवनेश्वर-731006	जस्तीकृत इस्पात प्रबलित लड़ वाले एल्यु- मिनियम खालक-- IS : 398 (भाग 2)--1976
93.	सीएम/एल- 1855769	1988-08-01	विन्सन रॉय इंस्ट्रूज, 22/460 नूयनी पलघाट-67800 (केरल) कार्यालय : पदम नन वेथी कोटेज, नूयनी, जं. पलघाट-678004	टंगस्टन तंतु बल्ब 25 वा से 100 वा तक रेटिंग 250 वा एक कुंडली/कुंडलित कुंडली बी-22डी टोपी सहित IS : 418--1978
94.	सीएम/एल- 1855870	1988-08-01	ममल, इंस्ट्रूज, म. 73 इंडस्ट्रियल एस्टेट, 7 मैसूर-570020	टंगस्टन तंतु बल्ब 100 वा एक कुंडली/कुंडलित कुंडली बी-22 डी टोपी सहित IS : 418--1978

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
95.	सीएम/एल- 1855971	1988-08-01	कुमार इंडस्ट्रीज, सदल रोड, इंडस्ट्रियल एरिया जालंधर शहर	घात बर्षों बनवा पाइप फिटिंग, समान साइज: पब्लिक 2 तक एलसी- भाग 2, टी-भाग-3 साकेट-4, यूनिट-भाग 10 IS : 1879- - 1975
96.	सीएम/एल- 1856061	1988-08-01	बाबा इंडस्ट्रीज प्लॉट नं. 6, सेक्टर 1, परबानू, जि.-मोहन (हिप्र)	1100 बी तक कार्यकारी बोर्डिंग के लिए एल्युमिनियम तांबा आलको वाला खोलदार या खोल रहित गैबीसी रोहित केबल, बाहरी और अग्निरोधी प्रवर्धन को छोड़कर IS : 694- - 1977
97.	सीएम/एल- 1856165	1988-08-01	डॉपीएफ इलेक्ट्रिकल्स एसएफ 131/4 विलेनकुचुकी, मेम रोड, विलेनकुचुकी का कोयम्बर-641035	कृषि प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त पम्प हेतु फुटवाल IS : 10805- - 1980
98.	सीएम/एल- 1856266	1988-08-01	दुर्गा एंड कंपनी सरिया मिल कंपाउण्ड के अंदर, कुलदीनगर धम्बाला शहर-133001 (हरियाणा)	धातु पालिश, ड्रम IS 5487- - 1989
99.	सीएम/एल- 1856367	1988-08-01	कुलवीप इंडस्ट्रियल कारपोरेशन (कॉम्पैक्ट) 41 इंडस्ट्रियल एरिया, बंजागढ़	ध्वाकलोर पायसनीय सांद्र IS : 9356- - 1980
100.	सीएम/एल- 1856468	1988-08-01	- नहीं-	एल्यूमिन पायसनीय सांद्र IS : 1307- - 1988
101.	सीएम/एल- 1856569		- नहीं-	एल्यूमिन थ्रूकन थ्रू IS : 1308- - 1984
102.	सीएम/एल- 1856670	1988-08-01	एबरेस्ट कार्बोन्स प्रा. लि. शा.-बेयरा माजरा डा.-बापरतह राजपुरा, जि.-पटियाला (पंजाब) धम्बाला हाइवे) कार्यालय: 1023 सेक्टर 36 सी बंजीगढ़	टाइप राइटर के लिए कार्बन पेपर IS : 1551- 1976
103.	सीएम/एल- 1856771	1988-08-01	- नहीं-	कार्बन पेपर IS : 3450- - 1976
104.	सीएम/एल- 1856872	1988-08-01	के बी कॉम्पैक्ट, एस-2/18.3 भू इंडस्ट्रियल एस्टेट, डा.-जगतपुर-754201 जि.-भटक (उड़ीसा)	एल्यूमिनो-पैरिक IS. 299- - 1989
105.	सीएम/एल- 1856973	1988-08-01	धम्बा कॉम इंडस्ट्रीज, 272 जीआरडीपी इंडस्ट्रियल एस्टेट, एक्स मकारपुरा बरोडा-390010	घायरम जल परिक्षेपणीय थ्रू IS : 4766- - 1982
106.	सीएम/एल- 1857066	1988-08-01	एसोसिएटेड इंजीनियर्स, सी-3 इंडस्ट्रियल एस्टेट, अरिसिकिरी-573103 कर्नाटक	टाइपराइटर के लिए कार्बन पेपर 3 IS : 4166- - 1982
107.	सीएम/एल- 1857167	1988-08-01	बता एंड वास गुप्ता प्रा.-बगडेल डा.-भार-नोपालपुर, जि.-24 परगना	हस्तकालित भाग 1 पिस्टन टाइप IS : 3906 (भाग 1)- - 1982
108.	सीएम/एल- 1857268	1988-08-01	नोशीबा होम एप्लाइड प्लॉट नं. 126, सेक्टर-25, फरीदाबाद-121004 (हरियाणा)	प्रयोग हेतु बरेल्यू बूल्डा, स्टैन्डलैस इस्पात दो बर्नर, डलवां लोहे के पारस्परिक बर्नर 1554 किग्रा/घं और 2064 किग्रा/घं कुल गैस 332 घा/घं IS : 4246- - 1984
109.	सीएम/एल- 1857369	1988-08-01	जैनिय कारपोरेशन, 5-ए जैननगर, मेरठ शहर-230002 (उप्र.)	हथकरंधे का सूती पट्टी का काटा गैर निर्जलित IS : 883- - 1969
110.	सीएम/एल- 1857470	1988-08-01	हरकरन वास दाप चंद, 470 और 479 लारेंस रोड, रामपुरा, दिल्ली-110035 (कार्या: 455 बारीबाबा-110006)	धुलाई का साबुन, टाइप 1 IS : 285- - 1974

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
111	सीएम/एल- 1857571	1988 08 01	सुपरवेटरीज (गजि) बी-91 नारायणा इडि. एरिया, फेज-1, नई दिल्ली-110023	मीसा प्रमन सहायक बैटरी मोटर वाहन हेतु, 12 बी. 80 एएच क्षमता IS 7372-- 1974
112	सीएम/एल- 1857672	1988 08 01	विक्टर केबलस कासी (प्रा.) दिल्ली घायरन स्टील के लि, 1851 कोटो रोड गाजियाबाद (उप्र)]	तांबा जालको जाली पीबीसी रोहित केबल, 11/33 फिवा शेड तक IS 5 54 (भाग 2) - 1981
113	सीएम/एल- 1857773	1988 08 01	इंजीनियर कैसीकलस प्लाट नं. 103-ए, मकटर "ए" इडि एरिया, मंडीदीप-462046	विरजक चूर्ण, स्थायी शेड-2 IS 1065-- 1971
114	सीएम/एल- 1857874	1988 08 01	श्रीराम डीजल (इडिया) सी-65-66 फाउंड्री नगर, भागुरा (उप्र)	कृषि प्रयोजना हेतु अपरिवर्तित गति संपीडन प्रज्ज्वलन इंजन 3.7, 5.9 बी, जलशीलित, IS बी. 11170-- 1985
115	सीएम/एल- 1857975	1988 08 01	--वही--	कृषि प्रयोजना हेतु अपरिवर्तित गति संपीडन, प्रज्ज्वलन इंजन, 3.7, 5.9, बी, जलशीलित IS ! बी 11170 - 1985
116	सीएम/एल- 1858068	1988 08 01	जयश्री फाइनर प्रोडक्ट्स लि. भा -- भालमपुर डा -- म्यू कोलारा, जि -- हावड़ा	मनीला रस्सी IS 1084-- 1983
117	सीएम/एल- 1858169	1988 08 01	माइन सेफ्टी एप्लाइसेज लि पी-25 ट्रांसपोर्ट डिपो रोड, कलकत्ता-700088	औद्योगिक सुरक्षा हेल्मेटस माइज- ~ मध्यम IS 2925-- 1984
118	सीएम/एल- 1858270	1988 08 01	गोलाश्री एंटर प्राइजिज (प्रा) लि, डी-33 इंडस्ट्रियल एस्टेट, कटक-753010 (उड़ीसा)	जस्तीकृत इस्पात प्रबलित लकवाले एल्यूमीनियम जालक IS 398 (भाग 2)-- 1976
119	सीएम/एल- 1858371	1988 08 01	श्री हरिहर इंडस्ट्रीज (प्रा) लि, एम-102 जोर 103 मनचेश्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट, भुवनेश्वर-731010	जस्तीकृत इस्पात प्रबलित लकवाले एल्यूमीनियम जालक IS 398 (भाग 2) -- 1976
120	सीएम/एल- 1858472	1988 08 01	मीमेट कारपोरेशन आफ गुजरात लि, प्रमनवाड़ा गा -- मोरासा, गा के पास तालुक वीरगल जि -- जूनागढ़	पोर्टलैंड पोक्लाना सीमेन्ट IS 1489-- 1976
121	सीएम/एल- 1858573	1988 08 01	विजय काथर एपरेट्स क सी-1/बी-1 जीआईबीसी एस्टेट, उमसाम, जि--बानसाड (गुज) कार्या 35 बांदी वाली गा -- साकीबिहार रोड के सामने बम्बई-400072	अग्नि गमन के लिए चूने टाइप माधारण IS 4308-- 1984
122	सीएम/एल- 1858674	1988 08 01	कनकोरा लैम्प इंडस्ट्रीज, 39/4 डोडोकलएसेन्टा कनकापुरा रोड, बगमोर-560062	जीएलएस टंगस्टन तंतु बल्ब, 40वा से 100 वा तक रेडिंग 250 बी, एक कुंडली/कुंडलित कुंडली बी-22 बी टोपी सहित IS : 418-- 1978
123	सीएम/एल- 1858775	1988 08 01	बालाजी प्रेशर केबलस प्रा.लि 26-ए, श्रीवेंकटेश्वर काल इंडस्ट्रियल एस्टेट, आईडीए, गीडीमटेला, द्वैराबाद-500853	पुराने द्र पे ने मिलिटरी की मरम्मत और रिजिडीकरण IS 3196-- 1976

[मं के प्र वि. 13: 11]

एस मुकुन्दमथन, अपर महाविभाग

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 19th June, 1991

S. O. 1928—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

THE SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L—)	Operative Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the licences and the relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	CM/L-1846566	1988-07-16	M/s Pentax Engg. Pvt. Ltd., Honad Village, Takai Acloshi Road, Opp. Khopoli Pan Highway, Khalapur Taluka, Distt. Raigad-410203 (Office : Bharat Velvet Compd, Safed Pool, Sir M. Vasanji Road, Bombay-400072).	Cast iron painted body Gobar gas double burners stove with cast iron burner of ratings 450 l/h each IS : 8749—1978
2.	CM/L-1846667	1988-07-16	M/s Hindustan Bobbin Industries, 2, Paglodnga Road, Calcutta-700013 (WB)	Shuttles for jute broad looms. IS : 2910—1971
3.	CM/L-1846768	1988-07-16	—do—	Shuttles for automatic Co-changing jute looms. IS : 2784—1971
4.	CM/L-1846869	1988-07-16	—do—	Shuttles for Hessian and sacking looms. IS : 1186—1971
5.	CM/L-1846970	1988-07-16	M/s Manjit Industries, 573/1, Main Road, Mandali (Near Nand Nagari) Shahdara, Delhi-110093.	Parliament hinges type-2, size : 65, 75 and 100 mm. IS : 362—1982
6.	CM/L-1847063	1988-07-01	M/s Toshiba Appliances Co., A-24-A, Gali No. 4, Anand Parbat, New Delhi-110 005.	Electric Immersion water heater 1.0 Kw rating. IS : 368—1983
7.	CM/L-1847164	1988-07-01	M/s Western Home Appliances, A-37, G.T. Road, Karnal Road, Delhi-110033.	Electric Iron, thermostatic with aluminium sole plate 750W rating. IS : 366—1985
8.	CM/L-1847265	1988-07-01	M/s Kajal Electricals, C-108, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110028.	Electric iron, non-thermostatic, 6000 W rating. IS : 366—1985
9.	CM/L-1847366	1988-07-01	M/s Jain Enterprises, B-1443-44, Shastri Nagar, Delhi-110052.	Electric immersion water heaters, 1.0 Kw to 2.0 Kw rating. IS : 368—1983
10.	CM/L-1847467	1988-07-16	M/s Hindustan Pulvorising Mills, G.T. Karnal Road, Bakoli, Delhi-110036 (Office : 209, 210, Anupam Bhawan, Azadpur Commercial Complex, Delhi-110037).	Malathion 5% Dusting Powder IS : 2568—1978
11.	CM/L-1847568	1988-07-16	M/s Indian Oil Blending Ltd., Mahul Trombay Road, Near BPOL Refinery, Bombay-400074 (Maharashtra). (Office : PVC Pad Trombay, Bombay-400074 (MS).	Automotive hydraulic brake fluid, heavy duty type. IS : 8654—1986

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
12.	CM/L-1847669	1988-07-16	M/s Double Aay Industrial Corporation, E-81, Industrial Area, Jalandhar-144 004.	Malleable cast iron pipe fittings: equal upto and including size designation 2. Elbows—Part II, Tees—Part III, Sockets Part VI, Unions—Part X IS : 1879 (Part I to X)—1975.
13.	CM/L-1847770	1988-07-16	M/s Vishwakarma Corpn. (Wire Division). 22-23, Industrial Estate, Kalpi Road, Kanpur (U.P.).	Hard drawn steel wire for concrete reinforcement IS : 432 (Part II)—1982
14.	CM/L-1847871	1988-07-16	M/s Raasi Ceramic Industries Ltd., Isnapur, Medak Distt.-502329 (Office : 3-2-248/1/7/1 & 2 1st Floor Road No. 1, Bamjara Hills, Panjagutta, Hyderabad-500482.	Flushing cisterns for water closets and urinals (Vitreous) Capacity: 10 litres IS : 774—1984
15.	CM/L-1847972	1988-07-01	Toshiba Appliances Co., A-24/A, Gali No. 4, Anand Parbat, New Delhi-110005.	Electric Iron, Thermostatic, 750W rating. IS : 366—1985
16.	CM/L-1848065	1988-07-01	M/s Universal Electrical Industries, B-214, Naraina Industrial Area, Phase - I, New Delhi-110028.	Electric radiators 1.0 Kw rating. IS : 369—1983
17.	CM/L-1848166	1988-07-16	M/s Amit Electricals, 31-F, Madan Park, Ram pura, New Delhi.-110026.	Switches for domestic and similar pur- poses, 5A and 15A, 250V AC flush type IS : 3854—1966
18.	CM/L-1848267	1988-07-16	M/s Punjab Industries, Plot No. 150, Sector 24, Faridabad-121003. (Haryana).	Structural steel (Ordinary quality) "Round sections only". IS : 1977—1975
19.	CM/L-1848368	1988-07-16	M/s Morvi Vegetable Products Ltd., Vegetable Road, Morvi-363641 (Gujarat).	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 0.5 Kg & 1kg. Capacity. IS : 11352—1985
20.	CM/L-1848469	1988-07-01	M/s Madhusudan Vegetable Products Co. Ltd., Rakhial Station, Taluka Dehgam, Distt. Ahmedabad-382315.	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 1 Kg capacity. IS : 11352—1985
21.	CM/L-1848570	1988-07-01	M/s Rajadhiraj Industries Ltd., Industrial Estate, Seoni-480661 (M.P.)	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 0.5 Kg, and 1 Kg. capacity. IS : 11352—1985
22.	CM/L-1848671	1988-07-16	M/s Rahimania metals, 15, Industrial Estate, Pudukkottai-622084	15-Kg square tine for vanaspati and edible Oils. IS : 10325—1982
23.	CM/L-1848772	1988-07-16	M/s Grand Hosierys, Santhil Buildings, (Ground floor), 20, Mathura Swamy Street, Odakkadu, Tirupur-638602 (T.N.).	Plain knitted cotton vests sizes : 75 to 110 Cm Types : RN & RNS Gauge : 24 IS : 4964—1980
24.	CM/L-1848873	1988-07-16	M/s Motia Oil Industries Pvt. Ltd., Jalandhar Pathankot Road, Villago Khokhar, P.O. Saidpur, Hoshiarpur.	Compoundd feeds for cattle. IS : 2052—1979
25.	CM/L-1848974	1988-07-16	M/s Laxmi Industries, D-26, MIDC, Shirol (Palachi), Kolhapur-416122.	Performance requirements for constant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural purposes. IS : 11170—1985
26.	CM/L-1849067	1988-07-16	M/s India Castings, Balkeshwar Road, Agra.	Internal combustion diesel engine, IS : 11170—1985

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
27. CM/L-1849168	1988-07-16	M/s Fine Art Industries (Regd.), Guru Teg Bahadur Nagar, (Tibbi) Phagwara-	Bayonet lamp holder insulated bracket pendant and better type B-22 Designation. IS:1258—1979	
28. CM/L-1849269	1988-07-16	M/s Narbada Forest Industries, Pvt. Ltd. Ambari, Diwanganj, Distt. Raisen (MP) (Office : A-109, 112, Shastri Nagar, Bhopal-462017).	Timbur panelled door shutters IS : 1003 (Part I)—1977	
29. CM/L-1849370	1988-07-16	M/s Goenka Industries, F-37, Road No. 9-F V K I Area, Jaipur.	Aldrin dusting powders IS : 1308—1984	
30. CM/L-1849471	1988-07-16	M/s Dayal Industries, 'Pritam Bhawan' Opp. Nirmal Meera School, Malipura (Pear Gate), Bhopal-462001 Fty: 148-B, Sector A, Industrial Area, Mandideep, Bhopal (M.P.).	Domestic LPG gas stove stainless steel and Ni/Cr plated. Burner : CI & conventional double ratings: 1554 kcal/h, 2064 Kcal/h Total gas consumption 332 g/h. IS : 4246—1984	
31. CM/L-1849572	1988-07-16	M/s Precision Extrussions, 8-B, Visveswaralah, Industrial Area, Mahadevapura, Bangalore-560048. (Office : Race Course Road, Industry House, Bangalore-560001).	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies. Class 2— Sizes upto and including 110 mm Class 3— Sizes upto and including 110 mm. IS : 4985—1985	
32. CM/L-1849673	1988-07-16	M/s Minoti Engg. Works, 32, Buaroh Road, Howrah-711306	Reflexuvalves : Sizes 150 mm upto and including 300 mm 1.0 MPa IS : 5312 (Part I)—1984	
33. CM/L-1849774	1988-07-16	M/s Magnum Opus Engineers, 13 NVN Layout, Coimbatore-44.	Single phase small ac universal electric Motors 0.37 KW, 240 V, Class B insulation IS : 996—1979	
34. CM/L-1849875	1988-07-16	M/s Rishabh Udyog, 3410, Mohindra Park, Rani Bagh, Delhi-110034.	Electric Iron, Non-thermostatic type, 600W rating IS : 366—1985.	
35. CM/L-1849976	1988-07-16	M/s Khanna Industries, B-136-B, Phase II, Noida-(U.P.). (Office : 235, Mandakhni Enclave, Alaknanda, New Delhi-110019).	Paraffin wax, type—3. IS : 4654—1974	
36. CM/L-1850052	1988-08-01	M/s Himachal Aluminium Co. Pvt. Ltd., 6, Industrial Area, Sector II, Parwanoo-173320.	Seven strand aluminium Conductors galvanized steel reinforced for over- head transmission purposes. IS : 398 (Part II)—1976	
37. CM/L-1850153	1988-08-01	M/s Raghuvir (India) Ltd., Station Road, Durgapura, Jaipur-302015.	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 1 Kg. capacity. IS : 11352—1985	
38. CM/L-1850254	1988-08-01	M/s Gitasree Engineering, 155, Foreshore Road, Ramkrishnapur, Howrah-711101.	Door Closures (Hydraulically regulated) Size 2. IS : 3564—1975	
39. CM/L-1850355	1988-08-01	M/s Manipur conductors & Cables Pvt. Ltd., Muchiheirak, Themiband, Imphal-795001.	All aluminium conductors for overhead transmission purposes. IS : 398 (Pt. I)—1976	
40. CM/L-1850456	1988-08-01	- do -	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes, seven strands. IS : 398 (Part II)—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
41. CM/L-1850557	1988-08-01	M/s Apolo Enterprises, 27B/H/13/1, Chaul Petty Road, Calcutta-700010.	Tungston filament general lighting service lamps from 15W and upto and 100W, 230V, with B-22 d caps. IS : 418—1974	
42. CM/L-1850658	1988-08-01	M/s Universal Wires, Near Bhudheswari Post Office, Station Road, Bhubaneswar-6.	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes. IS : 398 (Part II)—1976.	
43. CM/L-1850759	1988-08-01	M/s Regal Engg. Works, E-5, Bhakti Nagar, Indl Estate, Rajkot-2.	Diesel engines for agricultural purposes IS : 11170—1985	
44. CM/L-1850860	1988-08-01	M/s. Wipro Ltd., Nirmalnagar, Bhavnagar-464001.	Flexible pouches for the packing of edible oils and vanaspati, 0.5 Kg and 1 Kg. Capacity. IS : 11352—1985	
45. CM/L-1850961	1988-08-01	M/s Sovraba Industries, B-7 & 8, NGEF, Industrial Estate, Mahadevapura, Bangalore-560048.	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold fresh water, IS : 6595—1980	
46. CM/L-1851054	1988-08-01	M/s Ashok Engg. & Foundry Works, Ashok Vatika, Dhebarbhai Road (South) Rajkot. (Office : 15, ABC Udyognagar, Rajkot-360002).	Diesel engine for agricultural purposes, IS : 11170—1985	
47. CM/L-1851155	1988-08-01	M/s Shriram Refrigeration Industries Limited, Balangar, Hyderabad-500037.	Constant speed compression Ignition diesel engines for agricultural purposes (Upto 20 Kw). IS : 11170—1985	
48. CM/L-1851256	1988-08-01	M/s Sri Ram Metal Industries, 46-D Old East Madurai Station Road, Madurai-625009	15-Kg. square tins for vanaspati and edible oils. IS : 10325—1982	
49. CM/L-1851357	1988-08-01	M/s. Jainson Mechanical Works, 821-822, Industrial Area B, Ludhiana.	Lathe chucks sizes 160 mm and 200 mm, Type A IS 2876—1978	
50. CM/L-1851458	1988-08-01	M/s Prakash Agricultural Industries, Foundry Nagar, Hathras Road, Agra (U.P.).	Diesel engines for agricultural purposes. IS : 11170—1985	
51. CM/L-1851559	1988-08-01	M/s Amit Electricals, 31-F, Madan Park, Rampura, New Delhi-110026.	Three pin socket-outlets, flush type 5 and 15A, rating; three-pin plugs 15A rating. IS : 1293—1967.	
52. CM/L-1851660	1988-08-01	M/s Universals Wires, Near Budheswari Post Office, Station Road, Bhubaneswar-6.	Aluminium Conductor for overhead trans- mission purposes, seven strand. IS : 398 (Part I)—1976	
53. CM/L-1851761	1988-08-01	M/s Khenka Cement Pvt. Ltd., A-16, Industrial Area, Behrar, Distt. Alwar.	Ordinary portland cement IS : 269—1976	
54. CM/L-1851862	1988-07-16	M/s Bihar Conductors, D-II, Industrial Area, Patna-13.	7 Strand aluminium conductors galvanized steel reinforced. IS : 398 (Part II)—1976	
55. CM/L-1851963	1988-07-16	—(to—	Seven strand all aluminium conductors for overhead transmission purposes. IS : 398 (Part I)—1976	
56. CM/L-1852056	1988-08-01	M/s Heena Pesticides, Bijrol Road, (Near Railway Crossing), Baraut, Distt Meerut (U.P.).	Aldrin emulsifiable concentrates. IS : 1307—1988	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
57. CM/L-1852157	1988-08-01	M/s Sanraj Industries, Mayapuri, New Delhi.	Apparatus for determination of fat by gerber method, IS : 1223 (Section 6)—1982	
58. CM/L-1852258	1988-08-01	M/s. Remson Electrical Industries, B-10/10 Group Indl. Area, Wazirpur, Delhi-110052. (Office : 10072, Gali Zanirwali, Nawab Ganj, Pulbangash, Delhi-110006.	Electric immersion water heaters 2 KW rating. IS : 368—1983	
59. CM/L-1852359	1988-08-01	M/s. Oxo Apparels, 111, Kamoraj Road, Tirupur-638684 (T.N.).	Plain knitted cotton vests. Size : 75 x 110 Cm. Types : RN & RNS Gauge : 26.	
60. CM/L-1852460	1988-08-01	M/s A.P.N. Hosieries, Santhil Buildings, 20, Muthuswamy Str. et, Tirupur-638602 (T.N.).	Plain knitted cotton vests. Size : 75 x 110 Cm. Types : RN & RNS Gauge : 24	
61. CM/L-1852561	1988-08-01	M/s. The Plant Protection Products Pvt. Ltd., 4/90, Nawabpet, Nellore-524002.	DDT water dispersible powder concen- trates IS : 565—1984	
62. CM/L-1852662	1988-08-01	Babubali Plastics (P) Ltd., 41/20-21, Site IV, Industrial Area, Sahibabad Distt. Ghaziabad-(UP) (Office: 8 Veer Nagar, Delhi-110007).	Polypropylene ropes 3-Strand hawser laid (diameter 4 to 24 mm) Grades Ordinary and special IS: 5175—1982	
63. CM/L-1852763	1988-07-16	M/s. Chandra Spun Pipe Co. Village : Seckri Ballabgarh Distt. Faridabad (Haryana) (Office : Nehru Market, Badarpur, New Delhi-110044)	Reinforced cement concrete pipes Class 2—Sizes upto and including 450mm. IS: 458—1971	
64. CM/L-1852864	1988-08-01	M/s. Modern Portland Cement, Village : Chikhodratal, Godhra-389001 Distt. Panchmahal (Gujarat)	Ordinary portland cement. IS : 269—1976	
65. CM/L-1852965	1988-08-01	M/s. Modern Corrugated Packagings, Post Office Compound, Shikohabad Distt. Mainpuri-UP (Office : 785/15, Mohd. Mah Shikohabad (U.P.)	Packages for high cuplosing for commer- cial use double wall 5 ply. IS : 10212 (Part I)—1986	
66. CM/L-1853058	1988-08-01	M/s. Matatoli Cement Works, Anjali Offset Premises, Kanhartoli, Gondia-441601 Distt. Bhandra (WB)	Reinforced cement concrete pipes Class NP 2—Sizes upto and including 1200 mm IS : 458—1971	
67. CM/L-1853159	1988-08-01	M/s. Rupa Veneer Suppliers, 2, Gurudas Dutta Garden Lane, Calcutta-700067.	Tea chest plywood panels. IS : 10 (Part II)—1976	
68. CM/L-1853260	1988-08-01	M/s. Jaypee Rewa Cement, (A Division of Jaiprakash Ind. Ltd.), Jaypur Nagar, P.B. No. 60 Rewa-486001 (MP)	High strength ordinary portland cement IS : 8112—1976	
69. CM/L-1853361	1988-07-16	M/s. Prag Vanaspati Products, G.T. Road, Naurangabad, Aligarh-(U.P.)	Flexible packs for the packing of edible oils and vanaspati 500 gm and 1 Kg Capacity— IS : 11352—1985	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
70. CM/L-1853462	1988-08-01	M/s. Sahyadri Steel Tubes Pvt. Ltd., Abrama Village, Off National Highway No. 8, Valsad-396001 (Office: Yashkamal 13 First Floor, Tithal Road, Valsad-396001) Gujarat	Repair and reconditioning of LPG by cylinders. IS : 3196—1982	
71. CM/L-1853563	1988-08-01	M/s. Steelco Industries, 54-A, Industrial Estate, Nunhai, Agra-282006.	Constant speed compression ignition diesel engines for agricultural purposes IS : 11170—1985	
72. CM/L-1853664	1988-08-01	M/s. Sabasi Industries, 768, Pulikulam Road, Coimbatore-641037 (Office: 707, Avanashi Road, Coimbatore-641018)	Submersible motors of ratings 3.7 kw 5.5 kW and 7.5 kW wat type IS : 9283—1979	
73. CM/L-1853765	1988-08-01	M/s. Pawan Power Products Pvt. Ltd., Plot No. 141/1, S.V.C. Industrial Estate, Village Ballaram, Narsapur Tq. M. dak Distt. (A.P.)	PVC insulated (Heavy duty) cables with and aluminium conductors for working voltages upto and including 1100V. IS : 1554 (Part I)—1976	
74. CM/L-1853866	1988-08-01	M/s. Bysani Industries, Shed No. A52(a), Industrial Estate, Peenya II State Bangalore-560058	Tungsten filament general lighting service lamps of 25W upto and including 100W rating 250V, single coil/coiled coil, with B22 d caps IS : 418—1978	
75. CM/L-1853967	1988-08-01	M/s. Satellite Cables (P) Ltd., F-626, Indl. Area, Bhiwadi-301019, Distt. Alwar (Rajasthan) (Office: G-2, Extn. Kirti Nagar, New Delhi-110013)	PVC insulated (Heavy Duty) cables with copper conductors for working voltages upto and including 1100V, IS : 1554 (Part I)—1976	
76. CM/L-1854060	1988-08-01	M/s. Associated Engineers, C-13, Industrial Estate, Arsikere-573103 (Karnataka)	Carbon papers, handwriting, Grade A, IS : 3450—1976	
77. CM/L-1854161	1988-08-01	M/s. Paragaon Electricals, 69/5A, Najafgarh Road, New Delhi-110015.	Electric iron, Non-Thermostatic 600W rating. IS : 366—1985	
78. CM/L-1854262	1988-08-01	M/s. Menon & Menon Pvt. Ltd., Vikram Nagar, Kolhapur-416005.	Canstant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural purposes (4.8 and 3.7 kW) V1, B1 governing class IS : 11170—1985	
79. CM/L-1854363	1988-08-01	M/s. J & J Electricals, D-81, Sector, X, Noida-201301 Distt. Ghaziabad (UP)	Electric iron, thermostatic, 750W rating IS : 366—1985	
80. CM/L-1854464	1988-08-01	M/s. A.K. Enterprises, B-20, Foundry Nagar, Agra-282006 (UP)	Constant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural purpo- ses of 5.9, V, B1. IS : 11170—1985	
81. CM/L-1854565	1988-08-01	M/s. H.D. Surgicals (P) Ltd., Sona Road, Post Box No. 34, Modinagar-201204(UP)	Crepe bandage IS : 4605—1981	
82. CM/L-1854666	1988-08-01	M/s. Indian Wires, Jharpada, Bhubaneswar-731006.	Aluminium stranded conductors for overhead transmission purposes seven strand. IS : 398 (Part I)—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
83. CM/L-1854767	1988-08-01	M/s. Sri Harihar Industries (P) Ltd , S-102 & 103, Mancheswar Industrial Estate, Bhubaneswar-731010	Aluminium stranded conductors for overhead transmission purposes Seven strand. IS : 398 (Part I) - 1976	
84. CM/L-1854868	1988-08-01	M/s. United Industries, 4865/1, Numbhi, Agra-282006 (UP)	Constant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural pur- poses of 3.7, 4.8, 5.5 & 5.9 kW V, B1 water cooled. IS : 11170—1985	
85. CM/L-1854969	1988-08-01	M/s. Mahalaxmi Industries, 21/48, Treeganj, Agra-282004 (UP)	-do- 3.7, 5.9 & 4.8 rating, V, B1, water cooled IS : 11170 -1985	
86. CM/L-1855062	1988-07-16	M/s. Balaji Vegetable Products (P) Ltd P.B. No. 43, Shahjahanpur Road, Sitapur-261001 (UP)	Flexible packs for packing edible oils and vanaspati. IS : 11352—1985	
87. CM/L-1855163	1988-08-01	M/s. Bajrangbali Metal Industries, Jala Phatak, P.O. Dhanbad Distt. Dhanbad	PVC insulated cables sheathed/unsheathed with copper conductors for working voltages upto and including 1100 Volts excluding cables for outdoor and low temperature applications. IS : 694 -1977	
88. CM/L-1855264	1988-08-01	M/s. Sun Lamps. W-10, Industrial Estate, Yadavagiri, Mysore-570020.	Tungsten filament general lighting service lamps of 25W upto and including 100W, rating 250V, single coil/coiled coil, with B22 d caps. IS : 418—1978	
89. CM/L-1855365	1988-08-01	M/s. National Plywood Industries Ltd., Makum Road, Tinsukia, Assam-786125 (Office: 5, Fancy Road, Calcutta-700001.)	Blockboards exterior grade, commercial type (X com) and interior grade com- mercial type (ICOM) IS : 1659—1979	
90. CM/L-1855466	1988-08-01	M/s. Prabhu Industrial, Udyog Pvt. Ltd., 1, Tarpan Ghat Road, Calcutta-700053	Flameproof enclosures for electrical appa- ratus Types Fs III, upto IS : 4985—1981	
91. CM/L-1855567	1988-08-01	M/s. Plastrain, 28, Old Nimita Road, Belgharia, Calcutta-700066. (Office: Plot No. 11, Jodhpur Park, Calcutta-700068)	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies class I, Sizes upto and including 110 mm. IS : 4985—1981	
92. CM/L-1855668	1988-08-01	M/s. Indian Wires, Jharpada, Bhubaneswar-731006.	7 Strand aluminium conductors galvanized steel reinforced IS : 398 (Part II) - 1976	
93. CM/L-1855769	1988-08-01	M/s. Winson Lamp Industries, 22/460, Nurani, Palghat-678004 (Kerala) (Office: 1st floor, Devi Cottage, Nurani, Jn., Palghat-678004.	GLS Tungsten filament lamps, 25W upto and including 100W rating 250V, single/coiled coil, with B-22d Caps. IS : 418—1978	
94. CM/L-1855870	1988-08-01	M/s. Mamatha Industries, C-73, Industrial Estate, Yadavagiri, Mysore-570020.	GLS Tungsten filament lamps, 60W upto and including 100W rating 250V coiled coil with B-22d Caps IS : 418—1978	
95. CM/L-1855971	1988-08-01	M/s. Kumar Industries, Sadai Road, Industrial Area, Jalandhar City.	Malleable cast iron pipe fittings, equal upto and including sizes, designation 2 Elbows—Part III, Tees—Part III, Sockets—Part VI Unions—Part X IS : 1879 -1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
96. CM/L-1856064	1988-08-01	M/s. Baba Industries, Plot No. 6, Sector 1, Parwanoo, Distt. Solan (H.P.)	PVC insulated cables sheathed and un-sheathed with aluminium or Copper conductors for working voltages upto and including 1100 Volts excluding cables for low temperature and out door application. IS : 694—1977	
97. CM/L-1856165	1988-08-01	M/s. D P.F. Electricals, SF 131/4 Vilankurichi Main Road, Vilankurichi PO., Coimbatore-641035	Footvalves for centrifugal pumps for agricultural purposes IS : 10805—1986	
98. CM/L-1856266	1988-08-01	M/s. Thukral & Co., Inside saria Mill Compound, Kuldip Nagar, Ambala Cantt-133001 (Haryana)	Metal polish, liquid IS : 5487—1969	
99. CM/L-1856367	1988-08-01	M/s. Kuldip Industrial Corporation (Chemicals) 41, Industrial Area, Chandigarh.	Batachlor emulsifiable concentrate IS : 9356—1980	
100. CM/L-1856468	1988-08-01	-do-	Aldrin emulsifiable concentrates IS : 1307—1988	
101. CM/L-1856569	1988-08-01	-do-	Aldrin dusting powders IS : 1308—1984	
102. CM/L-1856670	1988-08-01	M/s. Everest Carbons Pvt. Ltd., Village : Bair Majra, P.O. : Dappar, Teh. Rajpura, Distt. Patiala (On Chandigarh Ambala Highway) Office : 1023, Sector, 36-C, Chandigarh).	Carbon papers for typewriters Grade 3. IS : 1551—1976	
103. CM/L-1856771	1988-08-01	M/s. Everest Carbons Pvt. Ltd., Village : Bair Majra, P.O. : Dappar Teh : Rajpura Distt : Patiala (On Chandigarh Ambala Highway) (Office 1023, Sector 36-C, Chandigarh)	Carbon papers, for grade 1 IS : 3450—1976	
104. CM/L-1856872	1988-08-01	M/s. Kay Bee Chemicals, S-2/183, New Industrial Estate, P.O. : Jagatpur-754201 Distt : Cuttack (Orissa)	Alumino-ferroc IS : 299—1989	
105. CM/L-1856973	1988-08-01	M/s. Amba Chem. Industries, 272, GIDC Industrial Estate, Extn., Makarpura, Baroda-390010	Thiram water dispersible powder IS : 4766 --1982	
106. CM/L-1857066	1988-08-01	M/s. Associated Engineers, C-3, Industrial Estate, Arsikere-573103 (Karnataka)	Carbon Paper for typewriter, Grade 3 IS : 1551—1976	
107. CM/L-1857167	1988-08-01	M/s. Datta & Dasgupta, Village Dashden, P.O. R. Gopalpur, Distt. 24 Parganas (WB)	Hand-operated knapsack sprayer : Part 1 Piston type IS : 3906 (Part 1)—1982	
108. CM/L-1857263	1988-08-01	M/s. Toshiba Home Appliances, Plot No. 126, Sector, 25, Faridabad-121004 (Haryana)	Domestic gas stoves with LPG, Stainless steel body double burners gas stove with cast iron conventional burners of ratings 1554 Kcal/h and 2064 Kcal/h. Total gas consumption is 332 g/h. IS : 4246—1984	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
109. CM/L-1857369	1988-08-01	M/s. Zenith Corporation, 5-A, Jain Nagar, Meerut City-250002 (UP)	Handloom cotton bandage cloth, non-sterilized. IS : 863- 1969	
110. CM/L-1857470	1988-08-01	M/s. Harkaran Dass Deep Chand, 470 & 474, Lawrence Road, Rampura, Delhi-110035. (Office: 455, Khari Baoli, Delhi-110006)	Laundry soap, type 1 IS : 285- 1974	
111. CM/L-1857571	1988-08-01	M/s. Super Batteries (Regd.) B-96/1, Naraina Indl. Area, Phase I, New Delhi-110028.	Lead Acid Storage Batteries for Motor Vehicles, 12V, 60 Ah Capacity. IS : 7372- 1974	
112. CM/L-1857672	1988-08-01	M/s. Victor Cablex Corpn. (Prop: Delhi Iron & Steel Co. Ltd.) 185, G.T. Road, Ghaziabad (UP)	PVC insulated (heavy duty) electric cables with copper conductors, upto and inclu- ding 33/3.3 Kv grade. IS : 1554 (Part II)- 1981	
113. CM/L-1857773	1988-08-01	M/s. Imperial Chemicals, Plot No. 105-A, Sector 'A' Indl. Area, Mandideep-462046, Distt. Raisen (M.P.) (Office : Cottage No. 3, Ahmedabad Palace Road, Bhopal-462001 (MP)	Bleaching powder stable, grade-2 IS : 1065- 1971	
114. CM/L-1857874	1988-08-01	Ms/. Shri Ram Diesel (India) C-65, 66, Foundry Nagar, Agra-(UP)	Constant speed compression ignition diesel engines for agricultural purposes 3.7, 5.9, V, water cooled, B.1. IS : 11170--1985	
115. CM/L-1857975	1988-08-01	-do-	Constant speed diesel engines for general purposes 3.7, 3.9, V, B 1 water cooled. IS : 10001-1981	
116. CM/L-1858068	1988-08-01	M/s. Jayshree Fibre Products Ltd., Village Alampur PO., New Colara, Distt. Howrah.	Manila ropes IS : 1084-1983	
117. CM/L-1858169	1988-08-01	M/s. Mine Safety Appliances Ltd., P-25, Transport Depot Road, Calcutta-700088	Industrial safety helmets Size—Medium IS : 2925- 1984	
118. CM/L-1858270	1988-08-01	M/s. Shailasree Enterprises (P) Ltd., D-33, Industrial Estate, Cuttack-753010 (Orissa)	7- Strand aluminium conductors gal- vanized steel reinforced, IS : 398 (Part II)- 1976	
119. CM/L-1858371	1988-08-01	M/s. Sri Harihar Industries (P) Ltd., S-102 & 103, Mancheswar Industrial Estate, Bhubaneswar-731010	7-strand aluminium conductors galvanized steel reinforced, for overhead trans- mission purposes. IS : 398 (Part II)- 1976	
120. CM/L-1858472	1988-08-01	M/s. Cement Corporation of Gujarat Ltd , Prashnawada Village, Near Morasa Village, Taluka Veraval Distt. Junagadh.	Portland pozzolana cement. IS : 1489- 1976	
121. CM/L-1858573	1988-08-01	M/s. Vijay Fire Apparatus Co., C-1/B-1, GIDC Estate, Umergaon, Distt. Valsad (Gujarat) (Office : 35, Chandivali Village, Off Saki Vihar Road, Bombay-400072)	Powder for fire fighting Type : Ordinary IS : 4308-1982	
122. CM/L-1858674	1988-08-01	M/s. Cancora Lamp Industries, 39/4, Doddakalasandra, Kanakapura Road, Bangalore-560062.	GLS tungsten filament lamps, 40W upto and including 100W rating 250V, single coil/cooled coil, with B-22 Caps. IS : 418- 1978	
123. CM/L-1858775	1988-08-01	M/s. Balaji Pressure Vessels Pvt. Ltd., 26-A, Sri Venkateswara Co-op. Industrial Estate, IDA, Geedimetla, Hyderabad-500855	Repair and reconditioning of old LPG Cylinders. IS : 3196- 1974	

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली 17 जून, 1991

का.प्र. 1929.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (सब के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (1) के अनुसरण में वस्त्र मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालय को, जिनके 80 प्रतिशत में अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसन्धान केन्द्र,
केन्द्रीय रेशम बोर्ड,
माजरा-248171
देहरादून (उ.प्र.)

[स. ई-11011/18/89-हिन्दी]

एन. लंका, अवर सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 17th June, 1991

S.O. 1929.—In pursuance of Sub-Rule 4 of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union), Rule, 1976 the Central Government hereby notifies the following office under the Ministry of Textiles whereof more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi :—

Regional Sericultural Research Centre,
Central Silk Board,
Mazara-248171
Dehradun (U.P.)

[No. E-11011/18/89-Hindi]

N. LANKA, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

(विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय)

फरीदाबाद, 13 जून, 1991

का.प्र. 1930.—मै. ओ. पी. बिहारी, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण एवं चिह्नान) अधिनियम, 1937 के अन्तर्गत विनियमित साधारण श्रेणीकरण एवं चिह्नान नियम, 1988 के अधीन प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालयों के सभी प्रभारी, उप कृषि विपणन सलाहकारों अथवा क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभारों के रूप में विधिवत् नियुक्त किसी भी अन्य अधिकारी को निम्न शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

(1) नियम-7 किसी प्राधिकरण प्रमाण-पत्र को निवृत्त अवस्था रह कराना, यदि उसका यह समाधान हो जाता है:—

(क) कि प्राधिकृत पैकर ने श्रेणी अधिधान चिह्न ठीक ढंग से नहीं लगाए हैं,

या

(ख) कि प्राधिकृत पैकर ने अधिनियम के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया है,

या

(ग) कि प्राधिकृत पैकर ने अधिनियम के किसी नियम का अतिक्रमण किया है या अधिनियम के उपबन्धों के अधीन

जारी किए गए अनु
नहीं किया है।

नियम-7 के उप नियम (2) और (3) के अधीन अनुबन्ध शर्तों पर निर्भर होगा।

(II) नियम-9(5) कृषि उपज (श्रेणीकरण एवं चिह्नान) अधिनियम, 1937 के उपबन्धों के अधीन किसी वस्तु के श्रेणीकरण के लिए रसायनज्ञ को दिया गया अनुमोदन वापस लेना यदि रसायनज्ञ अनुदेशों का पालन करने में असफल रहा है या उसने किसी नियम का अतिक्रमण किया है,

[स. 11011/1/90-क्यू.सा.-III]

ओ. पी. बिहारी, कृषि विपणन सलाहकार

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Rural Development)

(Directorate of Marketing & Inspection)

Faridabad, the 13th June, 1991

S.O. 1930.—I, O. P. Behari, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, in exercise of powers conferred on me under the General Grading and Marking Rules, 1988, framed under the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937, authorise all the Deputy Agricultural Marketing Advisers, In-charge of the Regional Offices of the Directorate of Marketing and Inspection, or any other officer duly appointed to work as Incharge of the Regional Offices to exercise the following powers:—

(I) Rule-7 : To suspend or cancell any certificate of authorisation, if he is satisfied :—

(a) that the authorised packer has not applied the grade designation marks correctly; or

(b) that the authorised packer has contravened any of the provisions of the Act; or

(c) that the authorised packer has violated any rule or has failed to comply with any of the instructions issued under the provisions of the Act.

Subject to the conditions as stipulated under sub-rule (2) and (3) of Rule-7.

(II) Rule-9(5) To withdraw the approval accorded to the Chemist for grading and Marking of an article under provisions of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 if the Chemist has failed to comply with the instructions or violated any rule : Provided that an opportunity shall be given to the approved Chemist for showing cause as to why the approval should not be withdrawn.

[No. 11011/1/90-QC. III]

O. P. BEHARI, Agricultural Marketing Adviser

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1991

का.आ. 1931.—केन्द्रीय सरकार का दिल्ली की मुख्य योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिस जनता की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो अथवा सुझाव देना हो तो वह अपनी आपत्ति अथवा सुझाव लिखित में इस सूचना के जारी होने के तीसरे दिन की अवधि के अंदर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास भवन, 'बी' ब्लॉक, आई एन ए, नई दिल्ली को भेज दे। आपत्ति करने अथवा सुझाव देने वाले व्यक्ति को अपना नाम और पता भी अवश्य देना चाहिए।

संशोधन

“उपजाज जो-8 (राजीरो गार्डन क्षेत्र) के अंतर्गत अने वाले और उत्तर में विद्यमान नाले, दक्षिण-पूर्व में ब्लॉक डी-1 की 192 से 292 नम्बर तक की दुकानों और दक्षिण-पश्चिम में 30 फुट की मार्गाधिकार वाली सड़क से घिरे हुए लगभग 365.67 वर्ग मी. क्षेत्र का भूमि उपयोग विनिर्माण (औद्योगिक उपयोग) से सार्वजनिक एवं अर्धसार्वजनिक सुविधाओं (धार्मिक) में परिवर्तित किया जाता प्रस्तावित है।

2. प्रस्तावित संशोधन को दर्शाने वाला नक्शा निरीक्षण के लिए उपर्युक्त अवधि के अंदर सभी कार्यदिवसों में उपनिदेशक (मुख्य योजना) कार्यालय, विकास मिनार, छठी मंजिल, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली के पास उपलब्ध रहेगा।

[एफ 20(7)87-एम.पा.]

रणवीर सिंह, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 5th July, 1991

S.O. 1931.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan Zonal Development Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection/suggestion with respect to the proposed modification may send the objection/suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, INA, New Delhi within a period of 30 days from the date of issue of this notice. The person making the objection/suggestion should also give his name and address.

MODIFICATION

* The land use of an area measuring about 365.67 sq. mtrs. falling in sub-zone G-8 (Rajouri Garden Area) and bounded by existing nallah in the north, shops of Block D-1 from 192 to 292 in the South East and 30 ft. R/W road in the South West, is proposed to be changed from manufacturing (industrial use) to Public & Semi Public facility (religious)."

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of Deputy Director (MP) Vikas Minar, 6th Floor, 1P Estate, New Delhi on all working days within the period referred above.

[F. 20(7)87-MP]

RANBIR SINGH, Secy.

नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 जून, 1991

का आ 1932 -- वायुनियम अधिनियम, 1953 (1953 का 37) के खण्ड 44 द्वारा प्रचलन शक्तियों का उपयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा वायु नियम नियमावली, 1954 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्,—

1 (1) इन नियमों को वायु नियम (संशोधन) नियम, 1991 कहा जाएगा।

(2) ये नियम सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में लागू होंगे।

2. वायु नियम नियम, 1954 (अर्थात् इसके बाद नियमावली कहा जाएगा) के नियम 8 में, “किन्हीं अधिकारों द्वारा” शब्दों के स्थान पर “मुख्य निष्ठा परीक्षा अधिकारी या मुख्य आंतरिक निष्ठा-परीक्षक द्वारा” शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

3. नियमावली के नियम 10 में, उप-नियम (2) के परमबल में “एक उचित अवधि के अन्तर” शब्दों के स्थान पर “180 दिनों की अवधि के अन्तर” शब्द और अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

4. नियमावली के नियम 18 में, धारा (5) का उपधारा (क) में “प्राधिकृत अधिकारी” शब्द के स्थान पर “सचिव” शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[स. एच-11013/6/86 ए.ए.]

ओ पी अग्रवाल, अवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th June, 1991

S.O. 1932.—In exercise of the powers conferred by section 44 of the Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Air Corporations Rules, 1954, namely:—

1. (1) These rules may be called the Air Corporations (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Air Corporations Rules, 1954 (hereinafter referred to as the Rules), in rule 8, for the words “by an officer”, the words “by the Chief Audit Officer or the Chief Internal Auditor” shall be substituted.

3. In rule 10 of the rules, in proviso to sub-rule (2), for the word, “within a reasonable period”, the words and figures “within a period of 180 days” shall be substituted.

4. In rule 18 of the rules, in sub-clause (a) of clause (5) for the words “authorised officer”, the words “the Secretary” shall be substituted.

[No. H. 11013/6/86-AA]

O. P. AGGARWAL, Under Secy

अथ मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जून, 1991

का आ 1933 - औद्योगिक विद्युत प्रदानियोग 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अन्तर्गत में केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धनत्व के संकेत नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विद्युत में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व अथम स्थायालय, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 1.6.91 की आज्ञा द्वारा था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 19th June, 1991

S.O. 1933—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-5-91.

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT/LC(R)/76/1985

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Kutchery Franch. Raipur (M.P.) under Chief General Manager, State Bank of India, Local Head Office, Namidia Road, Bhopal (M.P.) and their workmen S/Shri R. K. Jain and R. N. Hore, represented through the State Bank of India and Subsidiary Banks Employees Union C/o State Bank of India, Regional Office, P.B. No. 121, Raipur-492001.

APPEARANCES :

For Workmen—Shri S. D. Phadke,
For Bank—Shri K. Samdani.

INDUSTRY : Banking. DISTRICT : Raipur (M.P.).
AWARD

Dated, June 5, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/98/82-D.II(A), dated 5-9-1985, for adjudication of the following dispute —

“Whether the action of the management of State Bank of India in relation to their branch at Raipur, in rejecting S/Shri R. K. Jain and R. N. Hore in the panel interview held during 1979 for the post of Officers Grade II is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled to?”

2. Facts leading to this case are that the workmen concerned were employed with the management as Head Clerk and Deputy Head Cashier at Kutchery Branch Raipur. They had appeared in written test for the promotion to the cadre of Officer Grade II held in the year 1978 and were declared successful in the written test along with others. In the oral interview, however, they were not selected for the said post. Shri V.M.T. Joshi, Regional Manager was the Chairman of the Interview Committee.

3. In the long drawn pleading the crux of the case of the workmen concerned is that because they were union leaders and they had made complaints against the conduct of certain officers (Shri Deshpande with Smt. Madhu Bhelotkar) labour unrest developed. Shri V.M.T. Joshi, the then Regional Manager, Region V was deputed to bring about a settlement with the workers in which he could not succeed. Hence these officers were hostile to the workmen concerned and contrary to the various Standing Orders etc. they were held unsuccessful due to prejudice and malice. The Committee constituted for interview was illegal. The workmen were not permitted to make an appeal against the order of non-selection of the workmen concerned in interview. They are entitled to the promotion with all consequential benefits.

4. The management has denied all the adverse allegations including any vindictiveness of the management for not selecting the workmen concerned for the post of Grade II Officers. This is said to have been done after the interview. They have been rightly not selected because they were not found fit for the post in the interview. No provisions of law or rules of Standing Orders have been violated. Reference is, therefore, liable to be rejected.

5. Following issue were framed by my learned predecessor and my findings are recorded against each of them.

ISSUES

1. (a) Whether the Bank has violated the provisions contained in Sastry Award, promotion policy and orders of Government?

(b) If so, to what relief.

2. Costs.
Findings with reasons :

6. Workmen have proved 39 documents Ex. W/1 to Ex. W/39 and has examined four witnesses viz. Raj Kumar Jain (W.W. 1), T. W. Bajajani (W.W. 2), H. P. Awadhiya (W.W. 3) and Dinu Prasad Sharma (W.W. 4). On the other hand, management has proved two documents Ex. M/1 and Ex. M/2 and has examined N. T. Sapre (M.W. 1), who was one of the members of the Interview Committee held for the said purpose. According to this witness, Shri V.M.T. Joshi Officiating General Manager (Planning) was the Chairman of the Committee and he had issued the interview slips Ex. M/1 and Ex. M/2 under his signatures and the signatures of Shri Pagar. The marks in portion marked A to A of the Interview Slips were given by Shri V.M.T. Joshi soon after the interview of the particular candidates in presence of all the three members of the Committee. According to them all the three members have put questions and given marks to every candidate including the workmen concerned. Shri V.M.T. Joshi was through out on the panel of the Interview Committee.

7. Workmen have led voluminous evidence to show that they have been victimised on account of their Union activities and I have dealt with a part of it in the pleading made by the workman concerned. I have gone through all these documents filed by the workmen and the evidence adduced by them.

8. It is true that some agitation had taken place but it is wrong to say that Shri Joshi was prejudiced against the workmen concerned. It is also wrong to say that Shri Joshi was not competent or that he made entry in the interview to reject the workmen concerned on the date these workmen were interviewed.

9. If that was so objection would have been made at the initial stage and not after such a long lapse of time. The Interview Slips as pointed out were issued under the signatures of Shri Joshi which follows that the workmen were aware of the fact that interview is being held under the Chairmanship of Shri Joshi and if they were really certain that they will not be selected due to certain prejudice against them or malice against them they would have made a protest at the proper opportunity. They have also raised the objection at the initial stage that Shri Joshi is not competent for being a member or Chairman of the Interview Committee for the reasons given by them.

10. No doubt there is a voluminous evidence to show that the workmen concerned were involved in certain activities against the officers but if on this count the management was prejudiced against the workmen or Shri Joshi was prejudiced who was occupying such a post that he could have very well managed to see that the workmen do not succeed in the written test. It is very convenient to make allegations of prejudice. Shri Joshi was never directly involved in any dispute.

11. That apart, the Tribunals or Courts should be very slow in interfering in such matters. Nothing could be pointed to me as to what provisions of law, rules, award or Standing Orders have been violated. The workmen concerned are not entitled to any relief. In the circumstances, however, they will bear their respective costs. Reference is accordingly answered.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-12012/98/82-DII(A)]

का. प्र. 1934—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ इन्दोर के प्रबन्धन के संबंध में निरीक्षणों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व अम न्यायालय जबलपुर के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1934.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Cum Labour Court Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT/LC(R)(107)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of Indore, Indore and their workman, Shri Vidya Bhushan Srivastava, Clerk, Bank Ashthai Karamchhari Sangh, Pandey's Building, Court Road, Shivpuri (MP).

APPEARANCES :

For Workman—Workman himself.
For Management—Shri S. K. Mishra, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Indore (M.P.)

ORDER

Dated : June 7th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/26/89-IR(B-3) dated 2nd May, 1989, for adjudication of the following dispute—

“Whether the action of the management of the R.M., State Bank of Indore in not giving an opportunity to Sh. Vidya Bhushan Srivastava Clerk, whose services were terminated on 17-2-1984 for further employment, while recruiting fresh hands under Section 25-H of the I.D. Act, is justified? If not, to what relief is the workman entitled to?”

2. Parties filed their respective statement of claim No rejoinder or documents have been filed by either party.

3. Workman is not appearing since 29-3-1990 onwards despite repeated adjournments granted and proceedings drawn on 30-5-90, 3-8-90 and 11-2-1991. It appears that the workman concerned has no interest in prosecuting his case. No dispute award is therefore passed. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-12012/26/89-IR(BHD)]

का. प्र. 1935—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धन के संबंध में निरीक्षणों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व अम न्यायालय जबलपुर के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1935.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and

their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(92)/1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Jabalpur and their workman, Shri D. K. Suryavanshi, Cashier-cum Clerk, represented through the Asstt. Secretary, State Bank Employees' Union, 500 Beoharbag, Jabalpur (MP).

APPEARANCES :

For Workman—Shri D. P. Tiwari.
For Management—Shri A. K. Verma.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

AWARD

Dated : June 4th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/346/86-D.II(A) Dated 26th June, 1987, for adjudication of the following dispute—

“Whether the action of the management of State Bank of India, Jabalpur, in imposing the penalty on Shri D. K. Suryavanshi, Cashier-cum Clerk vide their orders dated 24-5-86 is justified? If not, to what relief is the workman entitled to?”

2. Facts leading to this case are as follows :—

(a) The workman, Shri D. K. Suryavanshi was working as Clerk cum-Cashier with the management at Ordnance Factory, Katni Branch of the Bank. He was charge-sheeted as follows vide Ex. M/9 dated 4-6-84:—

“Under instructions from the Regional Manager, Region I, you are hereby required to show cause as to why disciplinary action should not be taken against you on the following charges.—

1. It was observed that when the Branch Manager of our Katni Branch was serving memoranda to the members of Subordinate Staff/Bank Guards on 28-6-1983 at his Branch, you had entered the Branch Manager's cabin on that day without asking his permission to do so, and threatened him of dire consequences. This act of your was witnessed by a customer and a member of the staff who were also present at the Branch Manager's cabin when the incident took place. Thus, you have created riotous scenes and behaved in a disorderly manner with the Branch Manager. As a result of your indecent behaviour, the prestige of the Branch Manager as well as the Bank has been reduced in the eyes of the public in general as well as the staff.

2. Your above act is prejudicial to the interest of the Bank, tantamount to gross misconduct and are punishable in terms of the Award governing your service in the Bank. Before, however, we take a final decision in the matter, you are hereby given an opportunity to submit a written statement in defence within 7 days from the receipt of this memorandum, failing which it will be presumed that you have no defence to offer and the Disciplinary Authority will be within his right to proceed further in the matter, without making any further reference to you.”

(b) Two different enquiries were held against him and punishment of stoppage of two increments (with cumulative effect) was imposed on him vide order of the management dated 24-5-1986 (see also para 14). He was also transferred from Ordnance Factory Katni Branch to Chaurai Branch vide order of the management dated 28-6-86 (Annexure E to

the statement). Sastry Award and Desai Award and various other settlements taken place between the parties are applicable in this case. The matter had been to the High Court. The workman did not comply with the orders of transfer. A settlement had taken place between the parties on 1-11-83. The workman was charge-sheeted earlier also and was awarded punishment of stoppage of two increments vide order of the management dated 31-5-82.

3. The workman says that because he was a Secretary of the Union and was fighting for the cause of the workman he has been wrongly punished and transferred contrary to the provisions of Sastry Award and different Settlements, as also contrary to the Settlement dated 1-11-1983. The earlier punishment was also vindictive and contrary to the provisions of the Sastry Award. A writ petition was filed by the workman before the High Court. The management was annoyed and he was transferred to Chaurai. This order of transfer is also void and is liable to be quashed. Since he has not joined his duty his pay has been stopped.

4. Departmental enquiry on the basis of the charge-sheet dated 11-10-84 was ex-parte and the workman was not permitted to be represented by Shri G. K. Gandhi, General Secretary of the Union. Despite request the management refused to reopen the enquiry and to keep in abeyance, implementation of the punishment awarded as per order dated 24-5-86 but all in vain. The enquiries are had in law and are liable to be set aside. The impugned orders dated 24-5-86 is unjust, unfair, illegal, ultra vires. It is inoperative and ineffective. It be held accordingly. The management be directed to allow the workman to continue his duties at Ordnance Factory Branch, Katni and to pay wages due to him with retrospective effect from 1-7-1986 with all other benefits as per terms of employment of the workman.

5. According to the management, workman had a remedy against the order of punishment. Some having not been availed the reference is liable to be quashed. It is an individual dispute and it cannot be raised by the Dy. General Secretary of the Union. On this count also the reference is liable to be rejected.

6. While the workman was posted at Katni Market Branch, there was serious complaints of disobedience against him. He was accordingly charge-sheeted and punishment of stoppage of two increments was imposed on him vide order dated 24-5-86.

7. During the pendency of the first enquiry workman again indulged in riotous behaviour prejudicial to the interest of the Bank. He was charge-sheeted on 11-10-84. He filed reply but did not cooperate in the proceedings despite repeated adjournments having granted to him. Ultimately, the enquiry proceeded ex-parte against him and vide order dated 24-5-86 punishment of stoppage of two increments was awarded to him with cumulative effect.

8. Right from the inception of his service the workman was indulging in misbehaviour with his superiors and malactivities prejudicial to the interest of the Bank. In 1981 also he was charge-sheeted and punished. No Settlement or Award has been violated. The punishments are proper.

9. The workman was at Katni for last over seven years. He was transferred and relieved in June 1986 to Chaurai Branch but he did not join there. Instead he made efforts to get the orders stayed at different forums. Reference is, therefore, liable to be rejected.

10. Reference was the issue in this case.

Findings with reasons:—

11. At the outset I must point out that three distinct D.E.s were held against the workman concerned—

(1) D.E. held vide charge-sheet dated 9-3-83 and punishment of stoppage of two increments in 1982 and 1983 without any cumulative effect vide order dated 31-5-1982 (This order has neither been challenged nor is in issue under reference. Merely by inserting para 7 in the statement of claim stating that the D.E. was prejudicial and contrary to the provisions of Sastry Award cannot be considered at this stage.) 1657 GI/91—5.

(2) D.E. held vide charge-sheet dated 4-6-1984 and order of punishment of stoppage of two increments issued vide order dated 24-5-1986. It is the order passed irrespective of the subsequent D.E. has been challenged.

(3) D.E. held vide charge-sheet dated 11-10-1984 resulting in the stoppage of two increments vide order dated 24-5-86.

12. The validity of the D.F. has been challenged on the following grounds:—

(a) Punishment awarded is contrary to the Sastry Award inasmuch as not more than one increment could be withheld.

(b) It is violative of the Settlement dated 1-11-1983.

(c) It is contrary to the orders of the High Court.

(d) D.E. held vide charge-sheet dated 11-10-84 was ex-parte and despite request the workman was not permitted to join the proceedings and despite request the ex-parte D.E. was not set aside and held against him in his absence.

13. I have gone through the documents Ex. W/1 to Ex. W/4 and Ex. M/1 to Ex. M/14 as also the testimony of M.W. 1, S. P. Junshi who was then posted as Branch Manager in the Main Branch of State Bank of India, Katni.

14. Order Ex. M/6 is a consolidated order. Though different orders were issued in both the D.E.s, the validity of the D.F. has not been challenged on the ground that a consolidated order was passed in regard to both the D.E.s. The relevant part of consolidated order is given in para 2 which is as under:—

“Stoppage of two future increments with cumulative effect over and above the punishment ordered separately for your misconduct levelled in the charge sheet dated 4-6-84 and proved. Thus the effect of punishment in respect of the two charge-sheets served and decided separately will be stoppage of 4 increments (two in each case) with cumulative effect.”

It is pertinent to note that as per para 3 of this order the delinquent workman was posted to a Centre distant and away from Katni to keep him under observation for a period of two years for good conduct. It is in these circumstances as also considering other factors that my learned predecessor vide his order dated 15-10-87 directed the management to post the workman within 25 Kms of their Katni Bank at any Branch at Jabalpur within 15 days of the order. So far the question of payment of wages for the period of non-joining of the workman was concerned, it was left open by my learned predecessor to be adjudicated upon at the time of final judgment.

15. Now we come to the Sastry Award. Sastry Award undisputedly does not disclose that transfer can be made by way of punishment. It is certainly an administrative matter. However, the Tribunals are not prohibited to consider whether the transfer was by way of punishment or not.

16. It is even after the compliance of the order of my learned predecessor that a complaint in regard to the conduct of the workman was lodged before this Tribunal on 1st of March, 1988. I have only to express that suitable action can be taken against the workman concerned in relation to misconduct in this regard by the management without any fear and favour.

17. It is true that as per Clause 521(7)(c) of the Sastry Award there is a mention ‘have his increment stopped for a period not longer than six months’, but it is an admitted position of law that singular always includes plural and in this regard Sec. 13(2) of General Clauses Act is not worthy.

18. So far the question of not giving an opportunity to the workman to defend his case in regard to his D.E. held on the basis of the charge-sheet dated 4-6-1984 a perusal of the D.E. would disclose that the workman was given long lease and the case was adjourned from time to time to enable the workman to contest the proceedings as pointed out by the management in para 5 of the written statement which is fortified from the facts on record. There is only one application (in reply to the show cause notice dated 5-4-86) of

the delinquent dated nil showing that he could not appear on 3-10-85 before the Enquiry Officer due to the death of his brother on 1-10-1985, but what about the defaults on other dates. Thus it can be ascertained that the delinquent absented himself and allowed the proceedings ex parte against him for which he himself is to be blamed and the D.E. cannot be set aside on this ground.

19. The Settlement dated 1-11-1983 (Annexure D to the written statement) does not in any way deal with matters in issue and does not come in the way of taking disciplinary action against the delinquent.

20. Thus it cannot be said that the impugned D.Es. or findings are violative of any law, rules, regulations or award and penalty imposed is too lenient to be interfered with. Impertinence of the workman is apparent that he refused to obey the order of transfer. It is true that the transfer order appears to be by way of punishment which mistake has been corrected by the management on the observation of the Tribunal. In the entire contest of the case he shall not be entitled to any wages for the period of his absence after he was relieved after the issuance of order of transfer.

21. I may express in the end that the workman by virtue of being a union leader is not supposed to behave with his superiors in the manner he has been behaving throughout despite punishment having been given to him earlier. I may also add that the workman should be posted at the main Branch at Jabalpur under the direct supervision of the Regional Manager.

22. Reference is answered as follows :—

That the action of the management of State Bank of India, Jabalpur, in imposing the penalty on Shri D. K. Suryavanshi, Cashier-cum-Clerk vide their orders dated 24-5-86 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. I-12012/346/86-DII(A)]

का.ग्रा 1936—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसर्ग में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर के प्रबन्धन के संबंध निरीक्षणों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुसर्ग में निरीक्षण औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम व धर्म न्यायालय, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1936.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(106)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of Indore, Bhopal and their workmen, Shri Ashok Kumar Jain, Peon Mannu Pandey's Bldg, Court Road, Shivpuri-473551

APPEARANCES :

For Workmen—None

For Management—Shri S. K. Mishra, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Indore (M.P.)

AWARD

Dated, the 7th June, 1991

This is a reference made by the Central Govt. Ministry of Labour, vide its Notification No. I-12012/83/89-IR(B-3) dated 12-5-1989, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of the Regional Manager, State Bank of Indore in not giving an opportunity to Sh. Ashok Kumar Jain, Peon whose services were terminated on 16-3-1984 for further employment while recruiting fresh hands under Section 2511 of the I.D. Act is justified? If not to what relief is the workman entitled to?"

2. Both the parties have filed their respective statement of claim. Workman concerned never appeared before the Court. He had only sent his statement of claim by post which was received on 1-12-1989. The case was being fixed for filing of rejoinder by the workman and different dates were given and notices issued. Therefore it appears that the workman concerned has no interest in prosecuting his case. No dispute award is therefore given. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. I-12012/23/89/IR(B-III)]

S. C. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 जून, 1991

का.ग्रा 1937—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसर्ग में, केन्द्रीय सरकार डाटला वेस्ट कोलियरी आफ वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रबन्धन के संबंध निरीक्षणों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुसर्ग में निरीक्षण औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 20th June, 1991

S.O. 1937.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Datla West Colliery of Western Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(51)/1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Datla West Colliery of Western Coalfields Limited, Kanhan Area, P.O. Junnardeo, District Chhindwara (M.P.) and their workmen Smt. Shantibai W/o Dindayal Agarwal and 14 others, represented through the General Secretary, M.P.K.K.M.P. (HS) P.O. Junnardeo, District Chhindwara (M.P.)

APPEARANCES :

For Workmen—Shri G. N. Shah.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (M.P.)

AWARD

Dated, the 4th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/57/85-D.V/D III (B) dated 6th May, 1987, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Dalta West Colliery of W.C.I. Kanhan Area in not fixing Smt. Shantibai W/o Dindayal Agarwal and 14 others (List enclosed) as Water Suppliers and not paying them higher bullockcart charges is justified? If not, to what relief the workers are entitled?"

List of workers

1. Shantibai bindayal
2. Jaiwantee bai Dhudliya
3. Marnoo Khan Dilawar
4. Narayan Gundoo
5. Radheylal Dayaram
6. Gannoo Mohanlal
7. Ranglal Bhikam
8. Dhanlal Jhanak
9. Ram Charan Mohanlal
10. Batarlal Mohanlal
- 11.
12. Charan Jhagi
13. Mohanlal Hnalal
14. Sahablal Chaitoo
15. Ragan Mohanlal.

2. Facts leading to this case are that the workmen concerned were supplying water to the management for last number of years and they are paid Rs. 3.50 P per drum.

3. Workmen say that they are water carrier mazdoors. They are carrying water from Company's well and pumps to Manager and other staff workers by bullock carts as directed by the management. The management of Dalta West Colliery has direct control over them and these workman work under their orders. They carry water from door to door as directed by the Company by their own carts.

4. Management of Dalta Colliery supply water drums and repair them from its Workshop. They are working for more than 12 hours per day. They are paid directly by the management and are on weekly payment register of the management. At all other collieries the Carriers (Water) are placed into Category I of the Wage Board Recommendations and N.C.W.A.I as Water Carriers and separate amount for bullock-carts are paid. But the management of Dalta Colliery has prevented the workmen concerned to get the benefit of N.C.W.A. and other Rules. They are workmen well within the definition of the workmen under the I. D. Act and Water Mazdoor Category I. They be accordingly placed and be paid Rs. 61 per trip for their bullock-carts.

5. Management has denied the claim of the workmen concerned. According to the management, there is no employer and employee relationship between the workmen and the management. They have no control, supervision or directions over these individuals. There is no provision in the Wage Board Recommendations and N.C.W.A. as shown by the applicants. They are paid Rs. 3.50 per drum fixed by mutual agreement after discussions. They neither supply water drum nor repair them. They do not work for more than 12 hours daily. Rental charges of the bullock carts are paid by the management on the basis of Rs. 3.50 per drum. They are not at all employed by the management in any manner whatsoever. Bullock-carts are being hired and hire charges are being paid. The recommendations of the Wage Board have no relevancy and the reference is liable to be rejected.

6. Reference was the issue in this case.

7. Management has filed Ex. M/1 to Ex. M/14, while the workmen have examined two witnesses viz. Shantibai as WW-1 and Dhanraj as WW-2. Applications Ex. M/1 to Ex. M/14 only show that these alleged workmen were paid for supplying water as detailed in the pleadings.

8. Ex. M/1 is an application of one M. Nisar dated 27-3-83. He has made this application for engaging his bullock-cart which was allowed temporarily. Ex. M/2 is an application of Shantibai of the same type. Other applications are also of the similar nature.

9. I need not go into the applications and only confine myself on the oral testimony of the workmen which itself disprove the case of the alleged workmen.

10. WW-1 Shantibai says in her cross-examination that "While I am making statement here my son is supplying water. His name is Murari". WW-2 Dhanraj admits in

his cross examination that in his absence his employed labour runs his bullock-cart. How can there be an employer-employee relationship when the payment is made on contract basis. The evidence pointed out above is sufficient enough to show that there is no relationship of employer-employee between the alleged workmen and the management. They are free to replace their bullock-cart put in other bullock-cart, replace other persons in their place, to fetch and supply water. It does not say that the management has control over them. Merely by saying that the management supply the drums or repairs the drums does not make the employer and employee relationship between the parties.

11. Workman have not filed the alleged Wage Board Recommendations and N.C.W.A.I. to show that these persons can be included as Water Mazdoor Category I and consequently they are the workmen of the management. It is a matter of mere contract between the parties as to at what rate they should supply water. I can only express that with the increase in costs the rate should be revised so that the alleged workmen do not suffer. With this observation I hold as follows :-

The action of the management of Dalta West Colliery of W.C.L. Kanhan Area in not fixing Smt. Shantibai W/o Dindayal Agarwal and 14 others (list enclosed) as Water Suppliers is justified. Management is also justified in not paying them higher bullock cart charges. However, with the increase in costs the rate should be revised so that the alleged workmen (applicants) do not suffer. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-22012/57/85-D.V/D.III (B)]

का.प्र. 1938.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार दमुआ ग्रुप आफ वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रबन्धन के संबंध नियोजका और उनके बर्गवारा के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जलपुर के पंचपद को प्रस्तावित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1938.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Damua Group of Western Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(109)/1985

PARTIES :

Employers in relation to the management of Damua Group of Western Coalfields Limited, P.O. Damua, Distt. Chhindwara (M.P.) and their workmen Shri Fagulal S/o Nammoo and five other Tindals represented through the Vice President (C), M.P. Rashtriva Kovala Khadan Mazdoor Sangh, P.O. Chandametta, District Chhindwara (M.P.)

APPEARANCES :

For Workmen—Shri S. K. Rao, Advocate.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (M.P.)

AWARD

Dated, the 31d June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(8)/85-

D.V dated 26th November, 1985, for adjudication of the following dispute :—

*Whether the action of the management of Damua Colliery of WCL in stopping from works (S/Shri Fagulal S/o Nammoo, Vikram S/o Dayaram, Fagwa S/o Fullusinh, Ramji S/o Dhondu, Nchtalal S/o Rammoo and Jhina S/o Kamalsingh, Tindals with effect from 2-3-1984 and not paying them the wages as per National Coal Wage Agreements I, II and III during the period they were employed is justified ? If not, to what relief the workers are entitled ?”

2. Reference order was received on 9-12-1985. After filing the statement of claims by the parties they sought a number of adjournments for production of documents. Ultimately on 1-1-1990 parties stated that the case be posted for evidence. Accordingly next date was fixed for evidence of parties. Again parties could not adduce evidence and sought adjournments since 28-2-90 onwards. Last date fixed for evidence of parties was 8-5-1991. On this date none was present on behalf of the workmen. Earlier on 4-9-90 and 23-1-91 workman remained absent.

3. The case is pending since 1985. It appears that the workmen concerned have no interest in the case. I, therefore, record a no dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-22012/8/85-D.V.]

का.प्र. 1937.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गेवरा प्रोजेक्ट, एन. ई. सी. लिमिटेड, के प्रबन्धन के संबंध निराकरण और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1939.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gevra Project, S.E.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(35)/1988

PARTIES :

Employer in relation to the management of Gevra Project, S.E.C. Ltd. Post Gevra Project, District Bilaspur (M.P.) and their workmen represented through the Secretary (C), Samyukta Khadan Mazdoor Sangh (AITUC), P.O. Bankumongia, Bilaspur (MP).

APPEARANCES :

For Workmen—Shri Arvind Srivastava, Advocate.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Bilaspur (M.P.)

AWARD

Dated, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21011(23)/86-D.III B-3 (B), dated 26-2-1988, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Management of Gevra Project, SECL in not giving promotions to S/Shri

Surendra Singh, Diwakar Pandey, Ravindra Kumar, Ramdeo Thakur and G. C. Biswas E.P. Fitters in Gr. II on completion of three years of service as EP Fitters in Gr. III particularly when the other workmen have been given promotion to Gr. II on completion of three years of service as EP Fitters in Gr. III, is justified ? If not to what relief the workmen concerned are entitled ?”

2. In the instant case parties filed their respective statement of claims and rejoinder by the management. The case was at the stage of filing documents and framing of issues. On 26-4-1991 Counsel for the workman files an application stating that the workmen have been promoted. Therefore, there remains nothing to be adjudicated upon. I, therefore, record a dispute award because the workman for whom the reference for adjudication was made have been promoted. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-21011/23/86-D.III (B)]

का.प्र. 1947.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन. ई. सी. लिमिटेड, के प्रबन्धन के संबंध निराकरण और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1940.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.E.C.L. Korea Colliery and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(50)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of S.E.C.L. Korea Colliery, District Surguja (M.P.) and their workman Shri Shivaji S/o Shri Ramakant, Category II Mechanical Helper CHP No. 1, Korea Colliery, District Surguja (M.P.)—497552.

APPEARANCES :

For Workman—Shri R. K. Gupta, Advocate.

For Management—Shri A. K. Shashi, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Surguja (M.P.)

AWARD

Dated, the 7th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21012/41/88-D.III B-D-4 dated 3-3-1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of management employer in relation to Korea Colliery of South Eastern Coalfields Limited P.O. Korea Colliery Dist, Surguja in dismissing from service their workman Shri Shivaji S/o Ramakant, Category II Mechanical Helper, CHP No. 1, Korea Colliery w.e.f 25-9-83 is legal and justified ? If so, to what relief the workman is entitled and from what date ?”

2. After filing their respective statement of claim, rejoinder and certain documents by the parties, good sense prevailed in them and they have compromised the dispute between them. On 11-4-1991 the workman concerned, Shri Shivaji,

filed a Memorandum of Settlement dated 4-4-91. The terms of settlement which are as under have been verified by the parties.

TERMS OF SETTLEMENT

1. Shri Shivaji will be re-employed in service as a fresh entrant as Cat. II Helper i.e. in the same job which he was serving. The period from the date of dismissal to till re-employment will be treated as 'Dies non'. This will not count as continuous services and the workman will not get any benefit for these period, like, wages, Provident Fund, Gratuity etc.

2. The workman will be kept on probation for a period of one year as a special case. During this period his work and conduct will be watched and if he works to the satisfaction of the Manager/Supervisor he shall be confirmed, failing which his services shall automatically stand terminated. The decision of the Management will be final and will not be questioned.

3. This settles all the dispute between the parties and neither the workman nor the Union will make any claim whatsoever with reference to his termination of services.

4. This settlement is made as a special case and will not be treated as a precedent in any other case. This has been made with a view to enable the workman to reform himself and purely as a gesture of good will.

5. He will be posted in IB Valley Area of SECL.

6. This is subject to medical fitness.

3. I have gone through the above terms of settlement and I am satisfied that they are just, fair and in the interest of the workman concerned. Therefore, award is given in terms of the settlement. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-21012/41/88-D.III (B)-4]

का.आ. 1941 --औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वये में केन्द्रीय सरकार जुलाई 1945 काटमा एरिया आफ पम्.ई.सी.एन. के प्रबंधन के मध्य नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अन्वये में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पत्राद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1941.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamuna and Kotma Area of SECL and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(70)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamuna and Kotma Area of SECL, P.O. Jamuna Colliery, District Shahdol (M.P.) and their workman, Shri A. J. Mathew, Clerk Grade-I, represented through the Secretary, Sanyukta Khadan Mazdoor Sangh, Post Jamuna Colliery, District Shahdol (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman—None.

For Management—Shri Rajendra Menon, Advocate.
INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Shahdol (M.P.)

AWARD

Dated, the 7th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/162-88-D.4 (B) dated 14-3-1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Management of Jamuna and Kotma Area of SECL, PO Jamuna Colliery, Distt. Shahdol in not considering their workman Sri A. J. Mathew, Clerk Grade-I for promotion to Special Grade Clerk during D.P.C. held in 1985 and promoting his juniors to Special Grade Clerks is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date ?”

2. This reference case was registered on 21-3-1989, but nobody appeared on behalf of the workman for the last nine proceedings despite repeated notices issued to the workman, nor statement of claim filed till 5-6-1991. As per reference order it is the party who raised the present dispute should have filed its statement of claim etc. first and thereafter the management, but the workman kept mum. However, the management has filed its statement of claim.

3. In these circumstances, it appears that the workman has no interest in the case. I therefore record a No Dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-22012/162/88-D.IV (B)]

का.आ. 1942 --औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वये में, केन्द्रीय सरकार बम्बई कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रबंधन के मध्य नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अन्वये में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पत्राद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1942.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.), as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)93/1984

PARTIES :

Employers in relation to the management of Western Coalfields Ltd., Korba, Post Office Korba Colliery, District Bilaspur and their workmen represented through the Secretary Chhatisgarh Swatantra Mazdoor Union, Post Office Baraduar, District Bilaspur (M.P.).

APPEARANCES :

For Union.—Shri B. R. Sahu.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Bilaspur (M.P.).

AWARD

Dated, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22011(37)/82-D.III (B)/D.IV (B) dated 9th November, 1984, for adjudication of the following matters of dispute :—

1. “Whether the demand of the Chhatisgarh Swatantra Mazdoor Union, Baraduar for reinstatement of 79

Badli Workmen of Raigamar Colliery in their former regular posts which they were holding before termination of their services in 1981 is justified? If so, to what relief they are entitled?"

2. "Whether the action of the management of Raigamar Colliery of W.C. Ltd., Korba in stopping Shri Ishwar Das from his duties as Pump Khala-i with effect from 24-6-1981 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

3. "Whether the management of WCL Korba Area is justified in dismissing the following workmen w.e.f. 8th January, 1981?"

1. Shri Udairam
2. Shri Firtoo
3. Shri Gangaram
4. Shri Mohan
5. Shri Sitaram
6. Shri Anjorsai
7. Shri Amoldas
8. Shri Maniram of Banki Colliery.

If not, what relief they are entitled to?"

2. A perusal of the reference order would go to show that there are three different matters of dispute for adjudication,—

- (a) Issue No. 1 is regarding reinstatement of 79 Badli workers.
- (b) Issue No. 2 is regarding stopping Shri Ishwar Das from doing his duties.
- (c) Issue No. 3 is the question of dismissal of eight workmen of different collieries. Parties therefore filed separate statement of claim of each issue. They have also filed certain documents. Union even examined one witness on behalf of workmen.

3. On 22-5-1987 Shri Sahu, representative of the workmen, stated that this case is likely to be settled and sought adjournment for filing the settlement and the case was fixed on 21-7-87 for the same. Parties took several adjournments and ultimately on 29-7-1988 a Memorandum of Settlement was filed and verified by the parties. The case was reserved for award. But on perusal of the settlement it transpired that all the issues under reference have not been incorporated in the settlement. Therefore parties were again directed to file a complete settlement covering all the issues referred or else the remaining issues will be decided on merits. Next date was fixed for filing the settlement. An application on behalf of the Union was received on 6-9-90 stating that there is no likelihood of settlement and the case may be fixed at Bilaspur for further proceedings.

4. Proceedings of the case reveal that after 29-7-88 no one appeared on behalf of the Union. On 30-5-91 none appeared on behalf of the Union while Shri R. Menon, Advocate, appeared on behalf of the management and stated that no further settlement is sought to be filed and no further evidence is required to be led. Obviously the Union is also not interested in further proceedings. Shri Menon further stated that the settlement dated 20-7-88 has already been verified on 29-7-88. In these circumstances, I need not go into the pleadings of the parties and will confine only to the terms of Settlement dated 20-7-88 for giving a consent award. The terms of the settlement duly arrived at between the parties are as under :—

TERMS OF SETTLEMENT

1. It is agreed that S/Shri Sitaram and Anjorsai will be given employment as loaders and Shri Ganga

Ram will be employed in Time Rate Category in which he was employed prior to his dismissal within 30 days of the filing of settlement. If the persons fail to report for duty within 30 days of the publication of Award, they will forfeit their claim of employment.

2. The employment will be subject to medical fitness i.e. persons concerned will be medically examined and if they are found fit for employment in a Mine, they will be given employment as proposed in Clause-1 as above. In case they are not found fit, they will have no claim of employment.

3. The persons concerned will not be entitled to any wages for the period of their idleness on the principle of no work no pay and the total period from the date of their dismissal till their date of reinstatement shall be treated as idleness.

4. It is further agreed that the Loaders of Raigamar Colliery shall be paid Special Piece Allowance from the date, they have been regularised as permanent loaders.

5. This settlement shall be in full and final claim of the dispute pending before the Hon'ble Tribunal at Jabalpur under Reference No. 93 of 84 and shall be binding on the parties to the dispute.

6. A copy of the settlement shall be filed before the Hon'ble Tribunal for acceptance and for giving its award accordingly.

7. After the settlement is filed the dispute pending for adjudication under Reference No. 93 of 84 will be taken as amicably settled and withdrawn.

5. I have gone through the above terms of settlement. The dispute other than the matters on which the parties have arrived at a mutual settlement shall be treated as settled/withdrawn as per Clause 5 & 7 of the Terms of Settlement. The above terms appear to be just and fair and I record my award accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-22011/37/82-D.III (H)]

का प्र 1943—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रावधान में, केन्द्रीय सरकार नौकरशाहों को नियोजित करने के लिए, प्रत्यक्ष में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जलपुर के पंचद को दायित्व करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1943.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nowrozabad Colliery of S.E.C.L. Sohagpur and their workmen which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)71/1988

PARTIES :

Employer in relation to the management of Nowrozabad Colliery of S.E.C.L. Sohagpur, Post Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.) and their workman, Shri Govind, Ex-Badli worker represented through the Secretary, Rashtriya Kalya Khadan Mazdoor Sangh, Nowrozabad Colliery Branch, Post Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri R. K. Gupta, Advocate

For Management.—Shri R. Menon Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Shahdol (M.P.)

AWARD

Dated, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide Notification No. L-21012/17/88-D-3 (B) dated 19-7-1988, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Nowrozabad Colliery of Sohagpur Area of S.E.C.L., P.O. Nowrozabad Colliery, District Shahdol in terminating the services of their workman Shri Govind, Badli Worker Token No. 29 with effect from 1-1-85 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?”

2. This case was at the stage of filing rejoinder and documents by the parties and framing of issues.

3. On 31-5-1991 parties move a joint application along with a Settlement with a request to pass an award in terms of the Settlement duly verified. The terms of Settlement dated 3-8-1990 are as under :—

1. It is agreed that Shri Govind, Badli worker, T. No. 29B shall be given re-employment without back wages subject to medical fitness or proper identification within 15 days of the finalisation of the issue.

2. Shri Govind shall not claim any wages for the period from the date of his termination till the date of his re-employment and the period shall be treated as dies non on the principle of no work no pay. For the purpose of gratuity he will have continuity in the employment.

3. This settlement shall be treated as full and final and shall not be cited as precedence.

4. I have gone through the above terms of Settlement and I am of the opinion that they are just fair and in the interest of the workman concerned. I, therefore, record award in terms of the settlement arrived at the between the parties. Parties will bear their own costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-21012/17/88-D III (B)]

काष्ठा 1991—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नीजरोजादार कोलियारी आफ सोहागपुर एरिया आफ एस.ई.सी.एल. के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1944.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nowrozabad Colliery of Sohagpur Area of S.E.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on 19-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/IC(RV63)/1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Nowrozabad Colliery of Sohagpur Area of SECL, Jhilla Sub Area P. O. Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.) and their workman Shri Arjun S/o. Mangal, Ex-Miner/Badli Worker represented through the Secretary, Rashtriya Kozli Khadan Mazdoor Sangh, Nowrozabad Branch P. O. Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri R. K. Gupta, Advocate

For Management.—Shri Rajendra Menon, Advocate.
INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Shahdol (M.P.).

AWARD

Dated, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21012/16/88-D.II(B) dated 30-6-1988, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Nowrozabad Colliery of Sohagpur Area of SECL, P.O. Nowrozabad Colliery, Distt. Shahdol in terminating the services of their workman Shri Arjun S/o Mangal, Ex-Miner/Badli Worker, Token Number 385, w.e.f. 1984 is legal and justified. If not, to what relief the concerned workman is entitled to?”

2. The instant case was at the stage of filing rejoinder, documents and framing of issues.

3. On 31-5-1991 parties move a joint application along with a settlement with a request to pass an award in terms of the Settlement duly verified. The terms of the settlement dated 31-8-90 are as under :—

1. It is agreed that Shri Arjun S/o Mangal shall be given re-employment without back wages subject to medical fitness or proper identification within 15 days of the finalisation of the issue.

2. Shri Arjun S/o Mangal shall not claim any wages for the period from the date of his termination till the date of his re-employment and the period shall be treated as dies non on the principle of no work no pay, for the purpose of gratuity he will have continuity of the employment.

3. This settlement shall be treated as full and final and shall not be cited as precedence.

4. The above terms of the settlement appears to be just and fair. I therefore pass an award in terms of the above settlement. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-21012/17/88-D II(B)]

काष्ठा 1991—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नीजरोजादार कोलियारी आफ सोहागपुर एरिया आफ एस.ई.सी.एल. के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-91, को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1945.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in

the industrial dispute between the employers in relation to the management of Birsinghpur Colliery of M/s. SECL and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) 86/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Birsinghpur Colliery of M/s. SECL in retiring their workman Sri Suresh Chand Nigam, Shotfirer C/o. Shri R. R. Gupta, Overman, Birsinghpur Colliery Post Birsinghpur, Dist. Shahdol (M.P.)-485226.

APPEARANCES :

For Workman.—None.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Shahdol (M.P.).

AWARD

Dated, the 7th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(193), 88-D.IV (B) dated 26-4-1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Management of Birsinghpur Colliery of M/s. SECL in retiring their workman Sri Suresh Chand Nigam Shotfirer w.e.f. 1-10-87, while as per Form B Register he has not attained the age of superannuation, is legal and justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date ?”

2. The case was registered on 8-5-1989, but nobody ever appeared on behalf of the workman for the last eight proceedings despite repeated notices were issued to the workman, nor statement of claim filed till 5-6-1991.

3. In the circumstances, it appears that the workman has no interest in the case. I, therefore, record a No Dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-22012/193/88-D.IV (B)]

का.सा. 1946 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ईकलेहरा कोलियरी आफ इन्डिय सी एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्म-कारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, जनरल के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 19 6-91 का प्राव-द्वारा है।

S.O. 1946.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Eklehra Colliery of W.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-6-91.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(207)/1987

PARTIES :

Employer in relation to the management of Eklehra Colliery of W.C.L., P.O. Eklehra, District Chhind-

wara (M.P.) and their workman Sbi Bhaiyalal S/o Kanhaiyalal, Mining Sirdar represented through the General Secretary, M.P.K.K.M.P. (HMS), P.O. Tun-nardeo, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri G. N. Shali

For Management.—Shri Rajendra Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chhindwara (M.P.).

AWARD

Delhi, the 6th June, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21012/57/87-D.III(B) dated 21/9, 6, 10-1987, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Eklehra Colliery of WCL, Pench Area, Parasia in retiring Shri Bhaiyalal S/o Kanhaiyalal, Mining Sirdar w.e.f. 25-7-87 and not considering the date of birth as recorded in the School Leaving Certificate submitted by him is justified ? If not, what relief the workman is entitled to ?”

2. In this case of the workman who was Mining Sirdar and retired with effect from 25-7-1987, the only question involve is whether his date of birth is 25-7-1927 or 20-4-1938 as claimed by the workman, in consequence of which his retirement is premature because undisputedly the age of superannuation is 60 years.

3. Thus if the date of birth of the workman as 25-7-1927 is treated as correct date he has been rightly superannuated on 25-7-1987 on attaining the age of 60 years. But if his date of birth is 20-4-1938 and which fact has not been considered by the management the order of his superannuation is liable to be set aside.

4. On this issue the evidence led by the workman are documents Ex. W/1 to Ex. W/9 as proved by W.W.1, the workman himself and the documents Ex. M/1 to Ex. M/3 which have been admitted by the workman.

5. We shall only examine the material documents which are on record but before this it may be pointed out that according to the workman he was employed on 20-7-1955 by the erstwhile management which was taken over by the present management after nationalisation of the coal mines in the year 1973. The workman has tried to point out that the erstwhile management which was a private company there was neither any column to show the date of birth nor any date of superannuation was prescribed. This fact has to be kept in mind and the other fact is that the workman is not a illiterate man.

6. Now coming to Ex. W/1, it is a letter of appointment given by the Amalgamated Coalfields Ltd. on 20-7-1955 to the workman. This appointment letter does not show any column against which the date of birth of the workman should be recorded. However, the workman has been shown to be 20 years at the back of this document. Thus as per Ex. W/1 the erstwhile management on 20-7-1955 had definitely recorded his age to be 20 years which take back his date of birth to the approximate year of 1935. Other document is Ex. W/2 which is a photo copy of Transfer Certificate from the Higher Secondary School according to which the workman was born on 20-4-1938. It may be pointed out at this stage that this document was filed by the workman when he raised the dispute as back as in the year 1981 for the first time as is apparent from documents Ex. W/3 and Ex. W/7.

7. Management on his part has filed copy of Sirdar's Certificate Ex. M/1, copy of Form B Register Ex. M/2, Office Memo Ex. M/3 according to which the date of birth of the workman has been recorded to be 25-7-1927. But as per Ex. W/9 which is photo copy of the letter of the management the date of birth has been recorded as 1-7-1933.

8. Referring to the written statement of the management and the rejoinder of the workman dated 19-10-1989 (filed on 7-6-90) it appears that certain objections were called for and according to management workman had not raised objection within the stipulated time (para 7 of the written statement). These objections according to the management appear to have been called in the year 1987. The case of the management further reveals that his case relating to his date of birth was considered on 5-5-87 by the Age Determination Committee which made the following observations as given in para 8 of the written statement.—

"AS per 'B' Form register as well as Sirdar's certificate issued by the Board of Mining Examination (bearing No. 31734 dt. 16-3-73) the date of birth of Sri Bhaiyalal is 25th July, 1927. He has presented himself before the committee and produced a transfer certificate from Madhyamic Shalla, issued on 28-1-87, indicating his date of birth as 20-4-1938 and also stating that he was in the school upto 1940. The workman also accepted that he had not raised any objection during the year 1981, when the opportunity was given regarding objection for his date of birth. The Committee feels that the school leaving certificate could not be treated as an authentic document in support of age. Hence it is felt that entries in 'B' Form register, in which his date of birth is 25-7-1927 need not be revised."

9. Thus the objection of the management to the effect that his case could not be considered has no force. When the management pleads that his case was considered in the year 1987, we have to see as to whether it was properly considered or not. The above observations of the age Determination Committee are self explanatory. His School Leaving Certificate showing his date of birth was rejected without any rhyme or reason. The only facts which were considered in determining his age was Form 'B' Register, according to which his date of birth was 25-7-1927 and the thumb mark of the workman was there. Obviously the Age Determination Committee had not reviewed the facts to find out the correct date of birth of the workman. It should have collected all the facts and given an opportunity to the workman to prove the authenticity of his School Leaving Certificate which it has not done. He has also not been medically examined.

10. Evidence adduced by the workman before this Tribunal has not been assailed. It is true that the workman has filed School Leaving Certificate after a long lapse of time but the fact that the erstwhile management did not take care to record his date of birth nor there was any provision relating to the age of superannuation. Therefore if the workman did not care about getting his date of birth to be correctly recorded he should not be blamed. In any case, the justice should be done. Documents proved by the workman could not be challenged by the management. Inconsistencies in regard to the date of birth are evident inasmuch as per Ex. W/9 the date of birth of the workman is shown as 1-7-1933 while in Ex. M/1 and Ex. M/2 as also Ex. M.3 his date of birth has been shown to be 25-7-1927.

11. On the other hand, as per Ex. W/1 he was 20 years old at the time of initial appointment tentatively. Thus in these circumstances Ex. W/2 document is an important document and date of birth recorded in the Transfer Certificate should be taken as authentic date of birth.

12. I therefore hold that the date of birth of the workman is 20-4-1938 and not 25-7-1927. That being so, he has been wrongly retired on 25-7-1987. Reference is therefore answered as follows :—

The action of the management of Eklehra Colliery of WCL, Pench Area, Parasita in retiring Shri Bhaiyalal S/o Kanhaiyalal, Mining Sirdar w.e.f. 25-7-87 and not considering the date of birth as recorded in the School Leaving Certificate submitted by him is not justified. His date of birth is 20-4-1938 and therefore the order of his superannuation taking his age to be 60 years is bad in law and is set aside.

Workman is deemed to be in continuous service with all back wages and consequential benefits. No. order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-21012/57/87-D.III (B)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 21 जून, 1991

का.भा. 1947.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14)

की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-1991 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 21st June, 1991

S.O. 1947.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 20-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 305 of 1989

In the matter of dispute

BETWEEN

The Secretary Central Bank Employees Association C/o
Shri R. K. Pandey 67/49 Lal Kuwan Lucknow.

AND

The Regional Manager, Central Bank of India Hazarat-
ganj, Lucknow.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/127/89-D.II (A) dated 30-11-89 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management of Central Bank of India in imposing the penalty of stoppage of two increments of Shri Kailash Nath Tondon, Peon is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?

2. The Industrial Dispute on behalf of workman has been raised by the Central Bank Employees Association (hereinafter referred to as Union).

3. The admitted facts are that the workman was issued memos dated 27-3-73, 9-8-73, 17-10-74 and 31-5-75 by the management in respect of certain lapses alleged to have been committed by him. The explanation given by the workman to the said memos was not found satisfactory by the management. The management therefore vide order dated 11-2-75 suspended him and later on he was issued chargesheet dated 19-9-75 by the Assistant Zonal Manager.

The charges are—

1. The Handwriting expert has opined that all the three withdrawals amounting to Rs. 950, Rs. 800 and Rs. 925 from two HSS Account of Sri Raj Narain Srivastava and Smt. Usha Pandey have been forged by Shri Krishna Narain Tondon.

2. Shri Tondon was found gambling in the Bank's premises on 17-10-74 at 12.30 p.m. in the lunch room during office hours.

3. Shri Tondon absented himself from duties from 1st May 1973 without any application. He had been very irregular in attendance also in the past.
4. On 10-3-73, Shri Tondon had lost (13) clearing cheques while bringing the same from State Bank of India.

Shri B. N. Misra was appointed Enquiry Officer. Thereafter in connection with this inquiry a number of inquiry officers were appointed one after the other. The last Enquiry Officer happened to be Shri R. N. Agrawal. After concluding inquiry he gave his findings on 1-5-84. He found charge No. 4 only as proved and the rest of the charges as not proved. While giving his findings he proposed the punishment of stoppage of two increments which would have the effect of postponing his future increments. The E.O. himself issued a show cause notice regarding the proposed punishment to the workman and by means of his order dated 16-7-84, copy Ext. M-5, imposed the said punishment on the workman. On the basis of order dated 16-7-84, of the F.O. the Chief Manager, by means of his order dated 27-7-84, informed the workman that the punishment given to him by the E.O. was being inflicted on him. He clarified that workman's increments falling due on 1-7-85 and 1-7-86 would stand stoppage permanently. The workman was further informed that his suspension would stand revoked from the date he reported for duty at Alambagh Branch of the Bank. Lastly, the Chief Manager informed him that he would not be eligible for any difference of salary and the subsistence allowance which have been paid to him during his suspension period. Against the order of punishment the workman filed an appeal but it was dismissed on 16-8-85 by the Appellate Authority. The workman resumed duty at Alambagh Branch on 27-7-84. I may state here that the workman was admittedly a peon in the bank.

4. The Union has assailed the order of punishment on a number of grounds. The Union alleges that the suspension of the workman was ordered with great delay. Further the prolongation of suspension of the workman was malafide unfair and unjustified. The Inquiry took 9 years during which the workman remained under suspension. Many of the inquiry officers were based against the workman.

5. The Union further alleges that the E.O. had no business to propose quantum of punishment. Further it was none of the business of the enquiry officer to award punishment to the workman. The findings of the enquiry officer are not based on evidence; they are perverse. In respect of the charge proved the bank did not suffer any loss. The appellate authority did not notice the fact that the chargesheet was served by the Assistant Zonal Manager, whereas, the Disciplinary Authority cum enquiry officer was an officer of the rank below him. The management have acted arbitrarily in denying the whole of the pay and allowances to the workman of the suspension period.

6. The Union has, therefore, prayed that the order of punishment of stoppage of two increments of the workman be set aside and the workman be given the relief of full wages of suspension period excluding the suspension allowance already paid to him.

7. The case is contested by the management. The management plead that if there had taken place delay in the completion of inquiry it was entirely due to lapses on the part of the workman. The workman in the beginning avoided to take notice of the information regarding dates fixed in the inquiry on the pretext or the other although the letter in this regard were sent to him by registered post. When the Enquiry Officer fixed 17-10-75 as the date in the inquiry the leaders of recognised Union approached the Zonal Office to discuss the suspension issue. The Enquiry Officer appointed from time to time were S/Shri B. N. Misra, D. D. Khanna, A. N. Chaturvedi, M. N. Mehrotra, R. P. Goyal, R. K. Dass, D. L. Chaturvedi and R. N. Agrawal. S/Shri B. N. Misra and D. D. Khanna and R. K. Dass had to be reward because of their transfer, Shri B. N. Chaturvedi remained on sick leave for the months; Shri M. N. Mehrotra expressed his mobility to conduct the Enquiry. Shri R. D. Goyal fell ill and again Shri D. L. Chaturvedi who was a retained Chief Manager the Union objected to his appointment. The Management were then pleaded that the Enquiry

was held fairly and properly and that the judicial given by the Enquiry Officer are not perverse.

In support of its case the Union has examined the workman and in support of their case, the Management have examined Shri S. K. Jain Regional Manager, the Management have also relied upon a number of documents filed by them.

9. In this case the workman has written arguments from the said of the management, the management's auth representative has argued the case.

10. There is no dispute about the fact that Shri R. N. Agarwal was the last Enquiry Officer in the inquiry against the workman. He gave his report, Ext. M-17, on 1-5-84. He held charges No. 1 and 2 and 3 as not proved and charge No. 4 as proved. While giving his inquiry report, he also proposed punishment of stoppage of two increments which would have the effect of postponing his future increments. Subsequently vide his order dated 16-7-84, copy Ext. M-5 Shri Agarwal imposed the punishment of stoppage of two increments as proposed by him on the workman. The order shows that before passing this order he had issued a show cause notice against the proposed punishment to the workman. This means that Shri Agarwal also assumed the roll of the disciplinary authority. Then we have before us the copy of order dated 27-4-84 Ext. M-2 of Shri H. N. Awasthi Chief Manager. From the order it appears that he informed the workman that punishment awarded by the Enquiry Officer vide his order dated 16-7-84, was being inflicted on him. The Chief Manager further clarified that the workman's increments due on 1-7-85 and 1-7-86 would stand stopped permanently. He revoked the order of suspension and directed the workman to report for duty at Alambagh Branch. He even held that the workman would not be eligible for any difference of salary and the subsistence allowance which had been paid to him during the suspension period. I may state here that the Enquiry Officer while imposing punishment of stoppage of two increments did not say anything about the workman's emoluments during the period of suspension.

11. The question is whether Shri Agarwal Enquiry Officer could have acted as disciplinary authority. The answer to it will be evident from the statements made by the management witness who has also of the rank of Regional Manager in his cross examination. In para 3 of his statement in cross examination he has deposed that from some time before 1968—70, Chief Manager/Regional Manager has been the appointing and dismissing authority of the sub-staff. According to the witness in the present case punishment was awarded to the workman by Shri H. N. Awasthi Chief Manager vide his order dated 27-7-84 on the basis of inquiry conducted by Shri R. N. Agarwal Dy. Chief Officer. He was further of the view that Shri R. N. Agarwal did not award any punishment to the workman. Thus this evidence is much against the documentary evidence referred to above.

12. During the course of arguments from the side of the management reliance was placed on the copy of Confidential Letter No. PRS/Legal/2 : 73/25 dated 31-10-73 Ext. M-3. The confidential letter is accompanied by a confidential document relating to the procedure for holding departmental inquiry and taking disciplinary action against staff. With regard to the award staff it is stated that the inquiry officer after recording his finding of guilt shall propose punishment to be inflicted upon the workman and thereafter after giving the workman a show cause notice regarding proposed punishment shall award him punishment which will be communicated to the workman through proper channel. Last para in this regard reads as under—

The management enforcing and giving effect to the punishment awarded by the Enquiry Officer and informing the employee to that effect by a memo.

The procedure therefore shows that the inquiry officer is both Enquiry Officer and the Disciplinary authority and the sole purpose of the management is to give effect to the punishment awarded by the inquiry officer to the workman.

13 With their application dated 11-10-90, the management filed a notice issued by the Managing Director with regard to appointment of Enquiry Officers and Appellate Authorities. The notice is dated 4-11-76. The document has been admitted by the authorised representative for the workman. With the notice is enclosed a list of Enquiry Officers. The name of Shri R. N. Agarwal Branch Manager Rampur appears at Serial No. 33. It follows therefore that in the light of para 14.14 of the 1st BPS Shri R. N. Agrawal was simply appointed an enquiry officer and not as disciplinary authority. This gets support from even the statement made by the management witness to which I have earlier referred. The result therefore is that the Enquiry Officer was not competent to act as Disciplinary Authority and impose upon the workman the punishment of stoppage of two increments. If his order becomes illegal, the order dated 27-7-84 passed by Shri H. N. Awasthi Chief Manager and the order dated 16-8-85 passed by the appellate authority also become illegal. The copy of order of the appellate authority has not been filed by either side. But this much is admitted to both the sides that the appeal filed by the workman was dismissed by the Appellate Authority. The appellate authority ought to have noticed the illegality in the procedure and should have remanded the case with the direction that the show cause notice against the proposed punishment would be issued by the disciplinary authority after the disciplinary authority had agreed with the findings of the Enquiry Officer. But this was not done. Therefore, all the orders dated 16-7-84, passed by the Enquiry Officer, dated 27-7-84 passed by the Chief Manager and dated 16-8-85 passed by the Appellate authority became illegal.

14. I may state here that so far conduct of inquiry is concerned the workman has admitted in his cross examination that during the inquiry proceeding he was given full opportunity to defend himself. Therefore inquiry as conducted by the Enquiry Officer cannot be challenged on the grounds that it was not conducted fairly and properly.

15. In view of the findings recorded above, above referred three orders of the Enquiry Officer, Chief Manager and the Appellate Authority are set aside. Since charge No. 4 stands proved against the workman who himself had admitted the loss of 13 clearing cheques, of course under certain circumstances, it will be just and proper if the management is given the liberty to proceed further in accordance with law on the basis of the report of the inquiry officer. Accordingly the management shall be at liberty to proceed against the workman on the basis of findings recorded by the Enquiry Officer, Shri R. N. Agrawal in accordance with law.

16. The reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-12012/127/89-D.II (A)]

का.प्र. 1949 :- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1 बर्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1948.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(Presiding Officer, Justice S. N. Khatri)

Reference No. CGIT-25 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of India

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri R. B. Pitale, Advocate.

For the workmen—No appearance.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 6th day of June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

“Whether the action of the management of Bank of India is not allowing the post of Special Assistant to Shri S. V. Chavan, Clerk, Mandraup Branch, as per provision of Bipartite Settlement dated 1-9-77 to Shri S. V. Chavan, Clerk, Mandraup Branch, as entitled?”

2. By my Award dated 4th December, 1990, I had dismissed this reference in default of the Workman. Thereafter on his application, I set aside that Award by my order dated 14th December, 1990. The matter has since been adjourned twice for evidence at the request of the workman. Today I waited for him upto 3.10 p.m. Neither he nor his representative has turned up. Eventually I am constrained to dispose of the reference again in default of the Workman for non-proccention. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-12012/439/87-D.II(A)]

का.प्र. 1949 :- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1 बर्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1949.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(PRESIDING OFFICER : JUSTICE S. N. KHATRI)
Reference No. CGIT-36 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of India

AND

APPEARANCES :

For the Management—None present.

For the Workmen—None present.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 6th day of June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following Industrial Disputes to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Bank of India Regional Manager, Alibagh Distt. Raigad in terminating the service of Shri Y. V. Chorge, Sepoy of Ram Raj Branch vide order No. ARO : RKS:R:150 dated 17-5-1988 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. In spite of about 10 adjournments, the workman has not made his statement of claim. He has not even cared to remain present today and on the two previous dates. He does not appear to be interested in prosecuting the reference. Accordingly I dismiss it for want of prosecution. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-12012/588/89-D.II(A)]

का.अ. 1950 :—आध्यात्मिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1 बंबई के पंचपट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार की 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1950.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen which was received by the Central Government on 18-6-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(PRESIDING OFFICER, JUSTICE S. N. KHATRI)

Reference No. CGIT-24 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bank of India

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri R. B. Pitale, Advocate.

For the Workmen—None present.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra
Bombay, dated the 6th June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the demand of Bank of India Staff Union, Pune that the Regional Manager, Bank of India, Ratnagiri Region, and through its officers, should appoint Shri D. A. Dangi as a part-time sweeper on scale wage and pay arrears with effect from 1-6-86 is justified? If so, to what relief is the workman entitled?"

2. By my Award dated 4th December, 1990, I had dismissed this reference in default of the Workman. Thereafter on his application, set aside that Award by my Order dated 14th December, 1990. The matter has since been adjourned twice for evidence at the request of the workman.

Today I waited for him upto 3.10 p.m. Neither he nor his representative has turned up. Eventually I am constrained to dispose of the reference again in default of the Workman for non-prosecution. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. 12012/521/87-D.II(A)]

का.अ. 1951.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1 बंबई के पंचपट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार की 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1951.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(PRESIDING OFFICER, JUSTICE S. N. KHATRI)

Reference No. CGIT-23 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of India

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri R. B. Pitale, Advocate.

For the Workman—No appearance.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra
Bombay, dated the 6th June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

"(i) Whether the action of the management of Bank of India employing Shri A. C. Shapsekar on permanent basis on 3/4 scale and thereby reducing his emoluments which he earned while working on daily wages is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

(ii) Whether the action of the management of Bank of India in allowing Shri A. C. Shapsekar to do the work of daitary carrying special allowance and having done the work not paying him the special allowance is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. By my Award dated 4th December, 1990, I had dismissed this reference in default of the workman. Thereafter on his application, set aside that Award by my order dated 14th December, 1990. The matter has since been adjourned twice for evidence at the request of the workman. Today I waited for him upto 3.10 p.m. Neither he nor his representative has turned up. Eventually I am constrained to dispose of the reference again in default of the Workman for non-prosecution. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-12012/140/87-D.II(A)]

का.मा. 1952:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनाइटेड कमर्शियल बैंक के प्रबन्धक के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1952.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the United Commercial Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-1991

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(237)/1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of United Commercial Bank, Divisional Office, 108 Sushil Bhavan, Dhantoli, Nagpur (MS) and their workman, Shri A. D. Nikhade, represented through the UCO Bank Employees Union 542, Congress Nagar, Nagpur (MS).

APPEARANCES :

For Workman—Shri S. T. Sahasrabudhe.

For Bank—Shri R. C. Srivastava, Advocate.

INDUSTRY : Banking. DISTRICT : Nagpur (MS).

AWARD

Dated, June 5th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/122/II/87-DII(A), dated 10-11-1987, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of United Commercial Bank in terminating the services of Shri A. D. Nikhade w.e.f. 2-10-86 was justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. Facts leading to this case are that the workman, Shri A. D. Nikhade, was an employee of the United Commercial Bank at Nagpur and worked from 2-8-1985 to 1-10-86. His services were terminated with effect from 2-10-1986. He was paid daily wages @ Rs. 10 per day. He was not sponsored through the Employment Exchange. It has also not been specifically denied that the workman had worked for the period as detailed below (Reply to para 6 of the statement of claim) :—

Month/ year. 1985	No. of days	No. of Holidays
August	31	6
September	30	7
October	31	6
November	30	8
December	31	6
1986		
January	31	4
February	28	4
March	31	8
April	30	6
May	31	4
June	30	6
July	31	4
August	31	7
September	30	5
October	1	—
	427	84

3. Workman says that he was appointed as Sub-staff against the nature of permanent work and was doing the work of permanent nature as was expected from permanent Sub-staff of the Bank. He was, however, paid daily wages @ Rs. 10 per day. He was taken over time work. He was not paid on holidays as required by law. All this was unfair labour practice. His services have been terminated notice contrary to the provisions of Sections 25B and 25F of the I.D. Act, despite the fact that permanent vacancies were available against his post. Though he had worked for 240 days excluding 84 holidays for which he has not been paid but he was not given permanent appointment and preference over the newly appointee in violation and breach of provisions of Sections 25G and H of the I.D. Act. Shri Shiwaji Dewase and Shri Madan Yadav were appointed after his services were terminated. As per Sastry Award and other Awards and Bipartite Settlement he should not only have been paid for overtime work and for holidays but also should have been absorbed against the permanent vacancy. He is, therefore, entitled to the following reliefs :—

1. Declaring the action of the bank in terminating the services of the workman w.e.f. 2-10-86 as illegal and unjustified and directing the bank to reinstate the employee with full back wages.
2. Wages as per the provisions of the Bi-partite Settlement right from the date of appointment in the bank.
3. Payment of appropriate Bonus to the employee.
4. Giving status of permanent employee with all the benefits to the workman.
5. Any other relief and costs of the case.

4. According to the management, workman was a daily rated employee. He was neither posted against the permanent post nor any job of permanent nature was taken from him. He was temporarily engaged to clean the premises, get tea/snacks for the stall and guests from nearby stalls. Notice of termination was not necessary. He has not completed 240 days continuous service. He is not entitled to any relief as claimed. There is no violation of any Award, Settlement or Order.

5. Management further say that he is not a workman under the provisions of the I.D. Act. He had to go out of employment due to non-renewal of contract.

6. It is also contended that there is proper procedure for appointment against a permanent post. Persons who were subsequently employed came through the Employment Exchange.

7. For all the above reasons reference is liable to be rejected.

8. Workman has examined himself in support of his case and has proved documents Ex. W/1 to Ex. W/4, while the management has examined Shri G. B. Pathak, Deputy Chief Officer (Personnel Department) as M.W. 1.

9. Reference was the issue in this case.

10. At the outset it can be said from the table given above that the workman who had worked for 343 days excluding holidays and Sundays which come to 84 days and according to the management the workman was paid for the Sundays and holidays also it followed that he had put in 427 days service and obviously 240 days continuous service in the last preceding one year from the date of termination on 2-10-86. Even assuming that there were certain breaks they were not due to any fault on the part of the workman.

11. The workman has also proved these facts by his affidavit which have not been specifically denied.

12. Perusal of para 8 of the written statement reveals that the said workman during the period 2nd August, 1985 to 1-10-1986 did not get his name registered with the Employment Exchange at Nagpur though he was advised of the consequences of a non registration. This appears to be the cause of his retrenchment because it is not disputed by the manage-

ment in para 8 of the written statement that after the termination of the services of the workman certain vacancies were filled in through the Employment Exchange in accordance with the mandatory directions of the management. But this too does not appear to be a true fact because as per M.W. 1, G. B. Pathak (para 5 of his deposition) some 25 workmen were also employed who were not called through the Employment Exchange. It follows that the workman was retrenched not only in violation of the provisions of Sections 25B and 25F but also Section 25H of the I.D. Act. Thus the question that he was not registered in the Employment Exchange does not arise in view of his long service. If the management was so keen why the workman was employed directly at the initial stage. Even otherwise also I have pointed out that M.W. 1 stated on oath that some 25 workers were employed directly and not through the Employment Exchange.

13. It would be needless to point out that the workman is very much a workman within the meaning of Section 2(s) of the I.D. Act and I need not discuss the law in this regard.

14. Thus the termination of the services of the workman, Shri A. D. Nikhade being void ab initio he is entitled to reinstatement with all back wages and continuity in service. He should also be absorbed against the permanent vacancy of Sub-staff. He is not entitled to any other reliefs as prayed for. Reference is accordingly answered as follows:—

The action of the management of United Commercial Bank in terminating the services of Shri A. D. Nikhade w.e.f. 2-10-1986 was not justified. He is entitled to reinstatement with all back wages and continuity in service. He should also be absorbed against the permanent vacancy of Sub-staff. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-12012/122/87-D-II(A)]

का.प्रा. 1953: औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1917 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबंध निदेशकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1 बंबई के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1 Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen which was received by the Central Government on 18-6-91.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(PRESIDING OFFICER, JUSTICE S. N. KHATRI)
Reference No. CGIT-14 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bank of India

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri R. B. Pitale, Advocate.

For the Workmen—None present.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra
Bombay, dated the 6th June, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Bank of India Regional Office and through its offices is not appointing Shri D. J. Kumbhar, Sweeper at Talawade Branch with effect from 11-3-1985 and not confirming him from 11-9-1985 justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. By my Award dated 4th December, 1990, I had dismissed this reference in default of the Workman. Thereafter on his application, I set aside that Award by my order dated 14th December, 1990. The matter has since been adjourned twice for evidence at the request of the Workman. Today I waited for him upto 3.10 p.m. Neither he nor his representative has turned up. Eventually I am constrained to dispose of the reference again in default of the Workman for non-prosecution. No orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-12012/444/87-D.I(A)]

का.प्रा. 1944: औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ महाराष्ट्र के प्रबन्धतंत्र निदेशकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 18-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1954.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the A Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on 18-6-81.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(43)/1987.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of Maharashtra, Divisional Office, North Zone-2, 14, Shakti Niwas Malviya Nagar, Bhopal-462003 (M.P.) and their workmen represented through the Union of Maharashtra Bank Employees, Deewan Bhavan, Shreeram Nagar, Gullowatal, Garha, Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Union—Shri G. P. Gupta.

For Bank—Shri A. K. Yadav.

INDUSTRY : Banking DISTRICT: Jabalpur(M.P.)

AWARD

Dated : June 3rd 1991

By Notification No. L-12011/56/86-D.II(A) dated 14th April 1987 the Central Government, Ministry of Labour, has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

"Whether the demand of the Union of Maharashtra Bank Employee, Jabalpur, to con-

sider administrative office also along with branches for request transfer as per clause 3 & 4 of the Settlement dated 31-10-83 is justified ? If so, to what relief are they entitled ?”

2. This is a reference sponsored by the the Union of Maharashtra Bank Employees, Jabalpur, that their demand to consider the request transfer as per Clause 3 & 4 of the Settlement dated 31-10-1983 to the Branches and Administrative Offices are not being considered to which they are entitled. The main grievance of the Union is that the interpretation of the word ‘branches’ made by the management is very narrow because it includes the administrative offices also in the Settlement dated 31-10-1983. They have further alleged that the number of employees are still in queue of request transfer for Jabalpur, out of them more are seniors to Mr. R. M. Avachi who was given transfer from Kunda to R. M. Office, Jabalpur illegally, despite the advice of conciliation officer. The names of few employees and members of this Union are given herein below who are very much entitled to get transfer at Jabalpur :—

Name	Present Branch	Post held
1. Mr. L.L. Agarwal	Umreth	Clerk
2. Mr. P.P. Kushwaha	Paradsinga	Clerk
3. Mr. P.K. Muley	Chandrapur	Clerk
4. Mr. A.K. Dubey	Seoni (Pandhurna)	Clerk
5. Mr. R.K. Gupta	Jeen	Clerk
6. Mr. Rawel Singh	Shendurlanghat	Clerk
7. Mr. S.C. Chaturvedi	Mandla	Clerk
8. Mr. V.K. Neelay	Umreth	Clerk
9. Mr. W.A. Khan	Ugli	Clerk

3. Similarly Bank has opened its Zonal Office at Bhopal in 1982 for which the same stand was taken by the Bank and no Circular was issued at the time of opening of the said office as per point 3 & 4 of the Settlement dated 1-10-1973 and 31-10-1983. Bank has not filled in 80% vacancies of the total requirement of the staff for Zonal Office by considering pending request applications for Bhopal. There are various circulars in regard to request transfer and settlement arrived at on 1st October, 1973 and 31st October, 1983. As per these Settlements the Bank has operated all matters of request transfer of the workmen in the Bank. As per point nos. 3 & 4 of the Settlement dated 1-10-1983 read with Settlement dated 31-10-1983 Bank has agreed to fill in 50% vacancies out of the total vacancies of workmen required for any particular new branches and offices, which was proposed to be opened, from the workmen seeking transfer to the proposed new offices/branches by calling their applications and as per Clause 3(iii) of the Settlement dated 31-10-1983 Bank has agreed that 80% vacancies out of the total vacancies of workmen to any branch or office will be filled from the pending request transfer applications. These circulars are not being followed. Accordingly, the Union has prayed for the following reliefs :—

1. The circular for Regional Office, Jabalpur should be issued by the Bank as per Clause 3 & 4

of the settlement dated 1-10-83 and subsequent dated 31-10-1983.

2. The 80% vacancies out of actual vacancies of Regional Office, Jabalpur should be filled from the pending request transfer applications for Jabalpur as per Clause No. 3(iii) of the Settlement dated 31-10-1983.

3. That the members of this Union whose names are already given in the statement of claim should be given transfer immediately.

4. The order for Zonal Office, Bhopal should be passed.

5. Cost of this case.

6. Any other relief that Hon'ble Tribunal be pleased to grant.

4. In the rejoinder the Union has further stated that the Agreement dated 1-10-1973 is not terminated and was in force when the Agreement dated 31-10-1983 came into force. During the period between 1981 to 1983 the Bank has already affected and considered all the transfers as per terms and conditions laid down in the policy dated 1-10-1973. Moreover, the Bank has also utilised the terms of policy dated 31-10-1983 in 1982 in some cases and thus it is clear that the policy dated 1-10-1973 was not terminated and hence at the time of opening of the administrative office at Jabalpur, Bank has to follow the other terms and conditions of the policy dated 1-10-1973 and necessary circular must be issued in this regard. The Union has also denied that the Settlement is not applicable to this union. It is as much applicable to this Union as to the other unions. The Bank has given wrong information. The following is the list of candidates appointed in the administrative office at Jabalpur :—

Sl. No.	Name	Date of joining
1.	Mr. D. K. Agarwal	April, 1982
2.	Mr. R. Nair	16-06-1982
3.	Mr. A. M. K. Ekka	23-03-1982
4.	Miss Meera Vatnani	15-07-1982
5.	Miss Nisha Jaiswal	15-07-1982
6.	Mrs. Gitani Ali Thakur	—1982
7.	Miss D. S. Kanta Tigga	11-10-1982
8.	Miss Anjali Khedkar	15-10-1982
9.	Mr. T. K. Tigga	11-10-1982
10.	Mr. R. K. Shrivastava	20-10-1982
11.	Mr. S. G. Bagaddeo	22-12-1982
12.	Mr. R. M. Sonkusale	30-05-1983
13.	Mr. J. S. Armo	30-5-1983
14.	Miss Alka Das	30-05-1983
15.	Miss E. Saguna	06-06-1983
16.	Mr. C. S. Tiwari	06-06-1983
17.	Miss Ruma Das	08-08-1983
18.	Mr. P. S. Pathak	16-08-1983
19.	Mr. Harish Pathak	24-03-1983
20.	Mr. Shiv Kumar Singh	06-09-1982
21.	Mr. Kartarchand	01-09-1982

The Union has also given the names of the members whose applications were pending at the time of posting of B.S.R.B. candidates at Jabalpur. They are as under :—

- | | |
|-------------------------|------------------------|
| 1. Mr. G. P. Gupta | Applied in 1981 |
| 2. Mr. D. J. Choudhary | Applied in 1981 |
| 3. Mr. L. L. Agarwal | Applied in April, 1982 |
| 4. Mr. W. A. Khan | Applied in 1982 |
| 5. Mr. A. K. Dubey | Applied in 1982 |
| 6. Mr. S. K. Chaturvedi | Applied in 1983 |

5. That apart, various posts are still vacant at the administrative office at Jabalpur, but the Bank is not considering the transfers of the members of this Union. The Bank has posted candidates from R. M. Office Bhopal to A.G.M. Office Bhopal. The Bank has also appointed two drivers at A.G.M. Office, Bhopal despite the fact the applications of the members of this Union viz. Shri S. R. Patil etc. working at R. M. Office, Jabalpur have not been considered. The action of the Bank is not proper and legal and beyond the norms stipulated in the Settlement dated 1-10-1973.

6. According to the management, the Administrative Office at Jabalpur was opened in August/September, 1982. The Union wants to insert the word 'office' in Clauses 3 and 4 of the Settlement dated 31-10-1983 and to apply the same to the administrative office which was opened before coming into operation of the Settlement dated 31-10-1983. Thus the reliefs cannot be granted.

7. The Regional/Divisional Office at Jabalpur is not altogether a new office but has been carved out of the Divisional Office, Bhopal, which was controlling the entire branches in the State of Madhya Pradesh. The supervisory staff for this office was provided from Bhopal Office. No Agreement was in force when administrative office at Bhopal was opened at Jabalpur as the Bank had already given the notice of change in the year 1981 and terminated the Agreement on request transfer as it existed since 1973. The subsequent Agreement had taken place on 31-10-1983 with the majority Union affiliated to A.I.B.E.A. and as such this Agreement cannot be made applicable to the already opened Jabalpur Office and the present dispute deserves to be dismissed.

8. That apart, the Union has raised this dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central) Jabalpur in April 1986 i.e. after lapse of more than four years the alleged cause of action. On this ground also the dispute deserves to be dismissed. The present Union raising the dispute is not a party to the Settlement dated 31-10-1983 and the Union which is not a party to it cannot thrust its own interpretation as and when it likes. The term used in the Settlement dated 31-10-1983 relates to the transfers to new Branches only and not new Offices. This has been done with a view to get experienced staff for the Branches wherever possible. The Circular dated 1-10-1973 is beyond the scope of present reference. Hence the reference raised in the light of the Agreement dated 1-10-1973 cannot be entertained and the

reference is not tenable. The employees who are already in service of the Bank and have applied for transfer on request to the place where the Bank proposed to open new Branch are better suited as against the B.S.R.B. candidates. With this in mind the parties to the Settlement have made a special provision for new Branches in Cl. 4 of the Settlement dated 31-10-1983. Any attempt to read the word 'Office' along with Branches in the said Clause will not be proper and therefore also the reference is not maintainable. The Union wants to explain the terms of reference by application dated 18-5-1987 in relation to administrative office of the Bank. The administrative office of Bank are situated in more than one State all over India. The amendment to statement of claim, if allowed, will affect the establishments situated in more than one State. Since the reference made by the Government is under Sec. 10(1)(d) of the I.D. Act and not under Sec. 10(1)(a), this Tribunal shall not be entitled to consider the present point. The proper forum for this would be a National Industrial Tribunal. The transfer is management's prerogative and the Government has held time and again that no dispute can be raised over the issue of transfer. The transfers are affected as per the administrative convenience of the Bank and the reference being applicable to the request transfer is liable to be rejected. No Settlement had taken place on 1-10-1973 on request transfer. The reference to the circular dated 1-10-1973 is beyond the scope of the term of reference, for adjudication.

9. The Settlement dated 31-10-1983 is not a settlement in continuation of the Settlement dated 1-10-1973. The policy laid down in the Circular dated 1-10-1973 for request transfer is continued to be followed on certain stipulations by the Settlement of 31-10-1983 and not the Settlement of 1-10-1973 itself. The Bank has followed the procedure laid down in the Circular dated 1-10-1973 regarding request transfer until it was terminated.

10. The Bank has denied that as per Circular dated 1-10-1973 and dated 31-10-1983 respectively the Bank has agreed to fill in 50% vacancies of any particular office from the workmen seeking transfer to that proposed office by calling their applications. On the other hand, Cl. (c) of the Settlement dated 31-10-1983 is not made applicable to the administrative office proposed to be opened by the Bank as the same is applicable only to the Branches to be opened newly. The Union affiliated to A.I.B.E.A. which is a party to the Settlement have never objected to this practice prevalent in the Bank.

11. Clause 3(iii) has been quoted out of context. It states about the procedure of request transfer to the extent of 80% of actual vacancies to be considered before posting B.S.R.B. candidates. Thus it cannot be said that the Bank has agreed to affect pending request transfers. Before posting B.S.R.B. candidates, the Bank takes into account of such applications of employees who are eligible for transfer on request to that place and while posting B.S.R.B. candidates for the administrative office at Jabalpur no application of any employee who could be considered eligible for transfer on request was pending

with the Bank. Eleven candidates are recruited directly through the B.S.R.B. The Settlement dated 31-10-1983 is not applicable. Objections have been raised for the first time in April 1986. That vide Circular dated 5-8-74 issued in respect of allotment of allowance carrying posts the words both Branch and Office have been used. This shows that where it was necessary and intended the Bank rightly included both Branch and Office and where it has, not necessary and not intended the word 'Branch' has been used. It is wrong to say that Mr. R. M. Ayachi has been wrongly transferred because he is a member of a favourite Union. His transfer was not made at the time of opening of administrative office at Jabalpur, but was made on 23-11-1985 on compassionate ground on his application dated 4-9-1984. Similar transfers on compassionate ground have been made. Thus his transfer cannot be questioned on the ground of the seniority of the alleged pending applications of the employees listed in para 11 of the statement of claim.

12. The Bank states that the following are not members of the present Union :—

- | | |
|----------------------|-------------------|
| 1. Mr. A. K. Dubey | Seoni (Pandhurna) |
| 2. Mrs. Ranel Singh | Shendurjanaghat |
| 3. Mr. S. Chaturvedi | Mandla. |

13. There was no violation of the Settlement dated 31-10-1983. It is denied that the Bank has acted arbitrarily or in violation of the Settlement. The reference is liable to be rejected with costs.

14. The reference is the Issue in this case vide proceedings dated 22-9-1987.

Finding with reasons :

15. While trying to be brief so far the facts are concerned, I shall be specific in answering the reference because it covers a very short point as to whether the Settlement dated 31-10-1983 includes administrative office also along with the branches for considering request transfers as per Clause 3 and 4 of the Settlement dated 31-10-1983.

16. Voluminous evidence has been led in this regard. Since specific cases are not for consideration here, I shall confine myself to the interpretation of the said settlement. The management, however, raised the following material points—

- (i) only the National Tribunal can consider this reference and that;
- (ii) the cases of the members of the other unions cannot be considered.

17. So far as the first point is concerned, it is just a matter of interpretation of the clauses of the settlement and nothing more. It is not an issue which has to be decided by the National Tribunal but this can be decided by this Tribunal as well.

18. So far the question that the cases of members of other unions are concerned, in this regard I have only to cite the judgements of the Supreme Court—Ram Prasad Vishwakarma Vs. Chairman, Industrial Tribunal, Patna and others (AIR 1961 SC 857) and 1657 GI/91—7.

Jhagrakhand Collieries (P) Ltd. Vs. G. C. Agarwal, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur and others (AIR 1975 SC p. 171). Thus cases of all the concerned employees of the management can be considered in view of the settlement dated 31-10-83 for the simple reason that different sets of rules and principles cannot be laid down to different sets of members of different union of the same establishment. In the same way, the settlement should not be construed as discriminatory for the purpose of request transfers to branches or the administrative offices. Following are the reasons.

19. Having gone through the document Ex. M|1 to Ex. M|27 and Ex. W|1 to Ex. W|15 (No oral evidence has been adduced by either party), I must consider the earliest circular dated 1st October, 1973 (Ex. M|15) which was superseded by Ex. M|16 dated 27-1-1982 and new settlement dated 31-10-83 (Ex. M|18) came into existence and was circulated vide Ex. M|17 dated 16-11-1983.

20. Clause 3 of Ex. M|18 relates to general procedure of request transfers. Clause 4 relates to transfer to new branches. I must reproduce the relevant paras which are as under :—

(i) The request transfers will be considered by the Staff Division, Pune, on the basis of seniority. The applications in the prescribed form and those within the norms when received will be entered into a register and the other applications not fulfilling norms will be returned to the applicants.

(ii) The request transfer applications in prescribed form must be routed through the Branch|Office where the employee is working. The Branch|Office will keep the record of such applications and inform the applicant about the forwarding of such applications to Divisional Manager, Staff & IR Central Office, directly. ('Branch|Office' is noteworthy which is indicative of including office as well a part from branch. If this was not the intention, the expression 'branch office' should have been used and not 'branch|office'. It may further be noted that expression 'branch office' has not been used for branch in clause 4).

(iii) Before posting of BSRB candidates pending transfers to the extent of 80% of actual vacancies would be taken into consideration.

4. Transfer to New Branches—

(i) The present practice of issuance of circulars from Central Office, calling applications will be continued while opening of new branches and at least 50% of the staff required for new branches would be considered from the eligible candidates seeking transfers at those centres and the remaining may, be considered from the candidates newly appointed as per BSRB allotment.

(ii) Whenever new candidates are not available, the staff will be provided as per seniority of the request transfer applicants whose applications are received in the Staff Division for the proposed branch."

21. If the entire Settlement dated 31-10-1983 (Ex. M|18) is considered together particularly in the

light of the clauses 1 to 5, 6 and 8 it would be very clear that this settlement does not relate to transfer to branch only and without referring to earlier settlement, it can be clearly pointed out from Clause 3 that if settlement related to branches only, there was no purpose in putting an expression 'branch|office', for Clause 4 does not use the word 'office' any where. Obviously, it relates to practice to be followed in relation to request transfers to new branches. Clause 8 of Ex. M|18 also relates to request transfers. First part of Clause 3 is general, according to which no T.A. & D.A. is to be given on request transfers. It does not discriminate between transfer to branch or offices while the second part of Clause 8 relates to granting T.A. and D.A. on posting at new branches (not offices) even in the case of request transfer.

22. Thus by no stretch of imagination it can be said that this Settlement related to request transfers to branches only and no administrative offices. It would be a very narrow construction and discriminatory also. Even otherwise also use of the word 'office' in Clause 3 would become redundant inasmuch as there cannot be a one way traffic and where request transfer from office have to be considered as per this Clause, it follows by implication that request transfers to office are also to be considered in the entire context.

24. Reference is accordingly answered as follows : The demand of the Union of Maharashtra Bank Employees, Jabalpur, to consider administrative office also along with branches for request transfers as per Clause 3 and 4 of the Settlement dated 31-10-83 is justified. Their cases accordingly be considered in the light of above interpretation of the Settlement. No order as to costs. Award is made accordingly.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-12011/56/86-D.II(A)]

का.प्र. 1955:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार देना बैंक के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-19 को प्राप्त हुआ था ।

ANNEXURE

S.O. 1955.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers by relation to the Dena Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 18.6.91

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE NO. CGIT/CL/R/(59) 1983

PARTIES

Employers in relation to the management of
Dena Bank, Raipur (M.P.) and their work-

man, Shri Ashok Kumar Durugkar, Opp.
Irrigation Office, Kailash Nagar, Rajnand-
gaon (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Workman himself.

For Management.—Shri S. K. Ghosh.

INDUSTRY : Banking. DISTRICT : Raipur (M.P.).

AWARD

Dated : June 5th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/646/87-D.II(A) dated 15th June, 1988, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Dena Bank in relation to their Rural Services of Centre, Rajnandgaon in terminating the services of Shri Ashok Kumar Durugkar, Water-boy-cum-Peon (Sub-staff) and not considering him for further employment while recruiting fresh hands under Section 25th of the I.D. Act is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?”

2. Undisputed facts that have arisen out of the pleadings and evidence on record is that the workman was engaged as temporary/casual labourer for 118 days as detailed below :

From	to	days
25-4-1985	11-5-85	14
13-5-1985	25-5-85	12
19-8-1985	31-8-85	10
30-9-1985	7-10-85	7
27-3-1986	31-3-86	4
1-4-1986	10-4-86	10
26-4-1986	3-5-86	7
5-5-1986	14-5-86	8
16-5-1986	26-5-86	8
7-7-86	19-7-86	11
28-7-1986	1-9-86	27
		118 days

He accordingly worked from 25-4-1985 to 11-5-85 and also subsequently upto 1-9-1986 (See M.W.1 R. P. Patle's deposition paras 2 & 3).

3. Shri Chunni Lal was taken as permanent Sub-staff with effect from 15-12-1983. Certain other persons were also taken in service as detailed below :—

Name of persons employed	Branch at which employed	Date w.e.f. which employed
1. Kamal	Bhatapara	27-7-87
2. Jhadram Sahu	Tilda	31-12-87
3. Chhabiram Sahu	Rajim	9-11-87
4. Pilooram Dhruy	Basna	27-1-88
5. Nandkumar Marlan	A. Chauki	8-3-88

4. Certain posts were taken vacant and interviews were held but the workman concerned was not selected.

5. According to the workman, interview of the employment of these persons subsequent to his retrenchment as also filling of various vacancies after obviously after his retrenchment is violative of the provisions of Sec. 25H of the I.D. Act and he is entitled to be reinstated. It has also been stated that it must be declared that the action of the management of Dena Bank in terminating his services as Water-boy-cum-peon (Sub-staff) and not offering his further employment under Sec. 25H of the I.D. Act while recruiting fresh hands is unjust and illegal and he is entitled to be reinstated with full back wages retrospectively.

6. Management says that Chunni Lal was appointed as permanent Sub-staff much prior to the engagement of Shri Ashok Kumar. So far other persons viz. Kamal and four others were concerned they were taken in service by virtue of the award of this Tribunal hence question of violation of Sec. 25H of the I.D. Act in relation to these workman does not arise. Since the applicant had not come through the Employment Exchange therefore he could not be called for interview and appointed as sub-staff in the Bank and as such the question of considering him for further employment under Sec. 25H of the I.D. Act does not arise.

7. That apart, the workman is not a workman in the eye of law. He was engaged for short duration and the reference is liable to be rejected on all these counts.

8. At the outset I must point out that the workman was a daily rated casual employee of the management and he was paid by the management is not disputed. The testimony of the workman to the effect that he was to work for the whole day not only as Waterman but also as a Peon. He used to bring water, files, distribute daks and clean the furniture. He was a whole time worker. This evidence has not been rebutted.

9. Thus daily rated casual worker employed for the whole day is very much a workman in the eye of law as envisaged under Sec. 2(s) of the I.D. Act and I need not deal with this aspect of the case in detail. Even piece meal employees are workers.

10. The workman concerned had worked for 118 days and as pleaded by the management in para 4 of the written statement that certain workers were employed after the retrenchment of this workman and after interview merit list was prepared and they were appointed after approval of the authorities concerned. The only defence taken is that the name of the workman was not sponsored through the Employment Exchange and therefore he was left out. It may be noted that M.W. J. R. P. Patle, has admitted in his cross-examination in para 3 that the office had asked for the marks sheet of the workman and the workman had given his marks sheet.

11. From the above pleading and the evidence it can be well gathered that the workman was well qualified for the post of which the interviews were

held. It follows that after his retrenchment certain posts to which he could be absorbed were vacant which were filled in by the management. Though it is not clear that there were some posts but the workman was qualified for the post for which interview were held and the workman was only left out because he was not sponsored through the Employment Exchange. Workman having put in service from 25-4-85 to 1-9-86 for 118 days as detailed above should have been given preference in view of the provisions of Sec. 25H of the I.D. Act irrespective of the fact whether his name was sponsored through the Employment Exchange or not. If that was the case, the services of the workman as casual labourer should have been deployed through the Employment Exchange only and not otherwise.

12. That being so, workman is entitled to be re-employed on the post of sub-staff interviewed after his retrenchment. He should be deemed to be in employment from this date onward and would be entitled to the wages from the date he joins. Reference is accordingly answered as under :—

The action of the management of Dena Bank in relation to their Rural Service Centre, Rainandgaon in terminating the services of Shri Ashok Kumar Durugkar, Water-boy-cum-Peon (Sub-staff) and not considering him for further employment while security fresh hands under Section 25H of the I.D. Act is not justified. He is entitled to be reinstated from the date of the award and would be entitled to the wages from the date he joins. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-12012/646/87-D II(A)]

नई दिल्ली 27 जून 1991

का प्रा 1956—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार में सी सी सी एल का पिटम मुरलीडीह कोलियरी के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, म. 1 धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 27th June, 1991

S.O. 1956.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1 DHANBAD as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the A Pits Murlidih Colliery of M's BCCU and their workmen, which was received by the Central Government.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

REFERENCE NO. 137 OF 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of
20/21 Pits, Murlidih Colliers of M's
Bharat Coking Coal Ltd

AND

Their workman

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri B. K. Ghosh
Member, Executive Committee, Janta
Mazdoor Sangh.

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi,
Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated. Dhanbad, the 24th May, 1991

AWARD

By Order No. I-20012(272)89-1, R. (Coal-I) dated, the 6th June, 1990 the Central Government in the Ministry of Labour, has in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-k) of Section 10 of the I. D. Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

SCHEDULE

“Whether the management of M's Bharat Coking Coal Ltd in relation to 20/21 Pits Murlidih Colliery Area II is justified in not seeking medical assessment of age of the workman, Shri Shiv Pujan, Rajbhar, loader? If not, to what relief the concerned workman is entitled?”

2. The order of reference for adjudication of the industrial dispute was received in the office of this Tribunal on 14-6-90 and the same was registered as Reference No. 137/90. Thereafter notices were issued to the parties. Both the parties made their appearance but did not file their respective written statement and several adjournments were granted to them. Lastly when the case was fixed for filing written statement by the workmen, Shri B. K. Ghosh, Member Executive Committee of the sponsoring union, submitted before me that he was not interested to take any steps in the industrial dispute, and as such, the case be disposed of according to law. I heard both the parties, and it appears to me that there is no industrial dispute existing between the workmen and the employers. In the circumstances, I am constrained to pass a “No dispute” Award in the present industrial dispute.

This is my Award.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. I-20012/272/89-IR(Coal-I)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

कॉर्ट दिनांक 21 जून 1991

का आ 1957- बर्मेचारी भविष्य निधि और परोक्ष लाभ और नियम 1952 (1952 का 19) की धारा 16 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके हुए तथा भारत सरकार के मंत्रालय के बतानी आदेश में 2132 दिनांक 26 अगस्त 1987 में अधिसूचना के अन्तर्गत में शामिल की परिस्थितियों का यान में रखने हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना समायोजित है क्योंकि कि निम्नलिखित वर्गों का दिनांक 1 सितम्बर 1990 में अपने तीन वर्ष की अवधि के लिए इस अधिनियम के प्रवर्तन में उसमें निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए एनडू द्वारा छूट देनी है यथातः —

अनुसूची

किस में प्रतिष्ठान का विवरण

1 सभी शिक्षण संस्थायें जिनके कर्मचारी राज्य/केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के समान अथवा गैर अथवा गैर अथवा गैर भविष्य निधि पेंशन और जमा सहबद्ध बीमा सुविधा प्राप्त कर रहे हैं।

2 सभी प्रतिष्ठान जो सामाजिक पंजीकरण अधिनियम 1960 के अन्तर्गत पंजीकृत हैं तथा जिनके कर्मचारी राज्य/केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के समान अथवा गैर भविष्य निधि, पारिवारिक पेंशन तथा जमा सहबद्ध बीमा अथवा गैर अथवा गैर भविष्य निधि पेंशन तथा जमा सहबद्ध बीमा सुविधा प्राप्त कर रहे हैं।

[सं. एम-35014/13/90-एम. एम.-11]

New Delhi, the 24th June, 1991

S.O. 1957.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 16 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2432 dated the 26th August, 1987 the Central Government after having regard to the circumstances of the case, is of the opinion that it is expedient so to do, hereby exempts the following classes of establishments from the operation of the Act for a further period of three years with effect from 1st September, 1990 subject to the conditions specified therein, namely :—

SCHEDULE

Sl. No. Particulars of establishments :

- 1 All educational institutions, whose employees are in receipt of contributory provident fund, family pension and deposit linked insurance or non-contributory provident fund, pension and deposit linked insurance at par with State/Central Government employees.
2. All establishments which are registered as 'Society' under the Societies Registration Act, 1860 and whose employees are in receipt of contributory provident fund, family pension and deposit linked insurance or non-contributory provident fund, pension and deposit linked insurance at par with State/Central Government employees.

[No. S. 35014(13)/90-SS.II]

नई दिल्ली 27 जून 1991

श्री आ 1958 —कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) का प्राग 1 की उपप्राग (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एनद्वारा 1791 का उक्त तारीख के रूप में नियम करता है जिसका उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (प्राग 44 और 45 के सिवाय जा पहल ही प्रवृत्त की जा चकी है) और अध्याय 5 और 6 (प्राग 76 की उपप्राग (1) और प्राग 77 78 79 और 81 के सिवाय जा पहल ही प्रवृत्त की जा चकी है) के उपखण्ड उड़ीसा राज्य के निम्नलिखित अरम प्रवृत्त होगे अर्थात् —

प्रखण्ड क्षेत्र का तहसील पटनागढ़ के राजस्व ग्राम छेचरबांग के अन्तर्गत आता है।

[संख्या एम 38013/23 91एस एम 1]

New Delhi, the 26th June, 1991

S O 1958 —In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st July 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of section (1) of section 76 and 77 78 79 and 81 which have already been brought into force of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Orissa namely

“The areas comprising of the revenue village of Chhecherbong in Tehsil of Patnagarh in Bolangir District”

[N S 38013 23 91-SSI]

श्री आ 1959 —कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) का प्राग 1 की उपप्राग (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एनद्वारा 1791 का उक्त तारीख के रूप में नियम करता है जिसका उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (प्राग 44 और 45 के सिवाय जा पहल ही प्रवृत्त की जा चकी है) और अध्याय-5 और 6 (प्राग 76 की उपप्राग (1) और प्राग 77 78 79 और 81 के सिवाय जा पहल ही प्रवृत्त की जा चकी है) के उपखण्ड हिमाचल प्रदेश राज्य के निम्नलिखित अरम प्रवृत्त होगे अर्थात् —

अरम संख्या राजस्व ग्राम का नाम तहसील संख्या जिले का नाम

1	नांगल साकती	141	सिरमौर
2	ओले	140	सिरमौर
3	रामपुर जाल	139	सिरमौर
4	जोहान	138	सिरमौर
5	मोगी नंद	142	सिरमौर

[संख्या एम 38013/21/91एस एम 1]

S O 1959 —In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st July 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of section (1) of section 76 and 77 78 79 and 81 which have already been brought into force of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Himachal Pradesh namely

the said Act shall come into force in the following areas in the State of Himachal Pradesh namely

S No	Name of the Revenue Village	Had Bast No	Name of the District
1	Nangal Saketi	141	Sirmour
2	Olee	140	Sirmour
3	Rampur Jalar	139	Sirmour
4	Johian	138	Sirmour
5	Mogi Nand	142	Sirmour

[No S-38013 24/91-SS-1]

नई दिल्ली 27 जून 1991

श्री आ 1960 —केंद्रीय सरकार ने यह समाधान हा ज्ञान पर कि राष्ट्रीय मण्डल करने अपक्षित या औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की प्राग 2 के खंड (2) के उपखंड (6) के उपखण्ड के अंतर्गत मंत्रालय के अरम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एम आ 39 दिनांक 17 दिसम्बर 1990 द्वारा किसी भी खनिज तेल (कच्चा तेल) माटर और विमान स्पिरिट, डीजल तेल, मिट्टी का तेल इंधन तेल विभिन्न हड़्डाकावन तेल और उनके मिश्रण जिनमें मिथेनिक इंधन राज्य तेल और इसी प्रकार के तेल शामिल है के निर्माण या उत्पादन में नए उद्योग मनेवाओं का उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये 20 दिसम्बर 1990 में छह मास की कालावधि के लिये तब उपयोगी मने घोषित किया था

और केंद्रीय सरकार का यह है कि लाकटिन म उक्त कालावधि के छह मास की और कालावधि के लिये बढ़ाया जाता अधिसूचना है।

अतः अब आध्यात्मिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) का प्राग 2 के खंड (2) के उपखंड (III) के पञ्चम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार उक्त उद्योग का उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये 20 जून 1991 से छह मास की और कालावधि के लिये तब उपयोगी मने घोषित करता है।

[संख्या एम 11011/2 84 डी 1 (ए)]

नव नद्वारद अरम सचिव

New Delhi the 27th June, 1991

S O 1960 —Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (1) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S O No 39 dated the 17th December 1990 the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (crude oil) motor and aviation spirit diesel oil, kerosene oil fuel oil diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels lubricating oils and the like, to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 29th December, 1990,

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period of six months,

Now therefore in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (1) of section 2 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby dec-

lares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 29th June, 1991.

[No. S-11017/284-D.1(A)]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली 25 जून 1991

वा.श्री. 1961—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल रेलवे जबलपुर के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-6-91 का प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 25th June, 1991

S.O. 1961.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 21-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(145)/1989

PARTIES :

Employer in relation to the management of Central Railway Jabalpur and their workman Shri Biran S/o Shri Ram Asre, Casual Labour, Village Tikaria, Post Markundi, Tah. Karvi, District Banda (U.P.).

APPEARANCES :

For Workman --None.

For Management.—Shri S. K. Mishra Advocate.

INDUSTRY.—Railways DISTRICT.—Banda (U.P.)

AWARD

Dated. June 7th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-41012/80/88-D-2(B) Dated 31st July, 1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the decision taken by the management of Central Railway, Jabalpur in removing Shri Biran S/o Shri Ram Ashre, Casual Labour, from service with effect 19-1-1988 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

2 Both the parties have filed their respective statement of claim. Thereafter the workman did not take interest in prosecuting his case

3. It appears that the workman has no interest case. I therefore record a no dispute award. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-41012 80/88-D.1(B)(P)]

वा.श्री. 1961—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल रेलवे जबलपुर के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-6-91 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1962.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 21-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(141)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the Central Railway Jabalpur and their workman, Shri Sunder Lal S/o Shri Jhallu, Casual Labourer, Village Bambhiya, Post Office Markundi, Tah. Karvi, District Banda (U.P.).

APPEARANCES :

For Workman --None.

For Management.—Shri S. K. Mishra Advocate.

INDUSTRY.—Railways DISTRICT.—Banda (U.P.)

AWARD

Dated . June 6th 1991

By Notification No. L 41012 84 D-2(B) Dated 31st July 1989 the following dispute has been referred to this Tribunal by the Central Government, Ministry of Labour, for adjudication :—

“Whether the decision taken by the management of Central Railway, Jabalpur (M.P.) in removing Shri Sunderlal S/o Shri Jhallu, Casual Labourer, from service with effect from 19-1-1988 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

2 In this case only on two dates i.e. 21-9-1989 and 24-10-1989 the workman appeared in person and parties filed their respective statement of claim. The workman after 24-10-1990 is absconding himself and remained absent on 1-11-89, 2-4-90, 10-5-90,

26-6-90, 25-9-90 and 17-1-91—Neither any rejoinder has been filed nor evidence adduced by the workman. Therefore it appears that the workman has no interest in the case. I therefore record a no dispute award. No. order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-41012 84/88.II(B)(P)]

का मा 1963.—आध्यात्मिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार भारत सरकार के प्रमुख मंत्री के अध्यक्षता में मजदूर निराकरण बोर्ड के अध्यक्षता में उनके कर्मचारियों के बीच, अथवा में निहित औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पक्षों को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 21-6-91 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1963.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhakra Beas Management Board and their workmen, which was received by the Central Government on 21-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SH. ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

I.D. 53/87

Baljeet Singh & Others

Vs.

Bhakra Beas Management Board

For the Workman—Sh. R. K. Sharma.

For the Management—Sh. C. Lal.

AWARD

Central Govt. vide gazette Notification No. L-42011/886-D.II(B) dated 14th July, 1987 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision :

“Whether the action of the Executive Engineer (O&M) Division Bhakra Beas Management Board, Dhulkote in Terminating the services of the below mentioned workmen w.e.f. 9-8-85 is just and legal. If not, to what relief are the workmen entitled to and from what date ?

Name of the workmen :

1. S Sh. Baljeet Singh, Gurdev Singh, Ram Partap, Raghubir Singh, Harish Kumar, Rameshwar Dass, Yush Pal Singh.

2. Claim of the petitioners as set out in the claim statement is that they were appointed as W/C T Mate by the Executive Engineer (O&M) Division BBMB Dhulkote. They have also alleged in their respective claim statements that their services were terminated on 9-8-1985 by the above said Executive Engineer. It

was claimed that the termination of services of the petitioners are illegal, arbitrary and against the principal of natural justice on the ground that mandatory provisions of Section 25-F of the I.D. Act was not complied. Only 10 days notice instead of one month notice was given. Neither wages in lieu of remaining days of notice nor retrenchment compensation was paid. Subsequent plea taken by the petitioners in their respective claim petitioners is that the principal of ‘last come first go’ was not observed since juniors to the petitioners were retained in employment and their names are Joginder Singh, Malkiat Singh, Dharam Vir, Hoshiar Singh, Suresh Kumar, Manjit Singh, Ram Singh, Mohan Lal, Pawan Kumar, Dharam Pal, Daljit Singh, Maksood Ahmed, Raj Kumar and Sri Ram.

2. Claim of the petitioners was resisted by the management and in their written statement; preliminary objection was taken that the petitioners were appointed against specific work and on its completion they were discharged with due notices on 8-8-1985. Another plea was taken that the establishment of the respondent is not covered by term ‘Industry.’ On merits the plea was taken that these petitioners were appointed primarily on work charge basis and they were again appointed categorically specifying that the appointment was against the ‘construction work’ of the New 66 KV Sub Station Sector 52, Chandigarh Mohali. It was admitted that the services of the petitioners were terminated with 10 days notice as work against which they were engaged completed. It was also pleaded that the petitioners were appointed against specific work and on its completion they were discharged. The work was completed within the period of two years as such the provisions of Section 25-F were not attractive. Another plea was also taken that (i) Joginder Singh (ii) Malkiat Singh (iii) Dharam Vir (iv) Hoshiar Singh (v) Suresh Kumar (vi) Manjit Singh (vii) Rameshwar Dass (viii) Ram Raj (ix) Maksud Ahmed (x) Raj Kumar (xi) Mohan Singh (xii) Joginder Singh (xiii) Pawan Kumar (xiv) Dharam Pal were seniors to the petitioners except Shri Manjit Singh, Ram Raj, Maksood Ahmed, Pawan Kumar and Dharam Pal who are either engaged on other jobs or better qualified. It was also pleaded that Raj Bir and Charanjiv Kumar their services have already been terminated and do not exist on their. The services of Ram Singh have also been terminated w.e.f. 21-3-84. Similarly Daljit Singh who was appointed on 30-5-1983 is still continuing being senior most, and the stand taken by the management that the petitioners are not entitled to have any claim since they were engaged against a deposit work given to the BBMB by the Chandigarh Administration and on its completion services of the workman alongwith the petitioners were terminated on 8-8-1985.

3. The petitioners also filed reapplication contradicting the stand taken by the management and reiterated their claims as in the claim statements. In replication main plea was taken by the petitioners that the management has not given correct dates of their appointments. The date given by the management are the dates on which the workmen were brought on work charge establishment and even prior to being brought on work charged establishment, workmen served as casual worker on daily wage and the tree was also laid that the persons juniors to the petitioners

are still continuing. They are Manjit Singh, Maksood Ahmed who are still working. Raj Kumar, Pawan Kumar, Dharam Pal and Charanjiv and Daljit Singh are junior to the workmen.

4. Workmen in support of their case filed their affidavit in evidence. Gurdev Singh filed his affidavit Ex. W1, Rameshwar Dass as Ex. W2, Yash Pal as Ex. W3, Harish Kumar as Ex. W4, Raghubir Singh as Ex. W5, Daljit Singh as Ex. W6, and **Ram Partap** filed his affidavit Ex. W7. The workman also filed offer of appointment of Baljeet Singh as Ex. W8 of 1-9-1983 and of Gurdev Singh Ex. W9 dated 1-8-83 and of Raghubir Singh as Ex. W11 dated 29-7-1983 and of Yash Pal Singh as Ex. W11 dated 29-7-1983 and Ex. W12 of Experience certificate of Rameshwar Dass. In their affidavit they have re-asserted the contents contained in their claim statements and the stress was laid that the management has not complied with the provisions of Section 25-F and 25-G of the I.D. Act 1947 and principle of 'Last come first go' was not observed.

5. The management in their evidence filed Ex. M1 affidavit of Shri V. K. Goel S.D.O. Construction BBMB Chandigarh and Ex. M1 offer of appointment of Gurdev Singh dated 2-7-1984. Ex. M2 arrival report and Ex. M3 termination order of Gurdev Singh. The plea was taken by the management that the petitioners were appointed prior on work charge basis for specific job after completion of deposit work they were rightly terminated. However as a good gesture the petitioners were offered amount falling short of notice in the retrenchment compensation and they are not entitled to claim any re-instatement.

6. I have heard both the parties. The counsel for the workman has argued that there is violation of Section 25-F of the I.D. Act 1947. The petitioners had already completed 240 days in the preceding year at the time of retrenchment and no retrenchment compensation was given to the petitioner and other conditions of Section 25 has not been complied with. Another plea was taken by the Counsel for the petitioners is that there is violation of Section 25-G of the I.D. Act 1947. Juniors to the petitioners had been retained by the management report and taken by the management that and the principle of 'last come first go' has not been followed by the management as provided in Section 25-G of the I.D. Act 1947 and thus the petitioners are entitled for re-instatement with full back wages. Representative on behalf of the management has argued that the petitioners are not entitled to any retrenchment compensation as the case does not fall U/S 25-F and U/S 25-G of the I.D. Act and the present case falls U/S 25-FFF sub-section (2) of the I.D. Act 1947 and has argued that they were employed for specific work and the work was completed within a period of two years as provided in the above said section and therefore, workmen are not entitled for any relief by way of re-instatement or compensation. After perusing the record I am not convinced by the stand taken by the management. In order to attract Section 25FFF sub section (2) of the I.D. Act 1947 there has to be closing down of the undertaking in which the retrenched employees had been working. But the position is not so in the present case. The offer of appointment placed on

record which are Ex. W8 to W11 shows that the petitioners were duly appointed by the BBMB which is still existing unit. The main ingredient of Section 25-F of closing down of the undertaking is missing in the present case. Not only this however Shri V. K. Goel appearing on behalf of the management as M1 has admitted in his cross-examination that according to requirement the workman employed for a particular job work are also deputed to job at other work. This also indicates that the petitioners were not specifically employed to do particular job. Therefore, Section 25FFF sub section 2 has no application in the present case.

6 Counsel for the workmen advanced arguments that the workmen have already been completed 240 days in the preceding year on the date of their retrenchment and no retrenchment compensation was given to them as provided U/S 25-F of the I.D. Act 1947. Ex. W8 to W11 are the offer of appointments which has been produced in evidence by the workmen showing offer of appointment of Baljit Singh of dated 1-9-1983, Gurdev Singh of 1-8-1983, Raghubir Singh of 29-7-1983 and of Yash Pal Singh of dated 29-7-1983 in which they were required to give their acceptance with seven days and subsequently Baljit Singh joined on 2-9-83, Raghubir Singh on 4-8-83, Yash Pal Singh on 4-8-83, Gurdev Singh on 6-8-83 i.e. within seven days from the date of their offer of appointment. No counter offer of appointment has been placed in evidence by the management concerning the workmen. Only by way of Ex. M1 the management had tried to stress that offer of appointment is dated 2-7-1984 in case of Gurdev Singh and in consequent thereof he had joined on 2-7-84 vide M2. Thus runs contrary to Ex. W9 as discussed above in evidence by the workmen. The management had not adduced any explanation to this and thus goes against the management. From the documents Ex. W8 to W11 and the affidavits sworn by the respective petitioners and from the date of their retrenchment, there is no evidence on the record on behalf of the management whether there is any break in service and though in the preceding year they have been admittedly worked for more than 240 days. Mr. V. K. Goel appeared on behalf of the management has also admitted that no retrenchment compensation was given to them. However he admitted that retrenchment compensation was offered to them during conciliation proceedings before the Assistant Labour Commissioner (Central) to which the petitioners refused. This shows that at the time of termination of services of the petitioners no retrenchment compensation was given to them. This clearly violates the provisions of Section 25-F of the I.D. Act 1947.

As per their own admission of the management there is also violation of Section 25-G of the I.D. Act 1947 for non following the principle of 'Last come first go'. V. K. Goel appearing on behalf of the management has admitted in his cross-examination that Joginder Singh and others referred in para 3 of the written statement (14 in numbers) are juniors to the present petitioners. He has also admitted in his cross examination that Joginder Singh and others worked in para 3 of the written statement upto 1-8-83 till the employment of the manage-

ment but on other works. This admission of this witness appearing on behalf of the management clearly indicates that Joginder Singh and others mentioned in para No. 3 of the written statement (referred in Para 2 of this award) were juniors to the present petitioners and they are still working with the respondent management and the present petitioners have been retrenched who were senior to them are out of job. This also violates the provisions of Section 25-G of the I.D. Act 1947.

In view of the facts discussed above and the circumstances, the cases of present petitioners succeed and the petitioners stand re-instated with continuity in service. There is no evidence on behalf of the workmen to the effect that they had remained unemployed or not worked any where during the above period. The management has also not adduced any evidence to the effect whether they were gainfully employed during the above period. However seeing these circumstances it is ordered that petitioners shall get 50 per cent of their backwages due to them. The result thereof that reference is answered in favour of the workmen and against the management.
Chandigarh : 31-5-91.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

[No. L-42011/8/86-D.II(B)(Pt.)]

वा.आ. 1964—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कलावती सरन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल नई दिल्ली के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1964.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kalawati Saran Children Hospital, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on 17-6-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA · PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 28/91

In the matter of dispute between :

Smt. Santosh Devi Nursing Orderly, through Mahasachiv, Hospital Employees Union, Aggarwal Bhawan, G. T. Road, Tis Hazari, Delhi-110054.

Versus

Chikitsa Adhikshak, Kalawati Saran Children Hospital, Baba Khark Singh Marg, New Delhi-110001.

APPEARANCES :

Workman in person.

Shri A. K. Sharma—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42012/38/10-IR(DU) dated 12-3-91 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Kalawati Saran Children Hospital, New Delhi in terminating the services of Smt. Santosh Devi, Nursing Orderly w.e.f. 1-9-89 is justified ? If not, what relief she is entitled to and from what date "

2. Smt. Santosh Devi workman made statement today that she has filed case in the Central Administrative Tribunal Delhi and wanted to withdraw this case from this court. She further prayed that no dispute award be given in this case.

3. In view of the statement of the workman there exists no dispute between the parties to be settled by this court. I, therefore, pass a No Dispute award in this case leaving the parties to bear their own costs.

7th June, 1991.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer.

[No. L-42012/38/90-IR(DU)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer.

